श्‍र्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 130 | गुवाहाटी | बुधवार, 6 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वन मंत्री पटवारी ने एशियाई रेंजर फोरम में लिया हिस्सा — पेज 3
भारत और केन्या के बी पांच करार पर हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री बोले अफ्रीका... — पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने 278 सहायक आचार्यों, 2142 स्टॉफ नर्स को दिए नियुक्ति पत्र — पेज 5
श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी... — पेज 8

नागरिकता अधिनियम धारा 6ए की सुनवाई शुरू

असम के लोगों को अल्पसंख्यक नहीं बनाया जाना चाहिए : याचिकाकर्ता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने आज नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6ए किसी संवैधानिक कमजोरी से ग्रस्त है या नहीं, इस पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। प्रावधान को चुनौती की सुनवाई करने वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, एमएम सुंदरेश, जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल थे। आज असम के प्रवासियों की पहचान और निर्वासन की मांग कर रहे विभिन्न समाजों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने धारा 6ए की वैधता के खिलाफ दलीलें पेश कीं। दीवान ने तर्क दिया कि हालांकि केंद्र सरकार किसी भी समुदाय या समूह के साथ *राजनीतिक समझौता* कर सकती है, लेकिन यह तारीखों और समय सीमा के संबंध में संविधान की योजना के विपरीत नहीं होना चाहिए। उन्होंने आप्रवासियों को नागरिकता देने के संबंध में असम के लिए एक विशेष कटऑफ तिथि निर्धारित करने में संघ की क्षमता को चुनौती दी, खासकर संविधान में संशोधन के बिना। दीवान ने तब कहा कि यदि केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने की मांग करती है जो एक नई कट ऑफ तारीख पेश करे, तो यह सभी राज्यों के लिए लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि असम के लिए एक विशेष कानून ने उसके संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर हमें बाहरी लोगों को रहने की अनुमति देनी है, तो महासंघ की सभी इकाइयों को इसका कुछ हिस्सा उठाना होगा। उन्होंने पूछा कि केवल असम के लिए विशेष शासन क्यों है। आव्रजन और नागरिकता कानूनों को एक समान लागू करने की मांग करते हुए, दीवान ने तर्क दिया कि यदि सीमावर्ती राज्य एक अलग वर्ग का गठन करते हैं, तो इसे सभी सीमावर्ती राज्यों पर लागू होना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि यह साबित करने का भार याचिकाकर्ताओं पर है कि अन्य सीमावर्ती राज्य भी इसी तरह स्थित थे और इसे 1955 के अधिनियम में संशोधन में शामिल किया जाना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि अदालतें कानूनों को वैध मानती हैं। हमने हमेशा एक कम-समावेशी कानून की अनुमति दी है, प्रमुख ने फिर से सुझाव देते हुए कहा कि कानून की अंतर्निहित असंवैधानिकता साबित करने का बोझ याचिकाकर्ताओं पर है। दीवान ने 1961 और 1971 की जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि असम में अनियंत्रित अप्रवासन के कारण मतदाता जनसांख्यिकी में बदलाव आया है, जिसका राज्य की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सीधा और स्पष्ट प्रभाव पड़ा है। 1988 में असम के पूर्व राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एसके सिन्हा की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्रियों को लेकर गहरे मंथन में भाजपा, *हिट* नहीं *फिट* चेहरों की तलाश

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़। तीनों ही राज्यों में चुनाव लड़ने के लिए भाजपा ने किसी चेहरे को आगे नहीं किया और वहां प्रचंड बहुमत मिलने के बाद भी इनमें से किसी राज्य में मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर अभी तक कोई संकेत तक नहीं दिया है। दरअसल, यहां विकल्प को लेकर कोई संकट नहीं है। *हिट* या कहें कि चर्चित चेहरों की कतार है, लेकिन पार्टी आलाकमान की नजरें इनमें से उन चेहरों को तलाश रही हैं, जो न सिर्फ राज्यों में सक्षम नेतृत्व दे सकें, बल्कि अगले वर्ष होने जा रहे लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से भी प्रत्येक समीकरण में *फिट* बैठते हों। चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार को सामने आ गए। इनमें मध्य प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर की आशंकाओं को खारिज करते हुए भाजपा ने प्रचंड बहुमत प्राप्त कर सत्ता में वापसी की तो कांग्रेस के हाथ से अप्रत्याशित रूप से छत्तीसगढ़ और राजस्थान -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम सरकार में महिला उत्थान होगी प्राथमिकता : लालदुहोमा

नई दिल्ली/एजल (हि.स.)। मिजोरम के नए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा शपथ लेने के बाद लालदुहोमा सरकार की प्राथमिकताओं की घोषणा करेंगे। मंगलवार को उन्होंने एजल में पत्रकारों के साथ बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार महिला -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने की मंत्रियों, विधायकों और भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने आज भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में कोकराझाड़, दरंग, उदालगुड़ी, काजीरंगा, बरपेटा और जोरहाट लोकसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर से पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने की जिम्मेदारी संभालने वाले मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने राज्य भर में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों के साथ-साथ आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों पर भी -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

राज्य में 2021 के बाद अपराध में 50 फीसदी गिरावट : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अपराध में कमी लाने में भारी प्रगति करते हुए, असम में 2021 से अपराध दर में 50 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने एक्स पर लिखा कि नवीनतम् एनसीआरबी रिपोर्ट से पता चलता है कि 2021 के बाद से असम में कुल अपराध लगभग 50 फीसदी कम हो गया है। स्मार्ट पुलिसिंग, पारदर्शी भर्ती -शेष पृष्ठ दो पर

आयुर्ज्ञान योजना के तहत राज्य के वैज्ञानिकों को मिला प्रशिक्षण : सोनोवाल

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज राज्यसभा को सूचित किया कि आयुर्ज्ञान योजना, एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है, जो आयुष क्षेत्र में क्षमता निर्माण में सहायक रही है। केंद्रीय मंत्री ने आज एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सदन को बताया कि असम के वैज्ञानिकों ने भी इस योजना का लाभ उठाया है। आयुर्ज्ञान योजना पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि आयुर्ज्ञान योजना का उपयोग निरंतर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से आयुष में क्षमता निर्माण के लिए किया गया है। इस योजना के तहत आयुष डॉक्टरों और गैर आयुष वैज्ञानिकों दोनों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और आयुष दोनों मंत्रालय 2021 से मिलकर काम कर रहे हैं और एम्स जैसे देश के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों में एकीकृत चिकित्सा का अभ्यास शुरू किया गया है। यह जरूरी है कि लोगों के जीवन की गुणवत्ता को सुधारने और समृद्ध करने के उद्देश्य से एकीकृत चिकित्सा के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा के साथ-साथ समकालीन चिकित्सा का सर्वोत्तम उपयोग किया जाना चाहिए। सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

देश में एक निशान एक विधान और एक प्रधान ही चलेगा : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में टीएमसी के वरिष्ठ सदस्य सौगत रॉय के उस बयान पर आपत्ति जताई जिसमें उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नारे को राजनीतिक करार दिया था। सदन में मंगलवार को जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 पर चर्चा के दौरान सौगत रॉय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक देश में एक निशान, एक विधान और एक प्रधान का नारा राजनीतिक था। इससे जम्मू-कश्मीर की जनता से कोई लेना-देना नहीं है। सौगत रॉय के इस बयान को सुनते ही गृहमंत्री शाह नाराज हो गए। उन्होंने आसान के माध्यम से रॉय को संबोधित करते हुए कहा कि दादा, ये बयान आपत्तिजनक है। अब आपकी उम्र हो चुकी है। शाह ने सवाल किया कि एक -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

डीएमके सांसद ने हिंदी पट्टी के राज्यों को बताया गोमूत्र राज्य

नई दिल्ली। लोकसभा में द्रमुक के एक सांसद ने मंगलवार को हिंदी पट्टी के राज्यों को गोमूत्र राज्य बताकर विवाद खड़ा कर दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि भाजपा केवल वहां चुनाव जीत सकती है, दक्षिण भारत में नहीं जीत सकती। भाजपा नेताओं ने द्रमुक पर पलटवार किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन सहयोगी की अपमानजनक टिप्पणियों से सहमत हैं। जम्मू-कश्मीर से संबंधित दो विधेयकों पर निचले सदन में बहस में शामिल हुए डी एन वी सेंथिल कुमार ने कहा कि इस देश के लोगों को यह सोचना चाहिए कि भाजपा की शक्ति केवल हिंदी भाषी राज्यों और जिसे हम आम तौर पर -शेष पृष्ठ दो पर

ईडी ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धन शोधन की जांच के सिलसिले में मंगलवार को हरियाणा तथा राजस्थान में कई स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय जांच एजेंसी धन शोधन रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के तहत दो राज्यों में करीब 12 स्थानों पर तलाशी ले रही है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए), हरियाणा पुलिस और कुछ अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

रास में उठा सनातन धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणियों का मामला

नई दिल्ली (हि.स.)। सनातन धर्म के अपमान का मुद्दा मंगलवार को राज्यसभा में भी गूंजा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य जीवीएल नरसिम्हा राव ने सनातन धर्म का अपमान करने वाले तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन व राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कार्रवाई की मांग की है। राव ने आज सदन में शून्यकाल के दौरान उदयनिधि स्टालिन और राज्य सरकार पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मंत्री ने सार्वजनिक तौर पर सनातन धर्म को अपमानित किया है । वह सनातन धर्म के उन्मूलन -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
खुद ही अपने सपनों को साकार करें, वर्ना कोई और आपको उनके सपनों को साकार करने के लिए खरीद लेगा।
– फराह ग्रे

न्यूज गैलरी

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के नए सीएम, सात को लेंगे शपथ

नई दिल्ली। रेवंत रेड्डी तेलंगाना के अगले मुख्यमंत्री होंगे। वह सात दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस ने मंगलवार को अपनी पार्टी मुख्यालय में इसकी घोषणा की। बता दें कि रेवंत रेड्डी का मुख्यमंत्री बनना पहले से तय माना जा रहा था, जिसपर पार्टी ने आज मुहर लगा दी है। इससे पहले हैदराबाद में सीएलपी बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था और सीएम नियुक्त करने का आखिरी फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ दिया गया था। -शेष पृष्ठ दो पर

एडीआर रिपोर्ट : मप्र में 205 नवनिर्वाचित विधायक करोड़पति, 90 के खिलाफ आपराधिक प्रकरण

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश में 16वीं विधानसभा के चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद मंगलवार को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने नवनिर्वाचित विधायकों के संबंध में अपनी रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के नवनिर्वाचित विधायकों में 205 करोड़पति हैं, जबकि इनमें से 102 विधायक ऐसे हैं, जिनके पास पांच करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। वहीं, प्रदेश की 16वीं विधानसभा के लिए निर्वाचित विधायकों में से एक पर हत्या और पांच पर हत्या के प्रयास और दो पर रेप और अन्य तरह के गंभीर अपराध दर्ज हैं। इसके अलावा दो विधायक ऐसे हैं, जो सिर्फ हस्ताक्षर कर पाते हैं। मध्य प्रदेश में विधानसभा के चुनाव 17 नवंबर को एक ही चरण में संपन्न हुए और सभी 230 सीटों पर तीन दिसंबर को मतगणना के बाद नतीजे घोषित किए गए। प्रदेश में इस बार भाजपा के 163, कांग्रेस के 66 और भारत आदिवासी पार्टी से एक उम्मीदवार विधानसभा पहुंचा है। एडीआर ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों -शेष पृष्ठ दो पर

ईयू की चेतावनी : यूरोप में क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान आतंकी हमले का खतरा

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ की गृह मामलों की आयुक्त ने मंगलवार को चेतावनी दी कि इजराइल और फिलीस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के बीच युद्ध के परिणामस्वरूप, यूरोप क्रिसमस की छुट्टियों के समय *बड़े आतंकी हमलों का खतरा* मंडरा रहा है। पेरिस के एफिल टावर के पास सप्ताहांत में हुए घातक हमले की फ्रांसीसी जांचकर्ताओं की जांच के बीच यह चेतावनी जारी की गई। संदिग्ध के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, जिसने चरमपंथी इस्लामी समूह के साथ अपनी संबद्धता बताई है। सने एक जर्मन-फिलीपीनी पर्यटक की चाकू मारकर हत्या कर दी और दो अन्य को हथौड़े से वार कर घायल कर दिया। ईयू की गृह मामलों की आयुक्त यल्वा जोहानसन ने संवाददाताओं से कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध, और समाज में इसके द्वारा किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चुनावों में हार के लिए विपक्ष ने ईवीएम पर मढ़ा दोष

नई दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने को लेकर भाजपा नेताओं ने उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि वे (विपक्ष नेता) अपनी कमियों को छिपाने के लिए बहाने तलाश रहे हैं। हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी के तीन राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़- में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत के बाद कई विपक्षी नेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर सवाल उठाए थे, कुछ ने हालांकि कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी वे चुनाव जीतने में असफल होते हैं, तो वे ईवीएम को दोष देते हैं। उन्होंने कहा कि नया कुछ भी नहीं है। विपक्ष, चाहे कोई भी हो, जब जीतता है तो उसे ईवीएम से कोई परेशानी नहीं होती, लेकिन जब हारता है, तो इसका ठीकरा ईवीएम पर फोड़ता है। एक अन्य भाजपा नेता एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि इन ईवीएम के दम पर आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में तीन बार और पंजाब में एक बार चुनाव जीता, 2012 में समाजवादी पार्टी (सपा) को (उत्तर प्रदेश में) पूर्ण बहुमत मिला, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 2007 में (उत्तर प्रदेश में) पूर्ण बहुमत मिला और कांग्रेस ने तेलंगाना जीता। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि नाच न जाने आंगन टेढ़ा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष पुरानी बात दोहरा रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई नई बात नहीं है, लेकिन अगर आप तीन राज्यों में सवाल उठा रहे हैं, तो तेलंगाना की जीत पर भी सवाल उठाएं। यह घिसा-पिटा फार्मूला है। यह पुनरावृत्ति है। अगर आपको लगता है कि ईवीएम में हेरफेर किया गया है, तो आप प्रचार करने क्यों जाते हैं? आप उन राज्यों में चयनात्मक आलोचना करते हैं, जहां आप चुनाव हार गए हैं। आपको अपनी हार को स्वीकार करने और समझने की जरूरत है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव प्रताप रुडी ने कहा कि ईवीएम का इस्तेमाल लंबे समय से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईवीएम पिछले 18-19 साल से हैं। जब वे (विपक्ष) चुनाव जीतते हैं, तो सवाल नहीं उठाते। क्या उन्हें लोगों पर भरोसा नहीं है? मुझे लगता है कि बार-बार हार के बाद भी विपक्ष द्वारा इसे उठाना हास्यास्पद है। अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि यह पता था कि वे ईवीएम को दोष देंगे। उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया है। उनके भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को लोगों ने खारिज कर दिया है, इसलिए वे ऐसी अपरिपक्व बातें कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश ने विपक्ष को खारिज कर दिया है। भविष्य में भाजपा हर चुनाव जीतेगी। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने हालांकि कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि ईवीएम पर मेरी व्यक्तिगत राय अपरिवर्तित है। मुझे ईवीएम पर पूरा भरोसा है। मैं जानता हूं कि मेरी पार्टी के कई सहयोगियों की राय अलग है, लेकिन मैं हमेशा ईवीएम को लेकर बहुत आश्वस्त रहा हूं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था, जिसके बाद यह मुद्दा गरमा गया। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि चिप वाली किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है। सिंह ने कहा कि उन्होंने 2003 से ही ईवीएम द्वारा मतदान का विरोध किया है।

भारत जेनरिक दवाओं के क्षेत्र में अग्रणी : मांडविया

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि भारत जेनरिक दवाओं के क्षेत्र में अग्रणी है, लेकिन मात्रा के हिसाब से वैश्विक आपूर्ति में इसकी हिस्सेदारी सिर्फ 20 प्रतिशत है। डॉ. मांडविया ने कीनिया के राष्ट्रपति डॉ. विलियम समोई रूटो की मौजूदगी में भारत-कीनिया व्यापार और निवेश फोरम में अपने संबोधन के दौरान यह बात कही। डॉ. रूटो इस समय भारत के राजकीय दौरे पर हैं। भारत और कीनिया के बीच गहरे और मजबूत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि हमारे उद्यमियों को एक-दूसरे के साथ व्यापार करना आसान लगता है। ऐतिहासिक रूप से स्थापित इस विश्वास ने कई भारतीयों को कीनिया में बसने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्युटिकल्स पर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जोर दिया, जहां भारत ने सबसे अधिक प्रगति की है और कीनिया के लोग इससे लाभान्वित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत लगभग 100 देशों को टीके और विकसित देशों सहित 150 देशों को प्रासंगिक दवाओं की आपूर्ति करता है। इससे देश को *दुनिया की फार्मेसी* होने की अपनी प्रतिष्ठा मिली है। कीनिया के लोगों के लिए भारत चिकित्सा उपचार के लिए सबसे बड़ा गंतव्य है। इस मौके पर डॉ. विलियम रुटो ने कहा कि सरकार ने व्यवसायों के विकास के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है और निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए दीर्घकालिक नीतियां लाई हैं। भारत ने नैरोबी में अपना ईएक्सआईएम बैंक भी खोला है, जो क्षेत्र के 15 देशों को सेवा प्रदान करेगा।

दरंग में उजारा देह व्यापार का ठिकाना

दरंग (हिंस)। दरंग पुलिस ने दलगांव के सियालमारी नंबर दो से देह व्यापार के ठिकाने को बंद करवा दिया। पुलिस ने पांच पीड़ित लड़कियों को भी इस दौरान मुक्त कराया और दो कारोबारी महिला देह व्यापारियों को हिरासत में लिया। देह व्यापारी महिला को दलगांव के जॉयनाल उद्दीन के घर से छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि जॉयनाल उद्दीन दरंग जिले के बाहर की लड़कियों को विभिन्न नौकरियों के बहाने ले जाकर असामाजिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करता था। पुलिस को शक है कि इस गुट में कई और लोग शामिल हैं।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

जोरहाट (हिंस)। जिले के टियोक में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि पहले हादसे में दो ट्रकों के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई । हादसे के बाद ट्रक चालक हैंडीमैन के साथ फरार हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक अन्य ट्रक के चालक को जेएमसीएच भेज दिया गया। वहीं उसी समय, एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई।मृतक की पहचान शंकर माहली के रूप में हुई है।

तट से टकराया तूफान, मूसलाधार बारिश, 12 की मौत

अमरावती। गंभीर चक्रवाती तूफान मिगजॉम 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ बापटला जिले के करीब आंध्र प्रदेश तट को पार कर गया। वहीं, चेन्नई और उसके आसपास बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में अब तक कम से कम 12 लोगों की जान चली गई है, क्योंकि चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण सोमवार को शहर और आसपास के जिलों में लगातार बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का कहना है कि चक्रवात मिचुआंग की भूस्खलन प्रक्रिया पूरी हो गई है। चेन्नई के पश्चिम ताम्बरम के बाढ़ग्रस्त कृष्णा नगर इलाके में रहने वाले लोगों को फुली हुई नावों का उपयोग करके बचाया जा रहा है। पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों द्वारा बचाव प्रयास जारी हैं। अधिकारी ने कहा कि लकड़ी एवं पोल कटर से लैस और नौकाओं के साथ बचाव दल पहले से ही तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में मार्ग-साफ करने का काम कर रहे हैं, जहां मंगलवार सुबह चक्रवात ने कहर बरपाया था। एनडीआरएफ के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ अतिरिक्त टीम को तैयार रखा गया है और राज्य सरकारों द्वारा मांग किए जाने पर उन्हें प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जाएगा। बापटला जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वकुल जिंदल ने बताया कि क्षेत्र में कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि 21 चक्रवात राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जबकि जिले में 10 पेड़ उखड़ गए हैं और पुलों में पानी सुरक्षित सीमा से बढ़ गया है। कुछ लोगों को वाहनों से राहत शिविर ले जाया गया और आस-पास रहने वाले लोग वहां पैदल चले गए। इससे पूर्व सोमवार को बापटला के जिला कलेक्टर रंजीत बाशा, जिंदल एवं विधायक के. रघुपति ने सूर्यलंका तट का दौरा किया था और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए थे। जिले में हर थाने में जेसीबी मशीन, कटर मशीन, रस्सियां और विशेषज्ञ तैराक हैं। पिछली घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस ने 24 संवेदनशील पुलों की पहचान की है और वहां पुलिस कर्मियों को तैनात किया। इसी तरह 300 पुलिस कर्मियों और अन्य अधिकारियों को उन गांवों में तैनात किया गया है जहां बाढ़ आने की आशंका है। आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त 60 पुलिसकर्मियों को अलर्ट पर रखा गया है।

गृहमंत्री ने जम्मू-कश्मीर से जुड़े दो विधेयकों को लोस में किया पेश

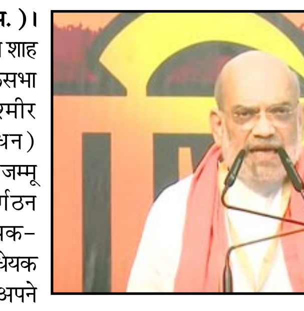

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में जम्मू एवं कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 और जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 पेश किया। विधेयक पर कई सदस्यों ने अपने विचार रखे। जम्मू एवं कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 जम्मू एवं कश्मीर आरक्षण अधिनियम-2004 में संशोधन करता है। अधिनियम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के सदस्यों को नौकरियों और व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण का प्रावधान करता है। जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 में संशोधन करता है। अधिनियम-2019 के जरिए जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा में सीटों की कुल संख्या 83 निर्दिष्ट करने के लिए 1950 अधिनियम की दूसरी अनुसूची में संशोधन किया गया था। इसमें अनुसूचित जाति के लिए छह सीटें आरक्षित की गईं थी। अनुसूचित जनजाति के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं की गई। मौजूदा विधेयक में सीटों की कुल संख्या बढ़ाकर 90 कर दिया गया है। यह अनुसूचित जाति के लिए सात सीटें और अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें भी आरक्षित करता है। विधेयक में कहा गया है कि उप राज्यपाल कश्मीरी प्रवासी समुदाय से अधिकतम दो सदस्यों को विधानसभा में मनोनीत कर सकेंगे। मनोनीत सदस्यों में से एक महिला होनी चाहिए। विधेयक में कहा गया है कि उप राज्यपाल पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक सदस्य को विधानसभा में मनोनीत कर सकते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

नागरिकता अधिनियम धारा ...

गई थी कि अनियंत्रित बांग्लादेशी अप्रवासन असमिया लोगों की पहचान और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है। याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि अप्रवासन से ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए जहां एक सीमावर्ती राज्य के सांस्कृतिक अधिकार कम हो जाएं, और उसके लोग अल्पसंख्यक हो जाएं। बेंच ने जोर देकर कहा कि *जनसांख्यिकीय आक्रमण* के दावे को डेटा के साथ प्रमाणित किया जाना चाहिए जो स्पष्ट रूप से दिखाता है कि धारा 6 ए का सांस्कृतिक जनसांख्यिकी को नष्ट करने का प्रभाव पड़ा है। सीजेआई ने यह भी कहा कि असम में निस्संदेह एक समस्या है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि घुसपैठ हो रही है। लेकिन हम यहां इसका परीक्षण नहीं कर रहे हैं, वकील ने याद दिलाते हुए कहा कि संवैधानिक वैधता का मुद्दा अपनाई गई कट-ऑफ पर है। न्यायालय ने वकील से यह स्पष्ट करने की मांग की कि *घुसपैठ* के किसी भी दावे का 1985 के संशोधन की कानूनी वैधता पर कोई असर क्यों पड़ता है जो अधिनियम में धारा 6 ए लाया गया था। पीठ कल, 6 दिसंबर 2023 को याचिकाकर्ताओं की सुनवाई फिर से शुरू करेगी।

मुख्यमंत्रियों को लेकर...

को भी छीन लिया। हां, तेलंगाना में जरूर कांग्रेस को सत्ता मिल गई। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा द्वारा जीते गए इन तीनों ही राज्यों में *मोदी मैजिक* मतदाताओं से सिर चढ़कर बोला है, लेकिन टीम वर्क के रूप में स्थानीय नेताओं की भूमिका को भी सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद से ही तीनों राज्यों में कई चर्चित चेहरों को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। तीनों राज्यों में सभी बड़े और हाल फिलहाल में चर्चित हुए चेहरों के नाम मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में उछाले जा रहे हैं। इस तेज चर्चा के बीच भाजपा नेतृत्व की ओर से पूरी तरह से खामोशी है। यहां तक कि इन राज्यों में मुख्यमंत्री चयन को लेकर अभी तक पर्यवेक्षक तक की नियुक्ति नहीं की गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शीर्ष नेतृत्व अभी इन राज्यों की गहरी राजनीतिक-सामाजिक समझ रखने वाले नेताओं से सलाह-मशविरा कर रहा है। दरअसल, तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री का चेहरा चुनने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। चूंकि, तीनों पड़ोसी राज्य हैं, इसलिए राज्यों का नेतृत्व सौंपते वक्त सामाजिक-जातीय समीकरण साधा जाना है। क्या किसी एक राज्य का जिम्मा महिला को दिया जाए? यह भी विचार है। कुल मिलाकर इस सारे मंथन के केंद्र में मिशन-2024 भी है। भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों तक का चयन इस तरह सभी समीकरण साधते हुए करना चाहते हैं, जिसके लिए लोकसभा चुनाव की बिसात मजबूत और संतुलित ढंग से बिछाई जा सके।

मिजोरम सरकार में ...

मतदाताओं की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक रही है। उनकी पार्टी को सत्ता की चाभी सौंपने में महिला मतदाताओं की बड़ी भूमिका रही है, इसलिए वे महिलाओं के आभारी हैं और वे उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह उनकी प्राथमिकता में हैं। जोरम पीपुल्स मूवमेंट के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा कहते हैं कि उनकी जीत भगवान और लोगों का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि वे पिछले वर्ष से ही इतनी बड़ी जीत की उम्मीद कर रहे थे, क्योंकि वे लोगों का मूड जानते हैं। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि मिजोरम के लोग हमारे पक्ष में हैं। कोई दावेदार नहीं है, इसलिए उन्होंने पिछले साल ही एक तरह से मुझे चुन लिया था। लोगों ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि अगर जेडपीएम सत्ता में लौटती है तो लालदुहोमा मुख्यमंत्री बनेंगें। लालदुहोमा कहते हैं कि राज्य के युवा उस मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था से तंग आ चुके थे, जिसमें उनके पिता या पूर्वज शामिल रहे हैं। इसलिए वे खुद को मुक्त करना चाहते हैं और नए नेतृत्व के साथ और नए सिद्धांतों के साथ एक नई व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास करना चाहते हैं। लालदुहोमा ने कहा कि ज्यादातर ठेके की आपूर्ति प्रतिबंधित निविदा प्रणाली के तहत दी जाती है, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है। इसलिए सभी प्रकार की प्रतिबंधित निविदाओं को बंद किया जाएगा लेकिन उनकी सहमति के बिना एकल प्रतिबंधित निविदा दी जानी चाहिए। वे इसके पक्षधर हैं।

सीएम ने की ...

चर्चा की। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, राज्य संगठन मंत्री जीआर रवींद्र राजू, राज्य के कई मंत्री, विधायक और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में 2021...

और निवेश में हमारे प्रयास फल दे रहे हैं। हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक असम अपराध मुक्त नहीं हो जाता। मुख्यमंत्री ने अपराध दर में भारी गिरावट के लिए राज्य सरकार द्वारा तेज गति और पारदर्शी पुलिस भर्ती के माध्यम से स्मार्ट पुलिसिंग को जिम्मेदार ठहराया। एनसीआरबी रिपोर्ट में कहा गया है कि अपराध दर (प्रति लाख जनसंख्या) पहले के 341 से घटकर 194.2 हो गई है, जबकि आईपीसी विशेष और स्थानीय कानून (एसएलएल) से संबद्ध मामले पहले के एक लाख 33 हजार 239 से घटकर 68 हजार 937 हो गई है।

आयुर्ज्ञान योजना के...

मोदी के नेतृत्व के तहत, दुनिया जीवन की गुणवत्ता को समृद्ध करने के लिए पारंपरिक चिकित्सा से सकारात्मकता के बारे में बात कर रही है। आज, पूरी दुनिया योग का जश्न मना रही है, क्योंकि यह दुनिया भर में कल्याण आंदोलन में एक पथप्रदर्शक बन गया है। योग को एक वैश्विक आंदोलन बनाने का मोदी का प्रयास तब हकीकत में बदल गया, जब संयुक्त राष्ट्र ने 2015 से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इस वर्ष, जैसा कि आप जानते हैं, पीएम मोदी ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया। इसमें 180 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इसे वास्तव में वैश्विक आंदोलन बना दिया। इससे प्रेरणा लेते हुए, हम आयुर्ज्ञान योजना सहित कई कार्यक्रमों के माध्यम से आयुष में क्षमता निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं ताकि यह लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एकीकृत चिकित्सा के विचार को पूरा कर सके। जब मोदी ने जी 20 में एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में *एक परिवार, एक पृथ्वी, एक भविष्य* दिया, तो हमारी सरकार समृद्ध और स्वस्थ के साथ एक *स्वास्थ्य* के निर्माण की दिशा में पारंपरिक और समकालीन – दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ को एकीकृत करने के लिए दृढ़ता से आगे बढ़ रही है।

डीएमके सांसद ने ...

गोमूत्र कहते हैं, उन राज्यों में चुनाव जीतना है। चुनाव के दौरान, सनातन धर्म के खिलाफ कुछ द्रमुक नेताओं की टिप्पणियों पर उपजे विवाद को भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल किया था। इस साल की शुरुआत में, कांग्रेस ने भाजपा के हाथ से कर्नाटक की सत्ता छीन ली थी, जबकि तमिलनाडु सहित अन्य दक्षिणी राज्यों में गैर-भाजपा दलों का शासन है। लोकसभा में बोलते हुए, सेंथिल कुमार ने कहा कि आप (भाजपा) दक्षिण भारत में नहीं आ सकते। आप केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में जो कुछ भी होता है, उसके सभी परिणाम देखते हैं, हम वहां बहुत मजबूत हैं। सेंथिल कुमार ने कहा कि हमें इस बात से बिल्कुल हैरानी नहीं होगी, अगर आप वहां पर अप्रत्यक्ष तौर पर सत्ता जमाने के लिए इन्हें केंद्र शासित प्रदेश बना देते हैं। क्योंकि हमें मालूम हैं कि आप कभी भी वहां पैर जमाने और पूरे दक्षिणी हिस्से पर नियंत्रण करने का सपना पूरा नहीं कर सकते हैं। तमिलनाडु में, राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने सांसद की असंवेदनशील टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि पार्टी की सोच काफी कमजोर हो गई है और द्रमुक का अहंकार इसके पतन का प्रमुख कारण होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा कि हमारे उत्तर भारतीय दोस्तों पानी पुरी बेचने वालों, शौचालय बनाने वालों आदि को बुलाने के बाद, आई.एन.डी.आई.ए. एलायंस डीएमके एमपी, गोमूत्र जिब्स बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस असंवेदनशील टिप्पणी की कड़ी निंदा करती है। अन्नामलाई ने कहा कि डीएमके सांसद शायद भूल गए हैं कि एनडीए गठबंधन पुडुचेरी में सत्ता में है और अब भी कर्नाटक में भी सत्ता में थी। उन्होंने पोस्ट किया कि द्रमुक का अहंकार उनके पतन का प्रमुख कारण होगा! कर्नाटक के पूर्व मंत्री सीटी रवि ने पूछा कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस तरह की अपमानजनक टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा कि क्या आई.एन.डी.आई. गठबंधन के नेता राहुल गांधी इस डीएमके से सहमत होंगे, जिसने हार्टलैंड राज्यों के भारतीयों का अपमान किया है? कांग्रेस और उसके सहयोगी कब तक भारतीयों का अपमान करेंगे? इस बीच, भाजपा के राज्यसभा सदस्य जीवीएल नरसिम्हा राव ने मंगलवार को मांग की कि तमिलनाडु सरकार सनातन धर्म के खिलाफ घृणास्पद भाषण देने के लिए राज्य मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करे और उन्हें उनके पदों से बर्खास्त करे।

ईडी ने लॉरेंस ...

राज्य की पुलिस ने बिश्नोई और उसके साथी सतविंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की हैं और आरोप पत्र दाखिल किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने इन्हीं प्राथमिकियों एवं आरोप पत्रों के आधार पर कार्रवाई की है। अभी जेल में बंद बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले के आरोपियों में से एक है। प्रवर्तन निदेशालय इन आरोपों की जांच कर रहा है कि बिश्नोई और उसके गिरोह के सदस्य वसूली और मादक पदार्थ तथा हथियारों की तस्करी के जरिए भारत में जुटायी रकम कनाडा तथा अन्य देशों में भेज रहे थे जिसका इस्तेमाल खालिस्तान समर्थक कर रहे थे। पंजाब के फाजिल्का का रहने वाला बिश्नोई 2014 के बाद से जेल में बंद है। उसे राजस्थान पुलिस के साथ एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उसे 2021 में दिल्ली की तिहाड़ जेल लाया गया। बाद में 14 जून 2022 को पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था और उसे 29 मई को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संबंध में पंजाब ले जाया गया। विभिन्न पुलिस एजेंसियां मामलों के संबंध में उसकी हिरासत लेती रही है और बिश्नोई अलग-अलग जेलों में जाता रहता है। एनआईए ने पहले कहा था कि जांच से पता चला है कि बिश्नोई की अगुवाई में एक आतंकवादी, गैंगस्टर और मादक पदार्थ तस्करी गिरोह कई हत्याएं करने और कारोबारियों तथा डॉक्टरों समेत पेशेवरों से वसूली में शामिल रहा है और इससे जनता के बीच भय तथा आतंक का माहौल पैदा हुआ।

रास में उठा सनातन ...

की बात कह रहे हैं। ऐसे लोगों को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उदयनिधि स्टालिन सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ रहे हैं। राव ने अपने उद्बोधन के दौरान आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि इस गठबंधन का उद्देश्य सिर्फ सनातन को अपमानित करना है। यह गठबंधन भारत विरोधी एजेंडा चला रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे उदयनिधि स्टालिन सनातन पर टिप्पणी कर सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने का काम करते हैं और आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन का कोई नेता कुछ नहीं बोलता है। उल्लेखनीय है कि डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने बीते दिनों अपने भाषण में सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया से की थी। इसको लेकर उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद उन्होंने अपने बयान को लेकर माफी नहीं मांगी। इसको लेकर भाजपा ने विरोध जताया है।

देश में एक निशान ...

देश में दो प्रधानमंत्री, दो झंडे और दो संविधान कैसे हो सकते हैं? यह पूरी तरह गलत है। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने इसको सुधारने का काम किया है। आपकी सहमति-असहमति से क्या होता है? जो देश चाहता था, वह किया गया। हमारे लिए यह चुनावी नारा नहीं था। इसकी मांग वर्ष 1950 से थी, जिसे हमने पूर किया है। रॉय के बयान पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी आपत्ति जताते हुए आसान के माध्यम से रॉय को संबोधित करते हुए कहा कि आप पश्चिम बंगाल के दमदम लोकसभा क्षेत्र से आते हैं। अच्छा होता कि आप डॉ. मुखर्जी के बलिदान को आज याद करते। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी रॉय के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वर्ष 2011 में लाल चौक पर तिरंगा तक नहीं फहराया जा सकता था। वहां पत्थरबाजी होती थी, लेकिन आज पूरे जम्मू-कश्मीर में तिरंगा लहरा रहा है और अनुच्छेद-370 खत्म होने के बाद से पत्थरबाजी खत्म हो चुकी है।

एडीआर रिपोर्ट : मप्र ...

के शपथ पत्रों के विश्लेषण आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। एडीआर द्वारा मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, 230 विधायकों में से 90 (39 फीसदी) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 34 (15 फीसदी) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। जबकि 2018 में निर्वाचित हुए 94 (41 फीसदी) विधायकों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज थे। इनमें 47 (20 फीसदी) के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज थे। रिपोर्ट के अनुसार, एक विधायक पर हत्या से संबंधित, पांच के खिलाफ हत्या के प्रयास, तीन के खिलाफ महिलाओं पर अत्याचार से संबंधित मामले दर्ज हैं। दलवार बात करें तो भाजपा के 51 विधायक, कांग्रेस के 38 और भारत आदिवासी पार्टी के एक विधायक पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें भाजपा के 16, कांग्रेस के 17 और भारत आदिवासी पार्टी के एक विधायक पर गंभीर मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मप्र के नवनिर्वाचित 230 विधायकों में से 205 (89 फीसदी) करोड़पति हैं, जबकि पिछले 2018 के चुनाव में 230 में से 187 (81 फीसदी) विधायक करोड़पति थे। दलवार आंकड़ों के अनुसार, इस बार नवनिर्वाचित विधायकों में भाजपा के 144 (88 फीसदी) और कांग्रेस के 61 (92 फीसदी) करोड़पति हैं। कुल करोड़पति विधायकों में 102 (44 फीसदी) की संपत्ति पांच करोड़ से ज्यादा, 71 (31 फीसदी) की संपत्ति दो करोड़ से ज्यादा, 48 (21 फीसदी) की संपत्ति 50 लाख से दो करोड़ और नौ (चार फीसदी) की संपत्ति 50 लाख रुपए से कम है। भाजपा के करोड़पति विधायकों की औसत संपत्ति 12.35 करोड़ और कांग्रेस के विधायकों की औसत संपत्ति 10.54 करोड़ और भारत आदिवासी पार्टी के विधायक की औसत संपत्ति 18.32 लाख रुपए है। प्रदेश में सबसे अधिक संपत्ति रतलाम सिटी से भाजपा विधायक चेतन कश्यप के पास 296 करोड़ रुपए से अधिक है, जबकि दूसरे नंबर पर विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के पास 242 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है, जबकि तीसरे नंबर पर छिंदवाड़ा विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ हैं, उनके पास 134 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो रिपोर्ट के अनुसार, 64 विधायक (28 फीसदी) पांचवीं से 12वीं तक पढ़े-लिखे हैं, जबकि 161 (70 फीसदी) विधायकों की शैक्षिक योग्यता स्नातक या इससे ज्यादा है। वहीं, तीन विधायक डिप्लोमा धारक और दो विधायक केवल साक्षर (हस्ताक्षर करने योग्य) हैं।

ईयू की चेतावनी ...

ध्रुवीकरण के कारण यूरोपीय संघ के देशों के अंदर आतंकी हमले होने का खतरा है। उन्होंने कहा कि हमने हाल में पेरिस में ऐसा होते देखा, दुर्भाग्य से हमने पहले भी ऐसा देखा है। उन्होंने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया जो उनकी चेतावनी को पुख्ता करता हो। उनके कार्यालय ने विवरण उपलब्ध करने के लिए किए गए अनुरोध का अभी कोई जवाब नहीं दिया है। ईयू के सदस्य देशों के गृह मंत्री ब्रसेल्स में एकत्र हुए हैं। जोहानसन ने संवाददाताओं से कहा कि गाजा में युद्ध और हमास का आतंक स्थिति को भयावह बना रहा है।

रेवंत रेड्डी होंगे ...

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने तेलंगाना विधायक दल के नए सीएलपी के रूप में रेवंत रेड्डी को चुना है। रेवंत रेड्डी पीसीसी अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि रेवंत रेड्डी एक प्रभावशाली नेता हैं, जिन्होंने अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ अच्छा प्रचार किया। हमें पूरा यकीन है कि इस सरकार की पहली और सबसे बड़ी प्राथमिकता तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं और उन्हें दी गई गारंटी को पूरा करना होगा।

वन मंत्री पटवारी ने एशियाई रेंजर फोरम में लिया हिस्सा

हमारे रेंजर, वन रक्षक और अधिकारी हमारे वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहे : पटवारी

गुवाहाटी (हिंस)। पर्यावरण और वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने आज राजधानी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में प्रथम एशियाई रेंजर्स फोरम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। प्रथम एशियन रेंजर्स फोरम का आयोजन पर्यावरण एवं वन विभाग, असम सरकार, जैव विविधता संरक्षण संगठन आरण्यक, इंटरनेशनल रेंजर फेडरेशन (आईआरएफ), रेंजर फेडरेशन ऑफ एशिया (आरएफए) और यूनिवर्सल रेंजर सपोर्ट एलायंस (यूआरएसए) के सहयोग से किया जाता है। विशेष रूप से, 5 से 8 दिसंबर के दौरान आयोजित होने वाले वैश्विक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 20 देशों की 35 महिलाओं के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों सहित 146 प्रतिभागी यहां एकत्र हुए। प्रतिभागियों में से 89 सक्रिय हैं। अपने संबोधन में वन मंत्री पटवारी ने आशा व्यक्त की कि पहला एशियाई रेंजर्स फोरम पूरे एशिया के रेंजरों का समर्थन करने वाले संगठनों को एक साथ इकट्ठा होने और वनों और वन्यजीवों की रक्षा के लिए विश्व स्तर पर रेंजरों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर सहयोग करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि फोरम रेंजरों को

ज्ञान साझा करने, साझेदारी बनाने और विचारों, तकनीकों और सर्वोत्तम अभ्यास संरक्षण, प्रबंधन पहलों के माध्यम से क्षमता निर्माण करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा, जिन्हें एशिया भर के संरक्षण क्षेत्रों में आजमाया और परखा गया है। असम की समृद्ध जैव विविधता और इसकी प्रचूर वनस्पतियों और जीवों के बारे में विस्तार से बताते हुए, वन मंत्री ने कहा कि स्थानीय समुदायों के सहयोग से समर्पित वन अधिकारियों ने असम में गैंडा संरक्षण की सफलता की कहानी लिखी है। हमारे रेंजर, वन रक्षक और अधिकारी हमारे गैंडों और अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए, अपने जीवन के लिए अत्यधिक खतरे के बावजूद, विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कठिन परिस्थितियों में ऐसी अनुकरणीय सेवा के लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए। यह कहते हुए कि अवैध शिकार की रोकथाम के अलावा, असम के वन रेंजर आवास प्रबंधन कार्यों में लगे हुए हैं, जैसे कि वनों की कटाई को रोकना। वन मंत्री ने मानव-पशु संघर्ष को कम करने, फसलों के नुकसान को कम करने के लिए रणनीतियों को लागू करने, मानव बस्तियों की रक्षा करने, जानवरों को सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी विस्तार से बताया कि कैसे असम सरकार द्वारा वन्यजीव रेंजरों को उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए हवाई निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग करने, जानवरों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जीपीएस ट्रैकिंग का उपयोग करने आदि जैसी तकनीक से लैस किया गया है। वन मंत्री पटवारी ने यह भी बताया कि कैसे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अमृत बृक्ष आंदोलन के हिस्से के रूप में असम में एक ही दिन में एक करोड़ पेड़ लगाकर गिनीज विश्व रिकॉर्ड हासिल किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम असम के वन क्षेत्र को 36 फीसदी से बढ़ाकर 38 फीसदी करने के प्रयासों में काफी मदद करेंगे। असम को दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बताते हुए, मंत्री ने पूरे आसियान क्षेत्र और उससे आगे वन और वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए एशियन रेंजर फोरम जैसे अधिक मंचों का आह्वान किया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए महाराष्ट्र सरकार के वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने अपने भाषण के दौरान वन संरक्षण के लिए महाराष्ट्र सरकार की विभिन्न पहलों के बारे में बात की। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को वन रेंजरों की उनकी समर्पित सेवाओं की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण उपायों में योगदान देना चाहिए। आज के कार्यक्रम में, गुजरात, मेघालय और राजस्थान की महिला रेंजरों को एक्सप्लोरिंग वुमनहुड फाउंडेशन वन दुर्गा संरक्षण पुरस्कार 2023 भी प्रदान किया गया। जैव विविधता के संरक्षण में उनके असाधारण योगदान के लिए महाराष्ट्र के एक रेंजर की पत्नी को भी एक विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

इटानगर में मनाया गया कृषि उत्सव *पोडी-बारबी*

इटानगर (हिंस)। कृषि उत्सव *पोडी-बारबी* आज अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर में आदि समुदाय द्वारा पारंपरिक उत्साह के साथ मोपिन-सोलुंग ग्राउंड में मनाया गया। राजधानी क्षेत्र में पोडी बार्बी महोत्सव समारोह समिति द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, रोइंग विधायक, मुच्चू मिथी ने आदि समुदायों और पूरे राज्य को *पोडी बार्बी* की शुभकामनाएं दीं और उन्होंने अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपरा को रखने के लिए समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि कोई भी हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा का सार गोगल या किसी अन्य स्रोत में नहीं पा सकता है, लेकिन इसे हमारे पूर्वजों से विरासत में लेना होगा और त्योहार उत्सव के माध्यम से हम अपनी परंपरा और संस्कृति को संरक्षित किया जा सकता है, क्योंकि हमारी परंपरा और संस्कृति ही हर समुदाय की हमारी पहचान है। उन्होंने युवा पीढ़ी से राज्य के जनजातीय समुदाय के विविध सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है और डिजिटल दुनिया में युवा पीढ़ी ही हमारे राज्य के पारंपरिक मूल्य और सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को बचा सकती है।

300 पूर्व आसू नेता भाजपा में शामिल होंगे

गुवाहाटी (हिंस)। तीन सौ से अधिक पूर्व असम छात्र संघ (आसू) नेताओं और कार्यकर्ताओं के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के फैसले के बाद आसू के गढ़ में बड़ी दरार पड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय हाल के आसू के अधिवेशन के बाद आसू के पूर्व नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लिया। पूर्व आसू नेता दिब्य ज्योति मेधी के नेतृत्व में आसू प्रतिनिधिमंडल ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की और भाजपा को अपना समर्थन व्यक्त किया। पूर्व छात्र नेता दिब्य ज्योति मेधी ने आसू के भीतर सदस्यों के बीच अंदरूनी कलह और असंतोष को उजागर किया जिसके कारण संगठन छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया गया। ज्ञात हो कि मेधी और कई अन्य कार्यकर्ताओं ने 21 नवंबर को आसू छोड़ दिया था। खबर है कि दिब्यज्योति मेधी तीन सौ आसू कार्यकर्ताओं के साथ इस सप्ताह भाजपा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने आसू के नेतृत्व में काम किया था और अब मैं पार्टी नेतृत्व के अनुसार काम करूंगा। मुख्यमंत्री की विकास यात्रा में

हम और युवा पीढ़ी भाजपा के प्रति आकर्षित हैं। इसलिए मैं भाजपा के साथ काम करने के लिए आगे आया हूं। दिब्यज्योति मेधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य के युवा महत्वपूर्ण रूप से प्रगति करेंगे। उसी लक्ष्य के साथ, सीएम शर्मा लोगों के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और उनके प्रयास में हम पूर्व छात्र नेता मुख्यमंत्री को अपना पूरा समर्थन दे रहे हैं। अगले सप्ताह तक पार्टी में शामिल होने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम राज्य के लोगों, युवाओं का विकास और कल्याण चाहते हैं।

अशोक सिंघल ने जनता भवन में की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने आज जनता भवन में कई महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की, जिसमें क्षेत्र में शहरी विकास के लिए महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की गई। आवास और शहरी मामलों के विभाग (डीओएचयूए), गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी), गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए), गुवाहाटी जल बोर्ड, नगरपालिका प्रशासन निदेशालय और असम शहरी जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के अधिकारियों को शामिल करते हुए चर्चा की गई। बैठक में, राज्यपाल के समक्ष प्रगति प्रस्तुत करने से लेकर दीपर बील परियोजना, विशेष सहायता योजनाओं और यूआईडीएफ / एएमआरयूटी तकनीकी सेल डिपार्मेंट आफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स के तहत योजनाओं पर अपडेट पर चर्चा तक विषय शामिल थे। ऑनलाइन बिल्डिंग परमिशन सिस्टम के कार्यान्वयन और आगामी शहरी नियोजन कॉन्क्लेव की तैयारियों पर भी प्रकाश डाला गया। जीएमसी सत्र में कामाख्या जल आपूर्ति

परियोजना की विस्तृत समीक्षा, स्वच्छ भारत मिशन की प्रगति और कार्य योजना, उल्लंघन के लिए दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी, हरिजन कॉलोनी के विकास पर अपडेट और निर्माणाधीन बाजार की स्थिति पर चर्चा की गई। जीएमडीए चर्चाओं में कई विषयों को शामिल किया गया। जिसमें चयनित पार्कों के लिए अंतिम ड्राइंग पर प्रस्तुतियां, गुवाहाटी मास्टर प्लान के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं, उत्तर गुवाहाटी के लिए शहरी नियोजन और प्रस्तावित गुवाहाटी मास्टर प्लान में भूमि लेनदेन को रोकने के प्रस्ताव वाले कैबिनेट ज्ञापन पर विचार-विमर्श शामिल है। बैठक में क्षेत्र में चल रहे और प्रस्तावित कार्यों का अवलोकन भी प्रदान किया गया। गुवाहाटी जल बोर्ड के साथ समीक्षा बैठक के दौरान जल प्रबंधन और आपूर्ति के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। चर्चा में सभी जलाशयों और 16 विभाजित पैकेजों के तहत हुई प्रगति का आकलन शामिल था, जिससे वर्तमान स्थिति की व्यापक समझ सुनिश्चित हुई। उत्तर गुवाहाटी जलाशय के लिए ढलान संरक्षण कार्यों और उसी क्षेत्र में फ्लशिंग की स्थिति पर जोर दिया गया। पाइप फटने की घटनाओं के संबंध में चिंताओं को संबोधित करते हुए, पाइपलाइनों को मजबूत करने के लिए सुरक्षा उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, बैठक में दक्षिण पश्चिम गुवाहाटी जल आपूर्ति परियोजना की प्रगति पर चर्चा हुई, जिसमें जल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और गुवाहाटी के निवासियों के लिए टिकाऊ और विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के ठोस प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा, व्यापक शहरी विकास की दिशा में ठोस प्रयासों के हिस्से के रूप में, मंत्री अशोक सिंघल ने गुवाहाटी शहर में बढ़ते यातायात परिदृश्य को संबोधित करने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की।

तीन राज्यों में भाजपा को मिली जीत पर रंगिया में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को देश के चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन राज्यों में जीत हासिल की है। इस मौके पर भाजपा द्वारा देशभर में इस जीत का जश्न मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार संध्या भारतीय जनता पार्टी के उत्तर कामरूप जिला अंतर्गत रंगिया नगर मंडल ने भाजपा की इस भव्य जीत का जश्न मनाया। इस मौके पर रंगिया के बीचों बीच स्थित ऐतिहासिक हरदत्त बिरदत्त भवन प्रांगण के सामने सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित हुए जिन्होंने दिवाली जैसा माहौल बनाकर आतिशबाजी की और पटाखे फोड़े। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा जिंदाबाद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता जिंदाबाद और भाजपा जिंदाबाद जैसे नारे लगाए और इस मौके पर मिठाईयां बांटी तथा एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में भाजपा उत्तर कामरूप जिलाध्यक्ष सुबल पाल, रंगिया नगर मंडल के नव नियुक्त अध्यक्ष नबो डेका और सभी पदाधिकारियों सहित बहुत से भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

त्रिपुरा में याबा टैबलेट की तस्करी करते हुए बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध एक अभियान में त्रिपुरा पुलिस ने आज पड़ोसी देश से ड्रग्स की तस्करी के लिए अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान एरियन हुसैन के रूप में हुई है। त्रिपुरा पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने त्रिपुरा के सिपाहीजेला जिले के सोनामुरा उप-मंडल के तहत कुलुबारी इलाके में एक अभियान चलाया, जिससे संदिग्ध की गिरफ्तारी में सफलता मिली। पुलिस के अनुसार एरियन हुसैन ने याबा टैबलेट की एक खेप बांग्लादेश में ले जाने के इरादे से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। पुलिस ने बताया कि जानकारी के आधार पर ऑपरेशन को अंजाम दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग नौ सौ याबा टैबलेट जब्त किए गए। आगे की जांच करने पर, यह पता चला कि एरियन हुसैन के पास भारत में प्रवेश के लिए वैध दस्तावेज का अभाव था, वह अवैध रूप से सीमा पार किया था। त्रिपुरा में प्रवेश करने का उसका प्राथमिक उद्देश्य नशीली दवाओं की तस्करी गतिविधियों में शामिल होना था। एरियन हुसैन के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोपों के साथ-साथ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कावेरी हॉस्पिटल, नवीनतम प्रगति एआई आधारित ओसीटी-एसीआर लांच किया

गुवाहाटी। अग्रणी मल्टीस्पेशलिटी हेल्थकेयर श्रृंखला कावेरी हॉस्पिटल्स, चेन्नई ने एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अल्ट्रॉन ओसीटी-एसीआर सिस्टम लांच किया है, जो उच्च परिशुद्धता और सुरक्षा के साथ एंजियोप्लास्टी करने में मदद करता है। नवीनतम तकनीक रक्त वाहिकाओं की उच्च दृष्टि प्रदान करती है और प्रक्रियाओं को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए वास्तविक समय मार्गदर्शन प्रदान करती है। इस नवीनतम तकनीक का उपयोग करके 59 वर्षीय एक व्यक्ति की दाहिनी कोरोनरी धमनी के स्टेनोसिस का इलाज किया गया। 1970 के दशक से एंजियोग्राफिक निष्कर्षों का उपयोग करके पारंपरिक कोरोनरी एंजियोप्लास्टी / स्टेंटिंग की जाती रही है। अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस) और नए एआई सक्षम अल्ट्रियन ओसीटी-एसीआर का उपयोग करके कोरोनरी इंट्रावास्कुलर इमेजिंग के साथ, प्रक्रिया की सुरक्षा और परिशुद्धता को बढ़ाते हुए प्रक्रियात्मक समय को कम करकोरोनरी ब्लॉकेज का तेजी से (सेकंड के भीतर) आकलन करना संभव है, वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजाराम अनंतरामन ने कहा कि जिन्होंने कार्डियोलॉजिस्ट की टीम का नेतृत्व किया और कावेरी अस्पताल में 59 वर्षीय रोगी में पहला अल्ट्रियन ओसीटी-एसीआर निर्देशित पीटीसीए स्टेंटिंग किया। यह प्रणाली एआई सक्षम है, और सेकंड के भीतर सभी विस्तृत जानकारी प्रदान करती है। अल्ट्रियन ओसीटी-एसीआर के साथइंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के लिए वास्तविक समय मार्गदर्शन के साथडेटा तुरंत साझा किया जाता है। हृदय रोग विशेषज्ञ जटिल मल्टी वेसल पीसीआई को सुरक्षित रूप सेबहुत सटीकता के साथ करने में सक्षम होंगे। हमने उत्कृष्ट परिणामों के साथ अल्ट्रियन ओसीटी मार्गदर्शन का उपयोग करते हुए एक 50 वर्षीय व्यक्ति पर एक जटिल कैल्सीफिक एलएडी एंजियोप्लास्टी की थी, जिसे मुंबई में हाल ही में संपन्न टीसीटी-दक्षिण एशिया सम्मेलन में लाइव प्रसारित किया गया था और डॉक्टरों के बीच इसकी काफी सराहना की गई थी। कावेरी अस्पताल अलवरपेट चेन्नई के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. केपी सुरेश कुमार ने बताया।

फकीराग्राम में विभिन्न योजनाओं की दी जा रही जानकारियां

कोकराझार (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड के कार्यालय में सरकार द्वारा चलाइ जा रही विभिन्न योनजओं की जानकारियां दी जा रही है। इस योजना कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मिली जानकारी के पीएमएवाई, अरुणोदय, आयुस्मान कार्ड, रेशन कार्ड आदि योजना पर विस्तृत रूप से लोगों को जानकारियां दी गई। वहीं फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम आयोजित की गई थी। जिसमें विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया और केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाइ जा रही विभिन्न योजना को लेकर लोगों को अवगत कराया गया। वहीं आज फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार शर्मा ने संवाद माध्यम को बताया कि फकीराग्राम मुंसिपल बोर्ड पीएमवाई और एनयुएलएम आदि योजना रूपायण नहीं कर सकता है।

तनिष्क की ओर से गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू

भारत भर में 1 लाख दुल्हनों को सुनहरी खुशियां प्रदान करेगा

गुवाहाटी (विभास)। जीवन के सफर में सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक शादी, प्यार और वचनों को एक साथ जोड़ते हुए, खूबसूरत जिंदगी की ओर लेकर जाता है। गुणवत्ता और अतुलनीय डिजाइन के लिए नवाजा जाने वाला, भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह का एक सदस्य, तनिष्क कई सालों से देश भर की शादियों का एक सबसे अहम हिस्सा रहा है। आने वाले वेडिंग सीजन के लिए तनिष्क ने नई *गोल्ड एक्सचेंज पॉलिसी* लाकर, विश्वसनीयता, पारदर्शिता और आज के लगातार बदलते हुए मार्केट में दुल्हनों के लिए अतुलनीय मूल्य के प्रती अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। इस मौके पर जीएस रोड स्थित तनिष्क के शोरूम में आयोजित पत्रकार सम्मेलन के दौरान पूर्वी क्षेत्र के व्यापार प्रबंधन प्रबंधक अभिषेक कर, जीएस रोड स्टोर प्रबंधक नवीन जैन, तनिष्क रियल ब्राइड्स की विजेता आयशा बेगम, एटी रोड स्टोर के प्रबंधक डेनियल निंगशेन, पूर्वी क्षेत्र की कस्टमर एक्सपीरियंस एग्जीक्यूटिव देवयानी चटर्जी मौजूद थी। इस दौरान अभिषेक कर ने कहा कि हर घंटे 100 ऐसे लोग बहुत ही खुशी से तनिष्क एक्सचेंज कम्युनिटी में शामिल हो रहे हैं। आने वाले कुछ महीनों में 35 लाख से ज्यादा शादियां होने वाली हैं, उनके गोल्ड एसेट्स के लिए

तनिष्क का *गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम* इष्टतम मूल्य प्रदान करने का वचन देता है। इस पॉलिसी में उपभोक्ताओं के पुराने सोने से तनिष्क के नए, आकर्षक डिजाइन बनाए जाते हैं, जो शादी जैसे महत्वपूर्ण दिन पर पहनने के लिए सबसे सही होते हैं। तनिष्क के गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम में उपभोक्ताओं को भारत में किसी भी ज्वेलर से खरीदे गए, 22 या उससे ज्यादा कैरेट के पुराने सोने पर 100 प्रतिशत वैल्यू मिलता है। इसके अलावा, वर्तमान सोने की दरों की चिंता किए बिना, दुल्हनें बहुत ही आसानी से अपने पुराने सोने को एक्सचेंज करके तनिष्क के शानदार नए डिजाइन ले सकती हैं, जिसके लिए किसी भी अतिरिक्त भुगतान की आवश्यकता नहीं होती है। यह बहुत ही आसान प्रक्रिया उन्हें न केवल उत्कृष्ट नए आभूषण दिलाती है बल्कि मार्केट के मौजूदा उतार-चढ़ावों से बचने के लिए एक समझदार समाधान भी प्रदान करती है। पूरे साल भर चलने वाला तनिष्क का एक्सचेंज प्रोग्राम उपभोक्ताओं की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, जो उनके लिए संभावनाओं का बड़ा खजाना खोलता है। तनिष्क की प्रतिबद्धता मात्र आभूषण बनाने और बेचने तक ही सीमित नहीं है, यह ब्रांड हर दुल्हन की अनोखी जीवन यात्रा का हिस्सा बनता है। रिवाह बाय तनिष्क, वेडिंग एक्सक्लूसिव सब-ब्रांड में बहुत ही शानदार और बारीकी से बनाए गए कलेक्शन प्रस्तुत किए गए हैं। रिवाह बाय तनिष्क आज भारत भर की दुल्हनों की पहली पसंद बन चूका है। बहुत ही कलात्मक ढंग से बनाई गई रिवाह की ब्राइडल ट्रूसो रेंज समृद्ध और कालातीत परंपराओं का प्रतिबिंब है, इसके आभूषण हर दुल्हन को उसके जीवन के सबसे खास दिन पर बहुत खास होने का एहसास दिलाते हैं। वेडिंग सेगमेंट की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिए, तनिष्क ने कई आकर्षक कलर स्टोन्स, चमकदार सोने, हीरे, खूबसूरत पोल्की और कुंदन के कई डिजाइन प्रस्तुत किए हैं जो शादी में हल्दी, मेहंदी, संगीत से लेकर सबसे महत्वपूर्ण शादी के दिन तक की सभी रस्मों के लिए परफेक्ट हैं। अपनी उपभोक्ता केंद्रितता को रेखांकित करते हुए, रिवाह बाय तनिष्क ने 2022 में *रियल ब्राइड्स* कैंपेन शुरू किया। इस पहल में भारत की उन रियल ब्राइड्स को शामिल किया जाता है जो अपनी जिंदगी के सबसे खास दिन के लिए तनिष्क को चुनती हैं। उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव को और भी गहरा करने के लिए शुरू की गई इस पहल में अलग-अलग शहरों से कुछ उपभोक्ताओं को *फेस ऑफ तनिष्क* बनने के लिए चुना जाता है। इस कैंपेन में भारत भर के क्षेत्रों की दुल्हनों के लिए बहुत ही सोच-समझ कर बनाए गए, तनिष्क के डिजाइन्स को प्रदर्शित किया जाता है, उन्हें पहनने वाली दुल्हनों को प्रतिष्ठित रिवाह ब्राइड्स के रूप में सम्मानित किया जाता है। इस पहल में भाग लेने वाली दुल्हनों को रैम्प वॉक करने, रिवाह ब्राइड बनकर अपने खास दिन को फिर एक बार जीने का स्वर्ण अवसर दिया जाता है। गोल्ड एक्सचेंज से देश के भीतर ही सोने के रीसाइक्लिंग को बढ़ावा मिलता है, जिससे सोने को इम्पोर्ट करने की जरूरत कम हो जाती है। इतनाही नहीं, माइनिंग के बजाय रीसाइक्लिंग की पर्यावरण पूरक प्रथा को भी बढ़ावा मिलता है, जो सस्टेनेबल है और पृथ्वी पर संसाधनों की सुरक्षा की तनिष्क की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। तनिष्क के रीजनल बिजनेस मैनेजर श्री अलोक रंजन ने कहा कि इस तिमाही में आने वाले वेडिंग सीजन पर हमारी कई उम्मीदें टिकी हुई हैं। वेडिंग ज्वेलरी सेगमेंट में मांग में भारी बढ़ोतरी होने की अपेक्षा है। भारत में पारंपरिक शादियों में आभूषण एक अहम हिस्सा होते हैं और इस कैटेगरी की क्षमता काफी ज्यादा है। कई अलग-अलग प्रकार के वेडिंग ज्वेलरी डिजाइन प्रस्तुत करने वाला रिवाह बाय तनिष्क ब्रांड भारत भर की दुल्हनों की मांगों को पूरा करता है। हमें गर्व है कि रिवाह बाय तनिष्क के आभूषण जिंदगी के सबसे खास दिन पर पहनने के लिए, उपभोक्ताओं की पहली पसंद बने हैं। अब हमारे उपभोक्ता उनके पुराने सोने का सबसे अच्छा मूल्य पा सकते हैं क्योंकि एक्सचेंज में तनिष्क के अतुलनीय कारीगरी के डिजाइन पाने का बेहतरीन अवसर उन्हें मिल रहा है। हमारी पारदर्शी एक्सचेंज प्रक्रिया वेडिंग सीजन के लिए तैयार है।

भारत और केन्या के बीच पांच करार पर हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री बोले अफ्रीका के साथ सहयोग मिशन मोड पर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और केन्या के बीच मंगवार को शिक्षा, संस्कृति और अन्य क्षत्रों से जुड़े पांच करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए भारत केन्या को 250 मिलियन डॉलर का ऋण देगा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा उच्च प्राथमिकता दी गई है। पिछले लगभग एक दशक में हमने मिशन मोड में अफ्रीका के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है। केन्या के राष्ट्रपति डॉ. विलियम समोई रुतो तीन दिवसीय यात्रा पर कल नई दिल्ली पहुंचे थे। भारत की राजकीय यात्रा पर आए समोई रुतो ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और केन्या के बीच आपसी व्यापार और निवेश में लगातार प्रगति हो रही है। उन्हें खुशी है कि केन्या ने ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। साथ ही केन्या द्वारा लिये गए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस से जुड़ने के निर्णय से हम बिग कैट के संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को सशक्त कर सकेंगे। भारत और केन्या एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौती है। इस संबंध में क्षमता निर्माण के अलावा दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को जोड़ने पर भी जोर दिया। हमने जन कल्याण के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर भी चर्चा की। दो कृषि प्रधान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हम अपने अनुभव साझा करने पर सहमत हुए। केन्या के कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए हम 250 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट देने पर सहमत प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की है। केन्या में 70 प्रतिशत स्वास्थ्य वस्तुओं का मूल भारत में है। हम साझेदारी और समर्थन की सराहना करते हैं और हमने चर्चा की है कि हम केन्या में इनमें से कुछ वस्तुओं का निर्माण कैसे शुरू कर सकते हैं। यह पारस्परिक रूप से लाभप्रद होगा। उन्होंने कहा कि केन्या से बहुत से लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारत आते हैं। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि हम केन्या में अपने स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच संबंध बढ़ाने जा रहे हैं। हमने भारत सरकार से केन्याई पेशेवरों, नर्सों के लघु पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश पर विचार करने का अनुरोध किया है। केन्या के राष्ट्रपति ने कहा कि हम आज समुद्री सहयोग पर एक संयुक्त दृष्टिकोण वक्तव्य जारी कर रहे हैं। भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे सभी प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। हमने चर्चा की है कि भारतीय राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण बैंक हमारे कृषि वित्त निगम के साथ किसानों को ऋण प्रदान करने में कैसे काम करेगा ताकि हम खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों से निपट सकें। दोनों नेताओं की बैठक की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच संपर्क सहित संपूर्ण द्विपक्षीय सहयोग का जायजा लिया। उन्होंने दोनों देशों के लोगों की साझा समृद्धि और भलाई के लिए सहयोग के नए क्षेत्रों का उपयोग करने की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में केन्या के राष्ट्रपति डॉ विलियम समोई रुतो का औपचारिक स्वागत किया। केन्या के राष्ट्रपति ने सुबह राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय संस्कृति की पहचान और वाहक रही है संस्कृत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति की पहचान और वाहक रही है। यह हमारे देश की प्रगति का आधार भी रही है। विश्वविद्यालय की विजिटर और राष्ट्रपति मुर्मू ने नई दिल्ली में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने जहां दीक्षांत समारोह में 4423 उपाधियां प्रदान कीं वहीं सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह छात्रों को स्वर्णपदक से विभूषित किया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक सहित अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत का व्याकरण इस भाषा को अद्वितीय वैज्ञानिक आधार देता है। यह मानवीय प्रतिभा की अनूठी उपलब्धि है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्कृत आधारित शिक्षा प्रणाली में गुरु या आचार्य को अत्यधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र इस परंपरा का पालन करेंगे और अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता के साथ आगे बढ़ेंगे और शिक्षक भी छात्रों को जीवन भर आशीर्वाद देंगे और प्रेरित करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्धिमान लोग सर्वोत्तम चीजों को स्वीकार करने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करते हैं। नासमझ लोग दूसरों की सलाह पर कोई चीज अपना लेते हैं या अस्वीकार कर देते हैं। उन्होंने छात्रों को यह ध्यान रखने की सलाह दी कि हमारी परंपराओं में जो कुछ भी वैज्ञानिक और उपयोगी है उसे स्वीकार करना होगा और जो कुछ भी रूढ़िवादी, अन्यायपूर्ण और बेकार है उसे अस्वीकार करना होगा। विवेक को सदैव जागृत रखना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिकल्पना है कि हमारे युवा भारतीय परंपराओं में विश्वास रखते हुए 21वीं सदी की दुनिया में अपना उचित स्थान बनाएं। हमारे देश में सदाचार, धार्मिक आचरण, परोपकार और सर्व-मंगल जैसे जीवन मूल्यों पर आधारित प्रगति में ही शिक्षा की सार्थकता मानी जाती है। उन्होंने कहा कि इस दुनिया में उन लोगों के लिए कुछ भी हासिल करना मुश्किल नहीं है जो हमेशा दूसरों के कल्याण में लगे रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सर्वसमावेशी प्रगति किसी भी संवेदनशील समाज की पहचान होती है। उन्होंने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से छात्राओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के अधिक अवसर प्रदान करने का आग्रह किया।

तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन पर बनाया दबाव, तुरंत होना चाहिए सीटों का बंटवारा

कोलकाता, (हि.स.)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन का असर विपक्षी गठबंधन पर हो रहा है। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने जल्द से जल्द सीट बंटवारे के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया है। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआई की 06 दिसंबर की बैठक से पहले पार्टी ने यह पहल शुरू कर दी है। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को बताया कि शीतकालीन सत्र से पहले हुई विपक्ष की रणनीतिक बैठक में ही तृणमूल कांग्रेस ने यह मुद्दा उठाया था। संसद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में आयोजित बैठक में तृणमूल का प्रतिनिधित्व लोकसभा और राज्यसभा नेताओं-सुदीप बनर्जी और डेरेक ओ'ब्रायन ने किया था। पता चला है कि बैठक में तृणमूल नेताओं ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा जल्द किया जाना चाहिए ताकि उम्मीदवारों को चुनावी तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके। यह मांग ऐसे वक्त उठाई गई है, जब एक दिन पहले भाजपा को तीन हिंदी भाषी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनावी जीत मिली।

जबकि कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत हासिल की। कोलकाता में तृणमूल प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य के उत्तरी क्षेत्र में अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण (इंडियन नेशनल डवलपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस) आईएनडीआईए की बैठक में वह शामिल नहीं हो पाएंगी। बनर्जी ने कहा कि वह बैठक की तारीख से वाकिफ नहीं थीं और संकेत दिया कि अगर उन्हें पहले से सूचित किया गया होता तो उन्होंने अपना यात्रा कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किया होता। बनर्जी ने यह भी कहा कि भाजपा ने अपने विरोधियों के बीच वोट बंटने के कारण राजस्थान में कांग्रेस से अधिक सीटें जीतीं। उन्होंने कहा कि एक रणनीति को अंतिम रूप देना होगा। मुझे लगता है कि अगर सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया गया तो भाजपा सत्ता में नहीं आएगी। कांग्रेस के एक नेता ने बताया है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस विपक्षी गठबंधन को केवल दो सीट देने के लिए पेशकश कर रही है, जिसकी वजह से बात नहीं बन पा रही। दो सीटों में से एक सीट तृणमूल कांग्रेस ने माकपा को देने की सलाह दी है।

दिल्ली में सुरक्षित नहीं है महिलाएं, एनसीआरबी की रिपोर्ट पर स्वाति मालीवाल ने जताई चिंता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक अपराध रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के मुद्दे को राजनीति से दूर रखने की जरूरत है। स्वाति ने 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा है कि 'एक बार फिर हर साल की तरह हमारी सुंदर प्यारी दिल्ली महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित शहरों की सूची में शामिल है। दिल्ली महिला आयोग में पिछले आठ साल में हमने महिलाओं की मदद के लिए हर संभव कोशिश की है।' उन्होंने आगे लिखा है कि 'महिला सुरक्षा ऐसा मुद्दा है जिसे राजनीति से दूर रखने की जरूरत है। बेटियां किसी पार्टी की नहीं, हमे मिलकर दिल्ली को सुरक्षित बनाना है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली की महिलाओं के साथ सबसे अधिक आपराधिक घटनाएं हुई हैं। 2022 में 14,158 केस दर्ज हुए, जिनमें से 3909 अपहरण की घटनाएं, रेप की 1204 घटनाएं, दहेज हत्या की 129 घटनाएं और पतियों या रिश्तोदारों द्वारा क्रूरता की 4847 घटनाएं दर्ज हुई हैं। सोमवार को जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की वार्षिक अपराध रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत साल 2022 में कुल 2,98,988 मामले दर्ज किए गए। 2021 में 2,89,045 मामले दर्ज किए गए थे। पिछले वर्ष की तुलना में इन घटनाओं में 3.3 फीसदी का इजाफा दर्ज हुआ है। वहीं 2020 में दर्ज किए गए मामलों की कुल संख्या 2,45,844 थी।

स्टालिन ने केंद्र को लिखा पत्र, 5000 करोड़ रुपये देने की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। तमिलनाडु में मिचौंग तूफान के चलते हुई तबाही के मद्देनजर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाई । बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से चर्चा में स्टालिन ने कहा कि इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। केंद्र सरकार को भी पत्र लिखा गया है। केंद्र सरकार से राज्य को तुरंत 5000 करोड़ रुपये देने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि चक्रवाती तूफान मिचौंग की वजह से पिछले दो-तीन दिनों में चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार युद्ध स्तर पर सभी जरूरी कदम उठा रही है। तूफान ने चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर और चेंगलपट्टू जिलों में भारी तबाही मचाई है। आज शैक्षणिक संस्थानों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। डीएमके राज्य में मिचौंग तूफान से हुई तबाही का मुद्दा संसद में भी उठाने की तैयारी में है। डीएमके के लोकसभा सदस्य टीआर बालू ने बताया कि वे राज्य में बाढ़ के हालात से केंद्र सरकार को अवगत कराएंगे। मदद की गुहार लगाएंगे। पि राज्य सभा में डीएमके सांसद त्रिची शिवा इस मुद्दे पर बात रखेंगे।

संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन की रिहाई की मांग को लेकर आप सांसदों का प्रदर्शन

नई दिल्ली, (हि.स.)। संसद सत्र के दौरान मंगलवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों ने संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के ईडी द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ गांधी प्रतिभा के पास खड़े होकर विरोध किया। साथ ही संजय सिंह सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया की रिहाई की मांग की गई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और राघव चड्ढा, सुशील गुप्ता, संदीप पाठक हाथों में पोस्टर लेकर गांधी मूर्ति के सामने प्रदर्शन करते नजर आए। हाथों मैं पोस्टर और बैनर लेकर आप सांसदों ने जांच एजेंसियों के दुरुपयोग बंद करो, मनीष सिसोदिया को रिहा करो संजय सिंह को रिहा करो और लोकतंत्र की हत्या बंद करो जैसे पंपलेट लेकर गांधी मूर्ति के सामने नारेबाजी की। उल्लेखनीय है कि कथित तौर पर दिल्ली में हुए शराब घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

एमसीडी ने ग्रामीणों से हाउस टैक्स लेने का फैसला किया रद्द

अजय त्यागी

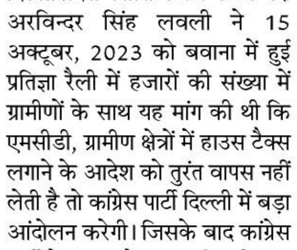

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय दिल्ली देहात के रिहायशी ग्रामीण इलाकों के लोगों को हाउस टैक्स से राहत देने की घोषणा की। मेयर की ओर से इस एलान के बाद दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने इसे पार्टी के दबाव में लिया गया फैसला करार देते हुए इसका क्रेडिट लेते हुए दिखाई दी। दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से ही ग्रामीणों के हित की बात करती आई है और उन्हीं के दबाव के कारण दिल्ली नगर निगम ने ग्रामीण क्षेत्रो में पड़ने वाले रिहायशी संपत्तियों को हाउस टैक्स से बाहर करने का निर्णय लिया। ग्रामीणों को राहत देने का निर्णय चाहे जिस वजह से लिया गया हो, लेकिन हकीकत यह है कि दिल्ली के सभी राजनीतिक दल इसका श्रेय लेने की कोशिश कर, अपनी राजनीतिक रोटियों को सेंकने में लगे हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने इस मामले में बयान जारी करते हुए कहा कि कांग्रेस दिल्ली देहात के लोगों से हाउस टैक्स न लेने की मांग करती आई है। कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीणों द्वारा पूर्व में किए गए हाउस टैक्स के भुगतान को ब्याज सहित वापसी की मांग उठाई है। कांग्रेस नेता और एमसीडी के पूर्व नेता सदन जितेंद्र कुमार कोचर ने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस द्वारा दिल्ली के गांवों पर अनैतिक रूप से हाउस टैक्स लगाने को वापस लिए जाने की बार-बार मांग के बाद आखिरकार एमसीडी को लाल डोरा और विस्तारित लाल डोरा सहित दिल्ली के गांवों पर हाउस टैक्स लगाने के फैसले को रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने 15 अक्टूबर, 2023 को बवाना में हुई प्रतिज्ञा रैली में हजारों की संख्या में ग्रामीणों के साथ यह मांग की थी कि एमसीडी, ग्रामीण क्षेत्रों में हाउस टैक्स लगाने के आदेश को तुरंत वापस नहीं लेती है तो कांग्रेस पार्टी दिल्ली में बड़ा आंदोलन करेगी। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी के दवाब में आकर दिल्ली नगर निगम ने यह घोषणा की है कि भविष्य में दिल्ली के गांव, लाल डोरा और गांवों के विस्तारित क्षेत्र के किसी से भी हाउस टैक्स नही लिया जाऐगा। जबकि कांग्रेस पार्टी के निगम पार्षद भी निगम की बैठकों में ग्रामीण क्षेत्रों में हाउस टैक्स निरस्त करने की माँग समय समय पर करते रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की बैठक टली

नई दिल्ली, (हि.स.)। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के घटक दलों की छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बड़ी बैठक स्थगित कर दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह बैठक आहूत की थी। अब इसी तिथि पर एक छोटी बैठक कर आगामी बड़ी बैठक की तारीख तय की जाएगी। इस बैठक के स्थगित होने को लेकर कांग्रेस की ओर से कोई बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि घटक दलों के कई नेताओं के इस प्रस्तावित बैठक में शामिल नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद अब यह बैठक 06 दिसंबर के स्थान पर इस महीने के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी। अब 06 दिसंबर को दिल्ली में एक छोटी बैठक कर आगामी बड़ी बैठक की तारीख तय की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी की प्रमुख ममता बनर्जी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस बैठक में नहीं आने की जानकारी दी थी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने समय का हवाला देते हुए बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी। ममता ने तो यहां तक कहा था कि उन्हें इस बैठक के बारे में कोई सूचना ही नहीं है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने चक्रवाती तूफान मिचौंग से प्रभावित राज्य के क्षेत्रों का दौरा करने के कारण बैठक के लिए दिल्ली पहुंचने में असमर्थता जताई थी। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस को मिली करारी हार से गठबंधन के घटक दलों के नेता नाराज हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि आईएनडीआईए को लेकर कांग्रेस गंभीर नहीं है। इन तमाम मुद्दों को देखते हुए यह प्रस्तावित बैठक टाल दी गई है। वहीं, कांग्रेस के एक नेता ने कहा है कि आईएनडीआईए में शामिल सांसदों की बैठक 06 दिसंबर को शाम 06 बजे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के आवास पर आयोजित की जाएगी। इस बैठक में दिसंबर के तीसरे सप्ताह में गठबंधन के घटक दलों के अध्यक्षों की बड़ी बैठक की तारीख तय की जाएगी।

अब शुरू हुई लोकसभा चुनाव में 186 सीटों पर भाजपा को टक्कर देने की चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के सामने असल चुनौती तो अब शुरू हुई हैं। कांग्रेस भले ही विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन की गतिविधियों को आगे बढ़ाकर भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा कर दे, लेकिन उसके सामने असल चुनौती भाजपा के खिलाफ खुद लड़ने की है। पिछले दो चुनावों के आंकड़ों पर ध्यान दें तो कांग्रेस भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर हारी है। पिछले चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के मध्य 186 लोकसभा सीटों पर सीधा मुकाबला था और कांग्रेस इसमें से महज 15 सीटें ही जीत पाई थी। जबकि 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों में से 162 सीटें जीती थीं और कांग्रेस को महज 24 सीटें हासिल हुई थी। 2014 के बाद 2019 के चुनाव में भाजपा के साथ सीधे मुकाबले वाली सीटों पर कांग्रेस की जीत का प्रतिशत कम हो गया था और उसने अपनी 9 सीटें गंवा दी थीं। कांग्रेस 2023 में हिमाचल और कर्नाटका विधानसभा चुनाव में मिली जीत से काफी उत्साहित है। उसने इन विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इसके बावजूद असली चुनौती लोकसभा चुनाव की है, जहां उसे पिछले दो लोकसभा चुनावों में हुई अपनी हार का विश्लेषण करते हुए नए तरीके से रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। कांग्रेस भाजपा के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड के अलावा कर्नाटका व महाराष्ट्र की कुछ सीटों पर सीधे मुकाबले में होगी और पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इन सारे राज्यों में कांग्रेस का लगभग सफाया कर दिया था। अब कांग्रेस यदि अपनी सीटें न बचा पाई तो लोकसभा में उसकी स्थिति पहले वाली ही रह सकती है।

दिल्ली में पारा गिरने के संकेत तेजी से बढ़ेगी ठिठुरन

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली में इस बार क्रिसमस से पहले ठिठुरन वाली ठंड के संकेत अभी से मिलने लगे हैं। मंगलवार की सुबह अचानक लोगों को औसत से ज्यादा ठंड का अहसास हुआ। भारत मौसम विभाग ने भी अपने पुवार्नुमान में बताया है कि आगामी कुछ दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट का पूवार्नुमान है, इसलिए दिल्ली वालों को सतर्क रहने की जरूरत है। नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के मुताबिक दिल्ली में मंगलवार की सुबह औसत एक्यूआई 335 दर्ज किया गया। राजधानी के अधिकांश इलाकों में अभी भी वायु प्रदूषण का स्तर बहुत खराब है। मौसम विभग के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का मौसम साफ रहने की उम्मीद है। 10 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री और अधिकतम तापमान 23 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। आईएमडी दिल्ली मानक वेधधाला सफदरजंग के मुताबिक सोमवार को अधिकतम तापमान 24.7 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा रहा। अधिकतम तापमान सामान्य रहा। बता दें कि दिल्ली के मुंडका में 370, आनंद विहार में 367, आरके पुरम में 345, नेहरू नगर में 366, पटपड़गंज और विवेक विहार में 353, जहांगीरपुरी में 348, नॉर्थ कैंपस में 297, श्री अरबिंदो मार्ग में 295, नरेला में 292, आईजीआई एयरपोर्ट टी-3 में 289, मथुरा रोड़ में 285 व डीटीयू में 258 एक्यूआई दर्ज किया गया था।

चंद्रयान-3 की बड़ी उपलब्धि, प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा से वापस पृथ्वी की कक्षा में स्थापित

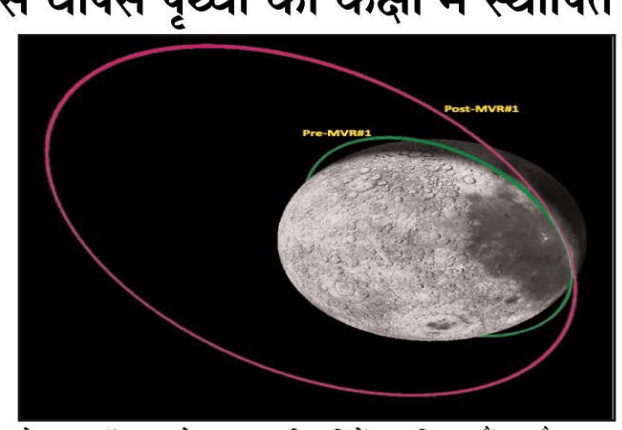

नई दिल्ली, (हि.स.)। चंद्रयान 3 ने आज एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। इसरो एक अनूठे प्रयोग के तहत चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को वापस धरती की कक्षा में ले आया है। इसरो ने मंगलवार को एक्स पर खुशी साझा करते हुए बताया कि एक अन्य अनूठे प्रयोग में चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन माॅड्यूल (पीएम) को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया गया है। प्रोपल्शन मॉड्यूल इसके लिए रिटर्न मैनुवर यानी वापसी की प्रक्रिया की गई। इसरो के मुताबिक 10 नवम्बर को प्रोपल्शन मॉड्यूल ने चंद्रमा से वापस धरती की यात्रा शुरू की। 22 नवम्बर को यान धरती के निकटतम बिंदु (पेरिगी) से होकर गुजरा। यह प्रयोग चंद्रमा से नमूने वापस लाने के मिशन (सैंपल रिटर्न मिशन) को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रोपल्शन मॉड्यूल जो पहले चंद्रमा की 150 कि.मी. वाली कक्षा में चक्कर लगा रहा था अब धरती की कक्षा में है। इसरो के मुताबिक इस प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा की कक्षा में केवल तीन महीने तक रहना था। लेकिन इसरो ने ईंधन का उपयोग कर प्रोपल्शन मॉड्यूल को वापस धरती की कक्षा में लाने का फैसला किया ताकि, सैंपल रिटर्न मिशन के लिए अहम जानकारियां जुटाई जा सकें। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च को श्री हरिकोटो से प्रक्षेपित किया गया था। चंद्रयान -3 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के पास एक सॉफ्ट लैंडिंग करना और विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के माध्यम से चंद्रमा की सतह पर मौजूद खनीज का पता लगाना था।

23 अगस्त को चंद्रयान तीन ने चंद्रमा की धरती पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। उसके बाद 10 दिनों तक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर ने जानकारियां जुटाई। उसके बाद उसे स्लीप मोड पर डाल दिया गया। यह होता है प्रोप्लशन मॉड्यूलः चंद्रयान तीन में तीन अहम हिस्से थे जिसमें प्रोपल्शन मॉड्यूल, दूसरा है लैंडर मॉड्यूल और तीसरा है रोवर। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रयान-3 का काम लैंडर और रोवर को धरती की कक्षा से चांद की ओर ले जाना है। पीएम ने लैंडर और रोवर को चंद्रमा की कक्षा यानी ऑर्बिट में 100 किलोमीटर ऊपर छोड़ दिया। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के ऑर्बिट में लैंडर और रोवर से कम्युनिकेशन बनाए रखने के लिए चक्कर लगाता रहा।

कलक्ट्रेट में सपा विधायक अतुल प्रधान का अनशन जारी

मेरठ, (हि.स.)। निजी अस्पतालों में मरीजों के साथ लूट के आरोप लगाकर सपा विधायक अतुल प्रधान का आमरण अनशन कलक्ट्रेट में मंगलवार को भी जारी रहा। इस दौरान हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। सपा विधायक ने लोगों को राहत दिलाने के लिए निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। शहर के निजी अस्पतालों में लोगों के शोषण पर कार्रवाई की मांग को लेकर सरधना के सपा विधायक अतुल प्रधान का दो दिन से कलक्ट्रेट पर आमरण अनशन चल रहा है। मंगलवार को सपा विधायक ने कहा कि वह आम जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं। बिना मानक के चल रहे निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वह अपने मुकदमे वापसी के लिए आंदोलन नहीं कर रहे हैं, बल्कि जनता को निजी अस्पतालों की मनमानी से बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे। इससे पहले सोमवार की रात को भी विधायक समर्थकों का कलक्ट्रेट पर धरना जारी रहा। हुक्के की गुड़गुड़ाहट के बीच लोगों ने मंगलवार के आंदोलन की रणनीति बनाई। विधायक के आंदोलन को समर्थन देने के लिए आम आदमी पार्टी, भीम आर्मी, आजाद अधिकार सेना, रालोद नेताओं का भी धरनास्थल पर जमावड़ा लगा रहा। अतुल प्रधान ने कहा कि उनकी लड़ाई किसी एक अस्पताल नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए है। सरकारी अस्पतालों में अच्छा इलाज नहीं है। इसलिए निजी अस्पतालों में जाते ही मरीज और उनके तीमारदारों का आर्थिक व मानसिक शोषण शुरू हो जाता है। ऐसी व्यवस्था के विरुद्ध उनका आंदोलन जारी रहेगा। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री रामकुमार शर्मा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी दीपक मीणा से मिलकर निजी अस्पतालों में बेड, कमरे, आईसीयू, एंबुलेंस, दवा बिक्री आदि मानकों की जांच की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री योगी ने 278 सहायक आचार्यों, 2142 स्टॉफ नर्स को दिए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नवचयनित 278 सहायक आचार्य, 2142 स्टाफ नर्स, 48 आयुष चिकित्सा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के अंतर्गत 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस का फ्लैग ऑफ भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज लगभग ढाई हजार नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। पिछले साढ़े छह वर्ष में स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सेवाओं में वृद्धि की है, उसी के क्रम में 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस जोड़ी गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो सब बेकार है। ईश्वरीय कृपा से इसमें एलेपैथ और आयुर्वेद, दोनों के हैं। प्रदेश ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतरीन किया है। 2017 के पहले पहचान का संकट था। आप में से बहुत से लोग बाहर पढ़ने गए होंगे तो वे अपना नाम, अपने प्रदेश का नाम छिपाए होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले मेडिकल कॉलेजों की प्रदेश में संख्या 18 रही। आज हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रहे हैं। 18 से तो अधिक पांच साल में ही शुरू कर दिए हैं। अटल मेडिकल विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज संबद्ध किए गए हैं। आज कोई गरीब यह नहीं कह सकता कि धनाभाव में वह अपना इलाज नहीं करा पा रहा है। पांच लाख रुपये तक इलाज का खर्च आयुष्मान कार्ड और मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के तहत उपलब्ध कराया जा रहा है। गोरखपुर और रायबरेली में एम्स भी शुरू किए गए हैं। यह डबल इंजन की सरकार का प्रयास है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आईएमए की हड़ताल की चेतावनी के बाद न्यूटिमा अस्पताल की सीलिंग टली

मेरठ, (हि.स.)। न्यूटिमा अस्पताल को सील करने के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की हड़ताल पर जाने की चेतावनी के बीच मेरठ विकास प्राधिकरण बैकफुट पर आ गया। मंगलवार को न्यूटिमा अस्पताल पर सील लगाने की कार्रवाई टाल दी गई। इसके लिए शहर में सार्वजनिक कार्यक्रमों के चलते पुलिस फोर्स नहीं मिलने को कारण बताया जा रहा है। सीएमओ ने भी न्यूटिमा अस्पताल से मरीजों को शिफ्ट करने के लिए 15 दिन का समय मांगा है। न्यूटिमा अस्पताल में सपा विधायक अतुल प्रधान और डॉक्टरों के बीच हुआ विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। सपा विधायक ने निजी अस्पतालों पर मरीजों को लूटने का आरोप लगाकर कलक्ट्रेट में आमरण अनशन शुरू कर दिया है तो मेरठ विकास प्राधिकरण ने नियमविरुद्ध बने न्यूटिमा अस्पताल के बेसमेंट पर सील लगाने का आदेश जारी कर दिया। सील लगाने के लिए जिला प्रशासन से मजिस्ट्रेट और एसपी सिटी से पुलिस फोर्स मांगने के लिए पत्र लिख दिया। इससे पहले न्यूटिमा अस्पताल के गंभीर मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट करने के लिए भी सीएमओ को पत्र लिखा गया। इसके विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दे दी। मंगलवार सुबह से ही पूरे शहर के डॉक्टर न्यूटिमा अस्पताल में इकट्ठा हो गए। मामले को तूल पकड़ता देखकर एसपी सिटी ने भैरव जयंती, छह दिसम्बर पर शहर में शोभायात्रा निकलने और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों के कारण पुलिस फोर्स उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया। सीएमओ ने भी मरीजों को शिफ्ट करने के लिए 15 दिन का समय मांग लिया। पुलिस फोर्स नहीं मिलने के कारण मेरठ विकास प्राधिकरण ने न्यूटिमा अस्पताल को सील करने की कार्रवाई स्थगित कर दी। इससे पुलिस प्रशासन ने भी राहत की सांस ली तो डॉक्टरों ने इसे अपनी जीत बताया है। इससे पहले आईएमए की बैठक में डॉक्टरों ने प्राधिकरण से न्यूटिमा अस्पताल की व्यवस्था बनाने के लिए तीन सप्ताह का समय मांगा था। समय नहीं मिलने और अस्पताल को सील करने पर डॉक्टरों ने अस्पतालों व क्लीनिकों की चाबी प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को सौंपकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी। इससे पहले न्यूटिमा अस्पताल के शमन के आवेदन को भी प्राधिकरण ने अस्वीकृत कर दिया। आईएमए का कहना है कि अस्पताल ने हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल की हुई है, जिस पर अभी सुनवाई की जानी है। न्यूटिमा अस्पताल में आईएमए के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, सचिव डॉ. तरुण गोयल, डॉ. विश्वजीत बैंबी, डॉ. संदीप गर्ग, डॉ. पुष्पेंद्र पंवार, डॉ. प्रियांक गर्ग, डॉ. अमित उपाध्याय आदि इकट्ठा हुए। गौरतलब है कि गढ़ रोड स्थित न्यूटिमा अस्पताल का नक्शा मेरठ विकास प्राधिकरण से 28 नवम्बर 2014 को स्वीकृत कराया गया था। जिसमें लोअर बेसमेंट एवं अपर बेसमेंट में पार्किंग का प्रावधान किया गया था, लेकिन मौके पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा पार्किंग के स्थान पर मैनेजमेंट ऑफिस, पैथोलॉजी लैब व जांच केंद्र संचालित मिले। बेसमेंट का इस्तेमाल पावर हाउस के रूप में किया जा रहा है। इसलिए अस्पताल के खिलाफ 20 अक्तूबर 2021 को सीलिंग के आदेश दिए गए थे। अस्पताल संचालक की ओर से इसके खिलाफ वाद दायर किया गया था, जिसे 18 नवंबर 2022 को निस्तारित कर दिया गया। प्राधिकरण ने स्वीकृत मानचित्र में पार्किंग के लिए आरक्षित स्थल पर 40 प्रतिशत क्षेत्र में किए गए पार्टीशन को एक माह की अवधि के अंदर हटाने के निर्देश दिए गए थे। अस्पताल को 21 दिन का नोटिस दिया था, जिसकी मियाद सोमवार को खत्म हो गई। मेडा उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बेसमेंट में सील लगाने के लिए प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन अर्पित यादव को निर्देश दिए थे। प्रवर्तन अधिकारी अर्पित यादव के अनुसार, सीएमओ द्वारा मरीजों के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए दो सप्ताह का समय मांगा गया है। सार्वजनिक आयोजनों के कारण पुलिस प्रशासन ने फोर्स देने में असमर्थता जताई। इसके बाद सीलिंग की कार्रवाई को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

वाराणसी, (हि.स.)। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा मंगलवार को सुबह ही एक्शन में दिखे। ठंड और कोहरे के बीच प्रातः शहर में निकले नगर आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में साफ - सफाई की व्यवस्था व कूड़े के उठान का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त सर्किट हाउस से पुलिस लाइन चौराहा होते हुए मकबूल अलम रोड, चौकाघाट, संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्य मार्ग होते हुए लहुरावीर चौराहा, पिपलानी कटरा, कबीर चौराहा, मैदागिन, टाउन हॉल एवं टाउन हॉल स्थित शेल्टर होम, विशेश्वरगंज गल्ला मंडी,काल भैरव वार्ड के गलियों में सफाई व्यवस्था को पैदल चलकर देखा। इस दौरान टाउन हॉल स्थित कैंपस में सफाई कर्मचारियों को एकत्रित कराकर उन्हें उपस्थिति दर्ज कराते हुए अपने निर्धारित बीट पर कार्य करने का निर्देश दिया। सफाई सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि अपने तैनाती वार्ड के घरों के लोगों से सघन संपर्क करते हुए की गीला कूड़ा/ सूखा कूड़ा को अलग-अलग करके ही कूड़ा दें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर कूड़ा एकत्रित हो तो उसे तत्काल संबंधित कर्मी को सूचित करते हुए कूड़ा उठान कर लिया जाए। यदि किसी भी घरों के द्वारा इधर-उधर मार्गो गलियों में कूड़ा फेंका जाता है तो इसकी सूचना अपने सफाई इंस्पेक्टर को दिन एवं उनके माध्यम से उन्हें जागृत करे। न सुधरने पर आवश्यक कार्यवाही करे। सफाई मित्रों को नगर आयुक्त ने निर्देशित किया कि अपने प्रॉपर ड्रेस में रहकर स्वयं को सुरक्षित रखते हुए ग्लास पहनकर मास्क लगाकर सफाई कार्यो को समय से किया जाए। जिन कर्मचारियों के पास ड्रेस एवं मास्क, ग्लव्स ना हो उन्हें नगर निगम स्थित स्वास्थ्य विभाग से ले लें। नगर आयुक्त ने टाउन हॉल मैदान में स्थित शेल्टर होम का निरीक्षण किया। शेल्टर होम को ठंड को देखते हुए चालू कराए जाने के निर्देश दिया। यहां सामुदायिक शौचालय का भी उन्होंने निरीक्षण किया। निरीक्षण में देखा कि शौचालय का समय-समय पर नियमित रूप से सफाई नहीं की गई है । इस पर उन्होंने सफाई व्यवस्था बनाए रखे जाने के निर्देश दिए। शौचालय का दरवाजा टूटा हुआ पाने पर इसे ठीक कराने का निर्देश दिया। विशेश्वरगंज गल्ला मंडी हरतीरथ कूड़ा घर के समीप सामुदायिक शौचालय का भी निरीक्षण किया गया।

जीती हुई लोकसभा सीटों पर पुनः जीत की तैयारी में बहुजन समाज पार्टी

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय बैठक से पहले पार्टी रणनीतिकारों ने उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों को लेकर रणनीति बनायी है। इसमें पिछले लोकसभा चुनाव में जीते गये सीटों पर पुनः जीत के लिए भी बसपा नेतृत्व कार्यकताओं से तैयारी करा रहा है। बसपा के राष्ट्रीय टीम के सदस्यों की मानें तो बीते वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इसमें 10 लोकसभा सीटें जीतकर बसपा एक बड़ी राजनीतिक पार्टी के रुप में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी थी। इस बार लोकसभा चुनाव में इससे ज्यादा सीटें जीतने की तैयारी है। जीते हुई सीटों को भी पुनः जीता जायेगा। बसपा का गढ़ माने जाने वाले अम्बेडकर नगर जनपद में सियासत बदली हुई है। लालजी वर्मा और रामअचल राजभर के समाजवादी पार्टी में चले जाने के बसपा के कैडर कार्यकर्ता कम हुए। इसी बीच वर्ष 2022 में राकेश पाण्डेय ने बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी से टिकट लेकर विधानसभा चुनाव लड़ा और जीतकर विधायक भी बन गये। राकेश पाण्डेय बसपा से अम्बेडकर नगर में ही सांसद रहे। आजकल उनके पुत्र रितेश पाण्डेय सांसद है और बसपा के बड़े नेता माने जाते है। फिलहाल बसपा उन्हें दूसरे बार टिकट देगी या नहीं, ये समय ही बतायेगा। गाजीपुर लोकसभा सीट पर पिछले चुनाव में बसपा का कब्जा हुआ था। जहां से अफजाल अंसारी चुनाव लड़कर जीते लेकिन अब बदली सियासत में अंसारी को दो वर्ष की अवधि से ज्यादा की सजा सुनायी गयी है। जिसके कारण गाजीपुर लोकसभा सीट खाली हो गयी है। अफजाल अंसारी को बसपा दूसरे बार टिकट देने की स्थिति में नहीं है। इसके लिए नये चेहरे की तलाश में बसपा की राष्ट्रीय टीम जुटी है।

इन सीटों पर बसपा जीती थी लोकसभा चुनाव - गाजीपुर से अफजाल अंसारी (खाली), घोसी से अतुल राय, नगीना से गिरीश चन्द्रा, सहारनपुर से हाजी फजलुर रहमान, अमरोहा से कुंवर दानिश अली, बिजनौर से मलूक नागर, श्रावस्ती से राम शिरोमणी, अम्बेडकर नगर से रितेश पाण्डेय, लालगंज से संगीता आजाद, जौनपुर से श्याम यादव पिछली लोकसभा चुनाव को बसपा के टिकट से जीते थे।

वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर मंडल कर रहा कड़ी मेहनत - भाजपा के किले में सेंध लगाने के लिए बसपा नेतृत्व ने वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर मंडल की लोकसभा सीटों पर समीकरण साधने के लिए जिलाध्यक्षों को लगाया है। वहीं बसपा के कार्यकर्ता भी दिनरात अपने बूथ को प्रभावशाली बनाने के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं। फिर भी शहरों में बसपा का प्रभाव उतना नहीं है, जो ग्रामीण क्षेत्र में दिख रहा है।

झारखंड में भी चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर

रांची, (हि.स.)। राज्य के कई जिलों में चक्रवात मिचौंग का असर दिखने लगा है। मंगलवार सुबह से ही बूंदाबांदी हो रही हैं। रुक-रुक कर बारिश होने से जनजीवन पर भी असर दिख रहा है। मंगलवार सुबह दस बजे तक राज्य के दक्षिणी जिलों में बारिश रिकॉर्ड किया गय। खूंटी के तोरपा प्रखंड में सबसे अधिक 9.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। खूंटी जिला की बात करें तो यहां ओवरऑल नौ मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। सिमडेगा में 9.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया जबकि कोलेबिरा में 14.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। गुमला, किरीबुरू, रामगढ़, पश्चिमी सिंहभूम, रांची में औसतन 0.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड दर्ज किया गया। रांची मौसम केंद्र के प्रभारी निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि छह और सात दिसंबर को राज्य के करीब-करीब सभी हिस्से में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। आठ दिसंबर तक बादल रहेंगे। इससे न्यूनतम तापमान चढ़ा रहेगा जबकि बादल की वजह से अधिकतम तापमान गिर सकता है। राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य इलाके में बारिश हल्के से मध्यम दर्जे की होगी। इन हिस्सों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, सिमडेगा, रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग जिला शामिल है। इस दौरान राज्य के अन्य हिस्सों में बादल छाये रहेंगे। पूर्वी हवाएं चलने के कारण लोगों को हल्की ठंड का महसूस होगा।हवा में नमी भी महसूस की जायेगी। चक्रवात मिचौंग के कारण रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द कर दिया। एनार्कुलम-हटिया धरती आबा एक्सप्रेस ट्रेन (22838) छह दिसंबर को रद्द रहेगी। कोयंबटूर-बरौनी साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन (03358) छह दिसंबर को रद्द रहेगी। अल्लापुझा-धनबाद एक्सप्रेस (13352) छह एवं सात दिसंबर को रद्द रहेगी। मिचौंग तूफान को लेकर बिजली महकमा अलर्ट मोड में है। मुख्यालय से सभी एरिया बोर्ड के जीएम को मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। रांची एरिया बोर्ड के जीएम पीके श्रीवास्तव ने बताया कि पांच, छह और सात दिसंबर को तूफान आ सकता है। इसके मद्देनजर सभी पदाधिकारियों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है। सब स्टेशन में गैंग तैयार रखने व सभी सर्किल में क्रेन आदि की व्यवस्था पहले से ही रखने का निर्देश है। किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए बिजली कर्मी पूरी मुस्तैदी से तैनात रहेंगे।

झारखंड प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को मिली निंदन की सजा

रांची, (हि.स.)। राज्य सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के दो पदाधिकारियों को अलग-अलग मामले में निंदन की सजा दी है। तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बरवाडीह, लातेहार राकेश सहाय को चेतावनी देते हुए को निंदन की सजा दी है। उनके खिलाफ मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, अनियमितता सहित कई आरोप लगे थे। उपायुक्त ने फरवरी में उनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी। रिजेक्टेड ट्रांजेक्शन, डीले पेमेंट सहित अन्य आरोप लगे थे। मामले की जांच के दौरान सभी आरोप पूरी तरह से प्रमाणित नहीं पाये जाने के बाद अब सरकार की स्तर पर उन्हें सिर्फ निंदन का दंड देकर छोड़ दिया गया। इसी तरह तत्कालीन अंचल अधिकारी, मधुपुर परमेश्वर कुशवाहा को भी निंदन की सजा दी गयी है। उनके खिलाफ देवघर के उपायुक्त ने फरवरी में दाखिल-खारिज के काम में गड़बड़ी, ऑनलाइन लगान भुगतान कार्य में लापरवाही-उदासीनता इत्यादि आरोप लगाए थे। पूरे मामले में दो बार स्पष्टीकरण हुआ। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

हाई कोर्ट ने गैंगस्टर अमन सिंह हत्याकांड में सरकार से मांगी तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट

रांची, (हि.स.)। धनबाद मंडल कारा में कुख्यात शूटर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या के मामले की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। इस दौरान आईजी जेल उमाशंकर सिंह कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए और कोर्ट के सवालों का जवाब दिया। सुनवाई के दौरान उन्होंने कोर्ट को बताया कि एडीएम लॉ एंड ऑर्डर एवं अपर समाहर्ता एवं सिटी एसपी धनबाद द्वारा जेल में सुरक्षा की चूक की जांच की जा रही है। तीन सदस्यीय कमेटी जांच कर रही है। इसके अलावा सीआईडी आईजी भी जांच पड़ताल कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को जानकारी दी गई कि अब हुई जांच में जेल से दो पिस्टल, छह मोबाइल फोन बरामद किया है। गोली चलाने वाले की पहचान कर ली गई है। मामले में चार प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।मुख्य आरोपित सुंदर महतो को रिमांड पर लिया गया है। घटना को लेकर धनबाद के जेलर सहित सात कक्षपालों को निलंबित कर दिया गया है। 23 कैदियों को राज्य के दूसरे जेल में शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा जेलर को निलंबित कर दिया गया है। कोर्ट ने महाधिवक्ता राजीव रंजन से जानना चाहा कि क्या इस मामले में वृहत षड्यंत्र और पॉलिटिकल एंगल को देखते हुए राज्य सरकार मुख्यालय स्तर पर एसआईटी बनाने पर विचार कर सकती है या नहीं, अगली सुनवाई में कोर्ट को बताएं।

साथ ही कोर्ट ने मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर निर्धारित की है। मामले की सुनवाई हाइब्रिड मोड में मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता पियूष चित्रेश ने सरकार की ओर से पक्ष रखा।

उल्लेखनीय है कि रविवार को धनबाद जेल के अंदर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद कोर्ट ने मामले को सोमवार को संज्ञान लेते हुए आईजी कारागार को तलब किया था। कुख्यात शूटर अमन सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह की हत्या मामले में लंबे समय से जेल में बंद था।

कैबिनेट : बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2023" की स्वीकृति सहित कुल 23 एजेंडों पर मुहर

पटना, (हि.स.)। सीएम नीतीश की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न मंत्रिपरिषद् की बैठक में बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2023 की स्वीकृति सहित कुल 23 एजेंडों पर निर्णय लिया गया। इस सन्दर्भ में मंत्रिपरिषद् की बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन में प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि परिवहन विभाग के अन्तर्गत लोकहित को दृष्टिगत रखते हुए परिवेशीय वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए ध्वनि एवं वाहनजनित प्रदूषण को नियंत्रित किए जाने के लिए बिहार राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन एवं इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों को स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2023 की स्वीकृति दी गई। परिवहन विभाग के ही तहत बिहार के 6 प्रमुख नगर पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा एवं पूर्णियां नगरों के लिये कुल 400 इलेक्ट्रिक बसों की व्यवस्था के लिए पीएम ई-बस सेवा योजना अंतर्गत आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक परिवहन योजना की स्वीकृति दी गई। वहीं ई गाड़ी खरीदने पर सरकार डेढ़ लाख तक की छूट देगी। दो पहिया वाहन पर टैक्स में छूट दी गई है। 50 फीसदी टैक्स में राहत दी गई है।पहले दस हजार वाहनों के लिए पांच हजार रुपये की सब्सिडी और एससी वर्ग के लाभुकों को 7500 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। पहले दस हजार वाहनों पर टैक्स में 75 प्रतिशत की छूट मिलेगी। तीन पहिया यात्री वाहन और माल वाहन में टैक्स में 50 फीसदी की छूट देगी। चार पहिया वाहन पर अधिकतम 1.50 लाख रुपए तक सब्सिडी सरकार की तरफ से दी जाएगी। परिवहन विभाग के ही तहत राज्य सरकार के सभी विभाग, बोर्ड, निगम तथा अन्य कार्यालयों के स्वामित्व वाले अनिवार्य स्क्रैपिंग के लिए चिन्हित 15 वर्ष पुराने सभी सरकारी वाहनों को निबंधित यान स्क्रैपिंग सुविधा के माध्यम से स्क्रैपिंग प्रक्रिया की स्वीकृति दी गई। आपदा प्रबंधन विभाग के अन्तर्गत बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नियमावली, 2012 के नियम 05(02)- परिशिष्ट-प्ट में वर्णित प्रावधान में आंशिक संशोधन की स्वीकृति दी गई।

ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत 132 केवी के खगौल-दीघा संचरण लाईन के अंडरग्राउंड के लिए 129.16 करोड़ की नई योजना की स्वीकृति एवं उक्त राशि का 25.832 करोड़ (पच्चीस करोड़ तेरासी लाख बीस हजार) रुपये पूंजीगत निवेश के रूप में इक्विटी स्वरूप एवं शेष 103.328 करोड़ (एक सौ तीन करोड़ बत्तीस लाख अस्सी हजार) रुपये राज्य सरकार की गारण्टी पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त करने की स्वीकृति दी गई। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के अन्तर्गत पश्चिम चम्पारण जिला मुख्यालय, बेतिया में 2000 क्षमतायुक्त प्रेक्षागृह के निर्माण के लिए 47,91,45,500 (सैंतालीस करोड़ एकानवे लाख पैंतालीस हजार पाच सौ रुपये) की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के ही तहत पूर्वी चम्पारण जिला मुख्यालय, मोतिहारी में 2000 क्षमतायुक्त प्रेक्षागृह के निर्माण के लिए 47,77,20,300 (सैंतालीस करोड़ सतहत्तर लाख बीस हजार तीन सौ रुपये) की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत बिहार जिला परिषद् (सेवाशर्त्त) नियमावली, 2023 की स्वीकृति दी गई। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अन्तर्गत राजवर्द्धन गुप्ता, तत्कालीन अंचल अधिकारी, हिलसा, नालन्दा सम्प्रति निलंबित को बिहार सरकारी सेवक सरकारी सेवा से बर्खास्तगी, जो सामान्यतया सरकार के अधीन भविष्य में नियोजन के लिए निरर्हता होगी, का दण्ड अधिरोपित करने की स्वीकृति दी गई। विधि विभाग के अर्न्गत उच्च न्यायालय, पटना की स्थापना में आईटी संवर्ग में विभिन्न कोटि के 81 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। बिहार राज्य में कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए, प्रो कबड्डी लीग की टीम पटना पाइरेट्स को स्पांसर करने के किये सरकार ने स्वीकृति दे दी है।

भाजपा नेताओं को केंद्र के आपराधिक आंकड़ों को देखकर बयानबाजी करनी चाहिए : विजय चौधरी

पटना, (हि.स.)। संसदीय कार्य मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा जारी अपराध के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को कम-से-कम केंद्र सरकार के आंकड़ों पर भरोसा रखना चाहिए। ये लोग आए दिन बिहार में अपराध की स्थिति पर बयानबाजी करते रहते हैं। विजय चौधरी ने कहा कि अभी हाल में राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा आंकड़े जारी किए गए हैं। इसके मुताबिक अपराध के कुल दर्ज कांडों के मामले में बिहार में अपराध दर 277.1 है, जो दिल्ली (1518), केरल (1275), हरियाणा (810), गुजरात (789), मध्यप्रदेश (569) एवं उत्तरप्रदेश (322) से कहीं बेहतर है। इसी तरह गंभीर अपराध के मामले में भी बिहार 21 वें स्थान पर है। विजय चौधरी ने कहा कि बिहार के भाजपा नेतागण सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अंध विरोध के कारण सच्चाई से आंखें मूंदकर अनर्गल आरोप लगाते हैं। आपराधिक घटनाएं होती हैं, परन्तु अपराधी पकड़े जाते हैं एवं कानून के हवाले किए जाते हैं। इसीलिए, चार्जशीट दाखिल करने में भी राष्ट्रीय औसत दर (80) से बिहार (82.5) की स्थिति बेहतर है। लगता है, केवल दिल्ली की खुशामद के लिए भाजपा नेतागण बिहार की तौहीन करते हैं।

संपादकीया

जातीय गणना को जनादेश नहीं

जातीय गणना का मुद्दा, राज्यों के चुनाव में, फ्लॉप रहा। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अनुसरण करते हुए जातीय गणना का मुद्दा खूब उछाला गया। यहां तक वायदा किया गया कि 2024 में केंद्र में विपक्ष की सरकार बनी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जातीय गणना कराई जाएगी। इस पर आरक्षित जमात के युवाओं ने भी कांग्रेस को समर्थन नहीं दिया। हालांकि विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में जातीय गणना को 'तुरुप के पत्ते' के तौर पर ग्रहण किया गया था, लेकिन बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य में जातिगत सर्वे नहीं कराए गए। कांग्रेस ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनावों में इस मुद्दे पर खूब शोर मचाया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े समेत कई पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नकली ओबीसी' करार दिया था, लेकिन चुनावों ने साबित कर दिया कि जनादेश महज जाति के आधार पर हासिल नहीं किए जा सकते। प्रधानमंत्री ने भी जनादेश के बाद विपक्ष पर आरोप चस्पा किया कि मतदाताओं को जातियों में बांटने की कोशिशें की गईं। उन्हें लाभ के झांसे दिए गए, लेकिन उन जातियों ने ही कांग्रेस को खारिज कर दिया, जिन्हें पार्टी का 'परंपरागत जनाधार' माना जाता रहा है। इनमें आदिवासी, दलित, ओबीसी और मजदूर वर्ग आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इन समुदायों ने भाजपा के पक्ष में भर-भर कर वोट दिए। जनादेश सामने हैं। जातियों की बात होती है, तो पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह का चेहरा सामने आ जाता है। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री-काल में मंडल आयोग की रपट लागू की थी, जिसके तहत हजारों पिछड़ी जातियों को आरक्षण मिलना तय हुआ था। यह आरक्षण आज भी जारी है। तब वीपी सिंह को 'सामाजिक न्याय का मसीहा' माना गया। आज भी तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने वीपी सिंह की प्रतिमा स्थापित की है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने उसका अनावरण किया था और अपने राज्य में 'सामाजिक न्याय' की राजनीति को आधार देने की कोशिश की है, लेकिन 'मसीहा प्रधानमंत्री' का 1991 के लोकसभा चुनाव में सूपड़ा ही साफ हो गया। पिछड़ों ने लालू, नीतीश और मुलायम सरीखों की तो सियासत चमका दी, लेकिन वीपी सिंह को राष्ट्रीय जन-समर्थन क्यों नहीं मिला, यह सवाल आज भी अनुत्तरित है। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों ने 'जातीय सर्वे' को महत्त्व क्यों नहीं दिया? परोक्ष रूप से खारिज ही क्यों करते रहे? क्या राहुल गांधी के दौर की कांग्रेस की सोच, 'जातीय राजनीति' पर, अपने पूर्वजों से भिन्न है? उन्हें चुनावी समर्थन क्यों नहीं मिला? ये भारतीय राजनीति के अहम सवाल हैं। उत्तर भारत में हिमाचल को छोड़ कर सभी प्रमुख राज्यों में अब भाजपा काबिज है। बिहार और झारखंड कुछ दूर के राज्य हैं, लेकिन वहां भी सत्ता-विरोधी लहर प्रबल है। इसका प्रत्यक्ष लाभ भाजपा को 2024 के आम चुनाव में होगा, क्योंकि वे भी 3-4 महीने ही दूर हैं। विपक्षी गठबंधन के घटक दल भी, मौजूदा जनादेश पर, कांग्रेस को लेकर ही टिप्पणियां करने लगे हैं कि कांग्रेस 'जमीनी राजनीतिक हकीकत' को पढ़ नहीं पा रही है। इस तरह 2024 के आम चुनाव में भाजपा को कैसे पराजित किया जा सकता है? अलबत्ता वे खडग़े द्वारा बुलाई गई विपक्ष की बैठक में जरूर शिरकत करेंगे। हालांकि वह बैठक संसद के शीतकालीन सत्र पर विमर्श करने को बुलाई गई है। जातीय गणना के संदर्भ में यह सवाल मौजू है कि आखिर इसे क्यों कराया जाए? यदि इसे जनगणना का एक हिस्सा माना जाए, तो केंद्र सरकार ही करवा सकती है। यदि आबादी के मुताबिक हिस्सेदारी तय होनी है और बिहार की तर्ज पर आरक्षण की सीमा 75 फीसदी करनी है, तो यह सरासर 'असंवैधानिक' है। जिस दिन बिहार आरक्षण का मामला सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगा, तो न्यायिक पीठ उसे खारिज कर देगी। उस आरक्षण का लाभ जिन्हें मिला होगा, वह भी खारिज कर दिया जाएगा। तो जातियों की हिस्सेदारी का क्या होगा? आरक्षण के अलावा जातीय गणना का कोई और प्रयोजन नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री ने भी जनादेश के बाद विपक्ष पर आरोप चस्पा किया कि मतदाताओं को जातियों में बांटने की कोशिशें की गईं। उन्हें लाभ के झांसे दिए गए, लेकिन उन जातियों ने ही कांग्रेस को खारिज कर दिया, जिन्हें पार्टी का 'परंपरागत जनाधार' माना जाता रहा है। इनमें आदिवासी, दलित, ओबीसी और मजदूर वर्ग आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इन समुदायों ने भाजपा के पक्ष में भर-भर कर वोट दिए। जनादेश सामने हैं। जातियों की बात होती है, तो पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह का चेहरा सामने आ जाता है। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री-काल में मंडल आयोग की रपट लागू की थी, जिसके तहत हजारों पिछड़ी जातियों को आरक्षण मिलना तय हुआ था। यह आरक्षण आज भी जारी है। तब वीपी सिंह को 'सामाजिक न्याय का मसीहा' माना गया। आज भी तमिलनाडु की द्रमुक सरकार ने वीपी सिंह की प्रतिमा स्थापित की है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने उसका अनावरण किया था और अपने राज्य में 'सामाजिक न्याय' की राजनीति को आधार देने की कोशिश की है, लेकिन 'मसीहा प्रधानमंत्री' का 1991 के लोकसभा चुनाव में सूपड़ा ही साफ हो गया। पिछड़ों ने लालू, नीतीश और मुलायम सरीखों की तो सियासत चमका दी, लेकिन वीपी सिंह को राष्ट्रीय जन-समर्थन क्यों नहीं मिला, यह सवाल आज भी अनुत्तरित है।

चुनावों में भी दलों ने इन मुफ्त की योजनाओं की काफी घोषणाएं की

नए कल्याणकारी राज्य का आगाज

डा. अश्विनी महाजन

तीन दिसंबर 2023 को हुई मतगणना में जब चार बड़े राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में से तीन में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में काबिज होती दिखाई दे रही है, और कांग्रेस को मात्र एक ही राज्य तेलंगाना में जीत हासिल हुई है, राजनीतिक विश्लेषक भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस जीत के कारणों का विश्लेषण कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी चुनाव में अक्सर कांग्रेस पार्टी की सांप्रदायिक वोट बैंक, भ्रष्टाचार, वंशवाद आदि की राजनीति के मुद्दे उठाती रही है। राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, सांप्रदायिक हिंसा (विशेष तौर पर सर तन से जुदा) जैसे मुद्दे काफी मात्रा में चर्चा में रहे। लेकिन इतिहास गवाह है कि चाहे ये मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन यदि कोई पार्टी या सरकार लोगों की भलाई के लिए काम नहीं करती, तो जनता उसे कभी स्वीकार नहीं करती। वोट अनुपात के रूप में भाजपा को मध्य प्रदेश में 48.81 प्रतिशत, राजस्थान में 41.85 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 46.35 प्रतिशत वोट मिलना इस बात को दर्शाता है कि पार्टी की केंद्र सरकार की योजनाओं और उनकी उपलब्धियों से जनता संतुष्ट है और इसलिए उसकी सरकार चाहती है। जाहिर है वंशवाद, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक हिंसा के बारे में भी जनता संवेदनशील है और देश में स्वस्थ एवं विकासवादी राजनीति की स्थापना चाहती है। वो वोट बैंक की राजनीति के चलते आर्थिक-सामाजिक वातावरण को दूषित भी नहीं होने देना चाहती।

विकसित भारत बनाने का सपना : भारत का आम जन इस दंश के साथ जी रहा था कि भारत एक गरीब देश है जो अमीर देशों की अकूत संपत्ति, विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊंची आमदनी और उच्च जीवन स्तर का मुकाबला कर ही नहीं सकता। उनके बराबर पहुंचने में हमें कई सदियां भी लग सकती हैं। 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था भी सबसे जर्जर पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। यहां घटते निवेश और लगातार घटती संवृद्धि दर की त्रासदी भी झेल रहा था। लेकिन मात्र 10 वर्षों से भी कम समय में भारत विश्व की दसवीं अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ता हुआ पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंच गया है और अगले तीन सालों से भी कम समय में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के पहले 100 वर्ष पूर्ण होने से पहले एक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प देकर देश के आमजन की आकांक्षाओं को नए पंख देने का काम किया है। स्वाभाविक ही है कि इन आकांक्षाओं के मद्देनजर देश की जनता ने भाजपा के नेतृत्व पर अपना भरोसा जताया है, जिसका एक नमूना मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दिखा।

मुफ्त की योजनाओं को जनता ने नकारा : पिछले कुछ समय से कुछ राज्यों में सरकारों और राजनीतिक दलों द्वारा बड़ी मात्रा में मुफ्त की योजनाओं के दम पर सत्ता पर काबिज होने का प्रयास शुरू हुआ है। उसके कारण उन्हें कुछ हद तक सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी और उसकी सरकारों द्वारा मुफ्त की योजनाओं की झड़ी लगी हुई है। उधर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी इसी प्रकार की मुफ्त की योजनाएं बड़ी मात्रा में चल रही हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन योजनाओं को चलाने हेतु इन प्रांत सरकारों के पास पर्याप्त धन की भारी कमी है जिसके कारण वे एक ओर तो भारी कर्ज में डूबते जा रहे हैं, तो दूसरी ओर इन मुफ्त की योजनाओं के कारण वे आवश्यक मदों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आमजन को सशक्त बनाने वाली अन्य योजनाओं पर खर्च भी नहीं कर पा रहे हैं। इन चुनावों में भी दलों ने इन मुफ्त की योजनाओं की काफी घोषणाएं की। कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश में किसानों के कर्ज माफ करने के अलावा मुफ्त बिजली, गैस सिलेंडर की सब्सिडी, महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह, युवाओं को 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ते के अलावा कई अन्य मुफ्त की स्कीमों की घोषणा की। इसी तरह से राजस्थान में पहले से ही कांग्रेस सरकार महिलाओं को स्मार्टफोन, सस्ता सिलेंडर, 25 लाख रुपए तक के इलाज के लिए फ्री मेडिकल बीमा, एक करोड़ परिवारों को फ्री फूड पैकेट आदि की योजनाएं तो चला ही रही थी, इस चुनाव में कांग्रेस ने पहले की मुफ्त की योजनाओं के साथ-साथ फ्री लैपटॉप, फ्री बिजली आदि की भी घोषणा की थी। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन मुफ्त की योजनाओं को गलत मानते हैं और इसे रेवड़ी बांटने की संज्ञा देते हैं। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारों ने काफी बड़ी मात्रा में कई मुफ्त की योजनाओं को चलाया है, जिसमें उज्जवला लाभार्थियों और आमजन को सस्ता सिलेंडर देना, राजस्थान में 12वीं कक्षा पास करने के बाद लड़कियों को फ्री स्कूटी देना आदि की घोषणा भी शामिल है। लेकिन यह भी सच है कि फ्री बिजली, फ्री पानी और फ्री यात्रा आदि की योजनाओं से भाजपा ने हमेशा परहेज रखा है।

लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि रेवडिया बांटने और नई रेवडियों की घोषणा के बावजूद मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जीत नहीं पाई और भारतीय जनता पार्टी को जनता का समर्थन प्राप्त हुआ। कल्याणकारी राज्य की परिभाषा बदली : अभी तक रोजगार योजनाओं के माध्यम से पैसे बांटने, मुफ्त या सस्ती बिजली-पानी, पेट्रोल, डीजल और गैस पर सब्सिडी, सस्ता राशन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च आदि को ही कल्याणकारी राज्य की इतिश्री मान लिया जाता था। लेकिन पिछले 9 सालों से अधिक के दौरान कल्याणकारी राज्य की परिभाषा बदली है और उसमें सुधार होता दिखाई दे रहा है, जिसे जनता का समर्थन भी प्राप्त हुआ है। सबसे पहले आवास योजना में आमूल-चूल परिवर्तन के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, आवास योजना पर खर्च की वास्तविकता को सुनिश्चित करने का प्रयास हुआ है। मात्र कुछ ही सालों में लगभग 3 करोड़ घरों का निर्माण हुआ जिसमें 5 लाख करोड़ रुपए केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए और 15 लाख करोड़ रुपए स्वयं लाभार्थियों ने खर्च कर, ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में अपने लिए बेहतर घरों का निर्माण किया, और बेहतर जीवन का आनंद लेना शुरू किया। एक करोड़ अतिरिक्त घरों का निर्माण भी विभिन्न चरणों में है। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिया गया और बाद में उन गरीब महिलाओं द्वारा अपने खर्चे पर उन सिलेंडरों को रिफिल कर अपनी सुविधा को बढ़ाया गया। आज एक वर्ष में उज्जवला लाभार्थी तीन से अधिक सिलेंडर औसतन भरवाती हैं। इससे उनके स्वास्थ्य की रक्षा भी हुई है और समय की बचत भी। देश में लगभग सभी गांवों तक बिजली पहुंचाने से जीवन स्तर में सुधार तो हुआ ही है, संचार और इंटरनेट क्रांति को देशभर में ले जाने में भी सफलता मिल रही है। सभी घरों में नल से जल का लक्ष्य भी पूर्ण होने को तैयार है जिससे महिलाओं को दूर से जल लाने नहीं जाना पड़ता और उनके समय की बचत हो रही है। हर घर में शौचालय बनने से खुले में शौच जैसे अभिशाप से मुक्ति हुई है, जिसके चित्र दिखाकर भारत को पिछड़ा दिखाने का प्रयास विदेशी अक्सर किया करते थे। महिलाएं आज सम्मान से जी रही हैं। प्राथमिक चिकित्सा में सुधार और सबसे महत्वपूर्ण आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, कम साधन संपन्न लोगों के लिए एक वरदान सिद्ध हो रहा है। देखा जाए तो ये सभी योजनाएं लक्षित लाभार्थियों के लिए हैं। अभी तक ये लाभार्थी इन सुविधाओं से वंचित थे और पूर्व में राजनीतिक दल उनकी गरीबी, अभाव और बेरोजगारी को दूर करने के छलावों के साथ, उनके वोट बटोर लिया करते थे।

भारतीय जनता पार्टी चुनाव में अक्सर कांग्रेस पार्टी की सांप्रदायिक वोट बैंक, भ्रष्टाचार, वंशवाद आदि की राजनीति के मुद्दे उठाती रही है। राम मंदिर का निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, सांप्रदायिक हिंसा (विशेष तौर पर सर तन से जुदा) जैसे मुद्दे काफी मात्रा में चर्चा में रहे। लेकिन इतिहास गवाह है कि चाहे ये मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन यदि कोई पार्टी या सरकार लोगों की भलाई के लिए काम नहीं करती, तो जनता उसे कभी स्वीकार नहीं करती।

दृष्टि कोण

नशे के अंधेरे में एक उजली किरण

'ओवरडोज' थोड़ा जटिल शब्द है। कुछ वक्त पहले यह प्रचलन में ज्यादा नहीं था। प्रोफेशनल लोग ही इसका जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करते थे। लेकिन कुछ अरसे में ही यह शब्द सामान्य बोलचाल में शुमार हो गया है। ओवरडोज से होने वाली मौत की खबरों ने इसके मायने सहज और स्पष्ट कर दिए हैं। हॉस्टल, सडक़, गली, चौराहे और घर की चारदीवारी के अंदर मिलीं नौजवानों की लाशों ने ओवरडोज का डरावना स्वरूप हमारे सामने रख दिया है। पहले ऐसी खबरें कभी कभार सुनने को मिलती थीं, लेकिन अब ऐसी घटनाएं आम बात हो गई हैं। यह दर्शाता है कि नशे की समस्या गहरी और विकराल हो गई है। इन घटनाओं पर थोड़ी देर के लिए हाय तौबा होती है। मुद्दा समाचार पत्रों की सुर्खियां बनता है। दुकानों-चौराहों पर चर्चा भी खूब होती है। लेकिन उसके बाद व्यवस्था फिर से अपने ढर्रे पर रेंगनी शुरू हो जाती है। प्रतिक्रिया में, कहीं

नशीले पदार्थों की कुछ मात्रा बरामद हो जाती है तो कहीं कोई रैली निकल जाती है या फिर भाषण, प्रवचन हो जाता है। इस फेहरिस्त में नशे के मकडज़ाल में फंसे युवाओं की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता, अलबत्ता उनकी स्थिति पहले से बदतर हो जाती है। नशे से पीड़ित युवाओं की बीमारी पहले चरण से दूसरे और दूसरे से तीसरे यानी क्रानिक स्टेज पर पहुंच जाती है जिसमें उनकी नशे पर निर्भरता बहुत बढ़ जाती है या यह कहें कि उनकी स्थिति उनके नियंत्रण से भी बाहर हो जाती है। यह विदित है कि नशीले पदार्थों के इस्तेमाल करने से सांसों की डोर कमजोर ही होती है। सिगरेट, भांग के हर कश, शराब के प्रत्येक जाम और चिट्टे की हर डोज के साथ उम्र के कुछ लम्हे कम होते जाते हैं, और जो उम्र जीने के लिए बचती है वह 'क्वालिटी लाइफ' नहीं बल्कि कई बीमारियों और दुश्वारियों के साथ बसर करनी पड़ती है। लेकिन ओवरडोज से हो रही लगातार और तत्काल मौत की खबरें सामान्य बात नहीं है। उधर, नशे से हो रही मौतों और अन्य नकारात्मक प्रभाव दिखने के बावजूद नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करने का आकर्षण कम नहीं हो रहा है बल्कि नशे की आदत के शिकार व्यक्तियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जिज्ञासा, शौक, मस्ती, अनुभव, उपलब्धता या अन्य कारणों से युवा नशीले पदार्थों की चपेट में आ रहे हैं। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए जिला ऊना ने नायाब पहल की है। डीसी राघव शर्मा ने इस मुद्दे की गंभीरता और जटिलता को देखते हुए बचाव के प्रत्येक पहलू से निपटने की रणनीति तैयार की है जिसे नशा मुक्त ऊना अभियान के नाम से संचालित किया जा रहा है। 'डीमाण्ड रीडक्शन' दृष्टिकोण पर आधारित इस अभियान की खास बात यह है कि इसे 'प्रीच और स्पीच' मॉडल से हटकर एक व्यावहारिक कार्यक्रम बनाया गया। अभियान के क्रियान्वयन के लिए बाकायदा एक प्रोजेक्ट ऑफिस बनाया गया है। अभियान की गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए ऊर्जावान और समर्पित युवाओं की टीम तैनात की गई है। तकरीबन पांच हजार व्यक्तियों को बचाव के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस मुहिम को प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन का पूरा अमला जी-जान से जुट गया है। अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए जिला स्तर से लेकर जमीनी स्तर तक, पुख्ता सांगठनिक ढांचा तैयार किया जा रहा है।

कुछ अलग

हिमाचल तक चुनावी चीख

जिस तीन दिसंबर पर आकर देश का रथ खड़ा था, वहां अब 2024 के सफर का सारा कारवां बदल रहा है। पांच राज्यों के चुनाव में डंके की चोट पर कोई तो चोटिल हुआ। देश को बदलने की राजनीतिक मंशा में कहीं तो कांग्रेस अपने बुनियादी प्रश्नों से घायल और अपाहिज नजर आई। खास तौर पर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हुई सेंधमारी बताती है कि भाजपा की चुनावी मशीनरी बेहतर नहीं, घातक भी है। अब इसमें शंका करने की वजह घट रही है कि भाजपा का यही अभियान 2024 के चुनावी मैदान में भारी नहीं पड़ेगा। देश के मुद्दे एक तरफ, दाल-आटा एक तरफ, लेकिन भूगोल से गणित तक भाजपा अपने लिए पैरवी का ऐसा मजमून बनाती है, जिसके आगे कांग्रेस गच्चा खा रही है। कम से कम विपक्ष में एक साथ खड़ा होने के सपने तो चूर-चूर हो रहे हैं। यकीनन सियासत बदल गई है, लेकिन कांग्रेस फिर अपनी ही पिच पर यह भूल जाती है कि सामने खिलाड़ी 'भूखा शेर' भी है जो जंगल छोडक़र उसके शहर में आ चुका है। जाहिर है कांग्रेस के क्षत्रप बुरी तरह हारे, लेकिन भाजपा ने सलीके से अपने भीतर के ऐसे नेताओं को कुंद करके उनकी औकात दिखा दी। राजस्थान में अशोक गहलोत के कारनामे हों या कमल नाथ के फरमान, कांग्रेस के क्षत्रप बुरे अहंकार में पार्टी की भुजाओं को तोड़ रहे हैं। इन्हें खुशफहमी है कि यही वट वृक्ष हैं और यह भी कि किसी नए पौधे को उगने नहीं देंगे। कमोबेश हिमाचल और कर्नाटक की जीत का भूत तो इन चुनावों में उतर जाना चाहिए, वरना अब सवाल विश्वसनीयता पर आकर खड़ा हो गया है। मतदाता दुखी हो या उसका चूल्हा ठंडा रहे, वह राजनीति के चूल्हे पर भाजपा के पकवान पर भरोसा कर रहा है। उसके सामने कांग्रेस की गारंटियों के मायने खत्म हो रहे हैं। वह कांग्रेस के किंतु-परंतु के बजाय भाजपा के सम्मोहन को अपना यथार्थ मना रहा है, तो इस कवायद के गूढ़ रहस्य में देश एकतरफा नहीं होगा, इसकी क्या गारंटी। भाजपा ने राजनीति का एहसास ही नहीं बदला, बल्कि मनोविज्ञान भी पूरी तरह कब्जे में ले लिया है। कांग्रेस को न तो यह समझ आ रहा है कि उसे कैसे अपने संगठन को आगे बढ़ाना है और न ही हिम्मत से अपनी विचारधारा को बढ़ाना है। जाहिर है राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कमजोरियां हिमाचल की वर्तमान सरकार के पल्ले पड़ रही हैं। राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की गारंटियां और ओपीएस की वापसी भी फेल हुई है और यही हिमाचल में सरकार को समझना होगा। इन राज्यों के क्षत्रप पस्त हो गए हैं, तो क्या हिमाचल में सरकार के सामने संगठन की शक्ति को पहचाना जाएगा। कुछ तो सत्ता के गठन और सत्ता के संगठन में दूरियां हैं। कुछ तो सरकार के दर्शन और सरकार के भीतर राज्य के दर्शन में दूरियां हैं। कहीं तो सरकार के पहरावे और जनादेश के पहरावे में दूरियां हैं। जनता ने दिल खोलकर कांग्रेस को सिर्फ सरकार नहीं दी, बल्कि भौगोलिक, सामाजिक और क्षेत्रीय सियासत के तमगे भी दिए, फिर कुछ सिक्के खोटे व कुछ मोटे कैसे हो गए। जाहिर है राजस्थान व छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम हिमाचल में चीख कर कांग्रेस को जगा रहे हैं। जगा रहे हैं कि पार्टी अपनी संगठनात्मक ताकत और सरकार अपने वर्तमान ढर्रे को बदल ले। सरकार बाहर तब जीतेगी, जब अंदर से जीत पाएगी। जो पद भर गए, अगर वही अपने हैं, तो यह गजब का आत्मविश्वास होगा, लेकिन संतुलन के तर्क अहंकार के नीचे नहीं दबाए जा सकते। हिमाचल से दूर पांच राज्यों के चुनाव सरक कर यहां भी कुछ तो कह रहे हैं। इसे भाजपा का उतावलापन कह दें, लेकिन सत्ता को अपने पैमाने बदलने पड़ेंगे। देखना यह होगा कि सुक्खू मंत्रिमंडल के विस्तार में कांग्रेस अपना कितना सुधार कर पाती है।

देश दुनीया से

मरती संवेदनायें – दम तोड़ते रिश्ते

बात 1998 की है। चंडीगढ़ में पी जी आई के मुख्य द्वार के बाहर एक अति वृद्ध बुज़ुर्ग फ़ुटपाथ पर कई दिनों से एक ही जगह पर बैठा रहा। लोगों ने जब उससे उसके बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि -'एक सप्ताह पहले पंजाब के किसी गांव से वह अपने बेटे के साथ इलाज कराने पी जी आई आया था। उसके बाद मेरा बेटा मुझे इसी जगह पर बिठा कर चला गया और आज तक मुड़ कर नहीं आया'। उस वृद्ध की हालत देखकर लोगों को यह समझने में देर नहीं लगी कि उसका बेटा अपने बुज़ुर्ग पिता की बीमारी और तीमारदारी से ऊब कर उसे पी जी आई में इलाज के बहाने लाकर यहां छोड़ कर चला गया। जब लोगों ने उस बुज़ुर्ग को वापस उसके घर पहुँचाने की बात की तो वह राज़ी नहीं हुआ। वह कहता कि 'जब मेरा बेटा ही मुझसे दुखी होकर मुझे छोड़ गया तो मैं फिर उसे दुखी करने के लिये घर जाकर क्या करूँगा'? आख़िरकार कुछ समाजसेवियों की मदद से उसे किसी अनाथालय में शरण लेनी पड़ी। 25 वर्ष पूर्व की यह घटना देखकर यह अहसास होने लगा था कि शायद मानवीय संवेदनाओं ने कराहना शुरू कर दिया है। परन्तु यह एहसास क़तई नहीं था कि मानवीय संवेदनाओं के दरकने का यह सिलसिला तथाकथित संभ्रांत परिवारों यहां तक कि 'सेलेब्रिटी' स्तर के लोगों के परिवार में भी जा पहुंचेगा? तीन वर्ष पूर्व महाराष्ट्र से एक समाचार आया कि एक वृद्ध महिला अपने फ़्लैट में न जाने कितने दिनों से मरी पड़ी थी। उसके शरीर का कंकाल उसके बेड के पास पड़ा था। कई दिनों बाद पड़ोसियों को संदेह हुआ तो दरवाज़ा तोड़ा गया तो वृद्धा का कंकाल बरामद हुआ। वृद्धा का एक पुत्र था जो अमेरिका में रहता था। जब उसे उसकी मां की मौत की सूचना दी गयी तो वह आया और दो चार दिनों के भीतर ही फ़्लैट बेचकर चलता बना। वैसे भी आप यदि शहरों में वृद्धाश्रम में जाकर देखें तो तमाम कथित संभ्रांत परिवार के लोग वहां अपनी ज़िंदिगी की आख़िरी दिन अपने परिवार से दूर रहकर गुज़ारते दिखाई जायेंगे। संभव है कि कुछ बुज़ुर्गों को अपने अड़ियल व रूढ़िवादी सोच विचार के चलते यह दिन देखने पड़ते हों। परन्तु अधिकांश मामलों में यही देखा गया है कि बच्चों व उनके परिवार का स्वार्थपूर्ण रवैय्या और मां बाप के प्रति उनकी बेरुख़ी ही मां बाप जैसे पवित्र व मज़बूत रिश्तों में भी दरार पैदा कर देती है। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन पद्मभूषण विजयपत सिंघानिया को देश दुनिया में आख़िर कौन नहीं जानता। 37 मंज़िला जेके हाउस, प्राइवेट जेट, अंतराष्ट्रीय स्तर के हॉट बैलून फ़्लाइंग विशेषज्ञ, हज़ारों करोड़ की संपत्ति, देश के नामी ग्रामी उद्योग पतियों की सूची में नाम, इज़्ज़त-मान-सम्मान क्या नहीं था विजयपत सिंघानिया के पास। विजयपत सिंघानिया ने अपने बेटे गौतम सिंघानिया को लगभग 12000 करोड़ रूपये का व्यवसायिक साम्राज्य सौंप दिया था। रेमंड साम्राज्य पर क़ब्ज़ा होते ही गौतम सिंघानिया ने अपने मां बाप की तरफ़ से आँखें फेर लीं। इतनी बड़ी शख़्सियत के मालिक पिता को उसी के आलिशान घर से बेटे गौतम ने बाहर निकाल दिया। कंपनी के सारे अधिकार पिता के हाथों से छीन लिए। और उन्हें दर दर भटकने के लिये छोड़ दिया। ख़बर है कि अब यह बुज़ुर्ग दंपत्ति किसी किराये के मकान में अपना वक़्त गुज़ार रहा है। इसी तरह पिछले दिनों सहारा ग्रुप के संस्थापक व स्वामी सुब्रत राय 'सहाराश्री' का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। देश के मीडिया में जितनी चर्चा उनके देहांत की हुई उतनी ही चर्चा इस बात की भी रही कि सहारा श्री के अंतिम संस्कार में न तो उनकी पत्नी शामिल हुई न ही उनके दोनों बेटे। बल्कि उनके एक पौत्र हिमांक ने मुखाग्नि देकर उनका अंतिम संस्कार किया। सहारा श्री की व्यावसायिक अनियमिततायें क्या थीं क्या नहीं इससे मेरा सरोकार नहीं परन्तु सहाराश्री के मानवीयता पूर्ण चत्रिर का हर एक क़ायल था। 2004 में सहारा श्री ने जब अपने दोनों बेटों सीमांतो और सुशांतो की शादी लखनऊ स्थित सहारा शहर में की थी उस समय 500 करोड़ की यह शादी देश की सबसे मंहगी शादी के रूप में चर्चित हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी से लेकर सोनिया गांधी, शरद पवार, मुलायम सिंह यादव, अमर सिंह, राजनाथ सिंह, पूर्व पीएम चंद्रशेखर, लालू प्रसाद यादव, प्रमोद महाजन, मायावती, शिबू सोरेन, सुरेश कलमाड़ी जैसे राजनीति के अनेक दिग्गज व फ़िल्म व खेल जगत के तमाम नामी लोग शरीक हुये थे। मेहमानों की अगुआनी स्वयं सुपर स्टार अमिताभ बच्चन और उद्योगपति अनिल अंबानी जैसे लोग कर रहे थे। परन्तु इसी शादी का सबसे बड़ा मानवीय पक्ष यह था कि अपने पुत्रों के इसी भव्य विवाह समारोह के साथ ही सहारा इण्डिया परिवार ने समाजोपयोगी कार्यक्रम के तहत एक 'सामूहिक विवाह समारोह' का भव्य आयोजन लखनऊ के इसी सहारा शहर में किया। इसमें समाज के ग़रीब तबक़े की 101 कन्याओं का विवाह कराया गया।

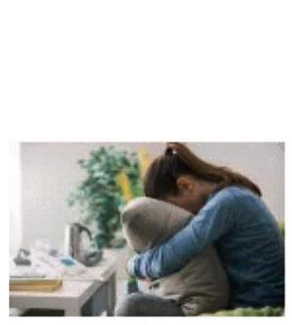

देश के मीडिया में जितनी चर्चा उनके देहांत की हुई उतनी ही चर्चा इस बात की भी रही कि सहारा श्री के अंतिम संस्कार में न तो उनकी पत्नी शामिल हुई न ही उनके दोनों बेटे। बल्कि उनके एक पौत्र हिमांक ने मुखाग्नि देकर उनका अंतिम संस्कार किया। सहारा श्री की व्यावसायिक अनियमिततायें क्या थीं क्या नहीं इससे मेरा सरोकार नहीं परन्तु सहाराश्री के मानवीयता पूर्ण चरित्र का हर एक क़ायल था।

आप का नजरीया

हमें नंग से काम...

साधो आजकल आर्यावर्त मुस्तफा ख़ाँ शेफ्ता के एक शे'र का बड़ा क़ाइल है, 'हम तालिब-ए-शोहरत हैं हमें नंग से क्या काम। बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम न होगा।' मौक़े के हिसाब से कपड़े उतारने में अब देश इतना माहिर हो चुका है कि डर लगता है कि क्या पता किस पल विश्व गुरु, उसकी मंडली या भक्तों में से कोई अपनी नंगई दिखाना शुरू कर दे। लेकिन आप भयभीत न हों। नंगई पर उतरने के अर्थों में महज़ शरीर के कपड़े उतारना ही शामिल नहीं। कपड़े तो इनके तन पर एक से एक डिज़ायनर सजे रहते हैं। इसलिए सवाल उठता है कि कौनसे नंग परमेश्वर से बड़े माने जाते हैं। ऐसे में अगर ज़मीर से नंगों के लिए कोई शब्द या कहावत ईजाद हो जाए तो हो सकता है कि तन से नंगे उनके सामने बौने साबित हों। बड़े-बुज़ुर्ग कहते हैं कि रोटी ज़मीर पर भारी नहीं पडऩी चाहिए। पर लगता है कि यह केवल आम आदमी के लिए कहा गया है। उनके लिए नहीं जिनके ज़मीर पर कुरसी या दौलत भारी पड़ जाती है। उनके लिए रोटी कुरसी या दौलत की बाइ-प्रोडक्ट या सहउत्पाद है। आम आदमी के ज़मीर को कुंद करने के लिए केवल पाँच किलो फ्री राशन ही काफी है। आम आदमी ऐसे महानुभावों को सलाम ठोकते हुए उनकी जी-हुज़ूरी में व्यस्त हो जाता है। आम आदमी के ज़िस्म पर तो किसी युग में इतने कपड़े रहे ही नहीं कि उसे कुछ उतारने की ज़रूरत महसूस हो। उसके कपड़े तो हर युग में शासक या महंगाई ही उतारती आई है। अगर ऐसा न होता तो ग़ुलाम भारत में देश को समझने के लिए भ्रमण पर निकले मोहन दास कर्मचंद गाँधी लोगों की हालत देखकर अपने कोट-पैंट उतार कर लंगोटी धारण न करते। आपात काल के दौरान हिन्दी फिल्म 'रोटी, कपड़ा और मकान' के गीत 'महंगाई मार गई, महंगाई मार गई' पर सरकार ने बैन न लगाया होता या सर्दियों के दौरान हर साल सैंकड़ों आदमी ठंड से न मरते। फिर जब विश्व गुरू बनने से महज़ चंद क़दम दूर आऊटर पर खड़ा देश ग्रीन सिग्नल का इन्तज़ार कर रहा हो तो आम आदमी अपने तन पर बाक़ी बचे कपड़े ख़ुशी-ख़ुशी में ही उतार कर फैंक सकता है। पूर्ण विश्व गुरूत्व को प्राप्त देश में उस समय निर्वस्त्र घूमने का आनन्द अपना ही होगा, जब महंगाई की बात करने पर किसी व्यक्ति को देशद्रोही घोषित किया जा सकेगा। लेकिन जब तक देश में सूखा नहीं पड़ता, किसी तरह से सरकार उसे इतना फ्री राशन तो दे ही देगी, जो उसे किसी तरह जिलाए रखे। गीता में श्रीकृष्ण शरीर को आत्मा का वस्त्र बताते हुए कहते हैं कि इसे साँप की केंचुली की तरह कभी भी उतार कर फैंका जा सकता है। जब शरीर आत्मा के लिए वस्त्र का काम देता हो तो ऐसे में कपड़ों पर कपड़ों की क्या ज़रूरत? ऐसी परिस्थिति में सवाल उठ खड़ा होता है कि क्या तन की नंगई पर कोई सवाल उठाना ठीक है। फिर चाहे वह फिल्मी अभिनेत्रियाँ क्यों न हों। पर जिस किसी नश्वर को देश की नंगई पर ज़रा भी शक हो वह लोकतंत्र की अम्मा के गहनों पर नज़र मार सकता है।

हमास की कैद से नागरिकों की रिहाई के लिए अमेरिका चिंतित, सुलिवन बोले–हमास ने समझौते का पालन नहीं किया

वाशिंगटन ।

इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम के बाद एक बार फिर युद्ध शुरू हो चुका है। युद्ध में अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बंधकों की रिहाई को लेकर अमेरिका का कहना है कि हमास ने महिला बंधकों को रिहा करने से मना कर दिया है और इजराइल का कहना है कि जब तक हमास महिलाओं को रिहा नहीं कर देता, तब कर इजराइल मामले को खत्म नहीं करेगा। बता दें, युद्ध विराम की शर्तों के अनुसार, इजराइल ने फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया, जिसके बाद हमास ने बंधकों को मुक्त किया, जिसमें विदेशी बंधक भी शामिल हैं।

हमास सौदेबाजी का पालन नहीं कर रहा – अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने बताया कि बंधकों की रिहाई का पहला चरण महिलाओं और बच्चों की रिहाई के बारे में था। हमास ने महिलाओं को बंधक बना रखा है। इजराइल का जोर है कि पहले महिलाओं की रिहाई हो फिर पुरुषों, घायलों सहित अन्य लोगों की रिहाई पर चर्चा की जाएगी। हमास सौदेबाजी के अंत का पालन नहीं कर रहा है, इसलिए उसे जवाबदेह ठहराया जाए। हम अपने सभी अमेरिकी बंधकों को कैसे बाहर निकालें। इस पर विचार कर किया जा रहा है।

अमेरिका में हुए प्रदर्शन को बताया यहूदी विरोधी – वहीं, इजराइली मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने अमेरिका के कोषेर रेस्तरां के बाहर हुए प्रदर्शन को यहूदी विरोधी करार दिया है। रैली फलस्तीन के समर्थन में हुई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स के अनुसार, इजराइली रेस्तरां के बाहर प्रदर्शन अनुचित है। यह क्रूर और संवेदनहीन है। यह यहूदी विरोधी भावना का प्रतीक है। गवर्नर शापिरो ने ट्वीट कर बताया कि रेस्तरां को निशाना बनाया गया और भीड़ ने घेर लिया क्योंकि उसका मालिक यहूदी और इजराइली है। यह नफरत और कट्टरता है। विरोध प्रदर्शन की एक वीडियो सामने आया है कि जिसमें प्रदर्शनकारी होटल के शेफ माइकल सोलोमोनोव के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। वीडियो में, प्रदर्शनकारियों के हाथों में फिलिस्तीनी झंडे थे। प्रदर्शन में फलस्तीन के समर्थन में नारेबाजी हो रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइली नागरिकों के एक समूह ने इसमें हमास द्वारा इजराइली महिलाओं के यौन शोषण का मुद्दा उठाया गया है। बता दें, संयुक्त राष्ट्र ने आज संयुक्त राष्ट्र का विशेष सत्र आयोजित किया है, जिसमें महिला अधिकार कार्यकर्ता जेर कैटजेंस्टीन हमास के खिलाफ सबूत पेश करेंगी और बताएंगी कि कैसे हमास के आंतकी इजराइली महिलाओं के साथ दुष्कर्म कर रहे हैं। पूरे पन्ने के विज्ञापन में लिखा है– सभी महिलाओं के लिए एक खुला पत्र, हमास के आतंकी महिलाओं के साथ लिंग भेद और यौन हिंसा कर रहे हैं। वह महिलाओं के साथ अभद्रता कर अपना आतंक फैला रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

शांति स्थापना के कार्यों पर भारत की सराहना, क्या बोले संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख लैक्रॉस

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट शांति सेना प्रमुख जीन–पियरे लैक्रॉस ने भारत को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि सैन्य और पुलिस योगदान देने वाले प्रमुख देशों में से भारत ने शांति स्थापना अभियानों में सुधार के लिए लगातार सहयोग और समर्थन किया है। शांति स्थापना में हम भारत को एक प्रमुख भागीदार मानते हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे पर तो पूर्ण रूप से भारत पर भरोसा करते हैं। भारत ने हमेशा में शांति स्थापना के लिए सभी पहलों का लगातार समर्थन किया है। लैक्रॉस ने कहा कि भारत के पास कई क्षमताएं हैं जो संयुक्त राष्ट शांति स्थापना के साथ सहयोग के लिए अवसर प्रदान करती हैं। लैक्रॉस ने भारत के साथ प्रौद्योगिकी पर भारत के साथ सहयोग करने पर अत्यधिक जोर दिया। उन्होंने कहा, हम शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका और संख्या बढ़ाने के मामले में भी भारत से मदद की उम्मीद करते हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिसमें भारत की भूमिका और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत की तारीफ करते हुए लैक्रॉस शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही पर भारत अग्रणी रहा है। हम इसके लिए भारत के आभारी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट शांति सेना प्रमुख ने कहा, हमारा लक्ष्य शांति समझौतों और संबंधित प्रक्रियाओं को सुरक्षित करने और लागू करने में मदद करना है। विभाजित दुनिया में सफल होने के लिए हमें सदस्य देशों की एकजुट और सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट के मुताबिक कि मंत्रिस्तरीय बैठक एक्शन फॉर पीसकीपिंग और एफॉरपी+ (एक्शन फॉर पीसकीपिंग प्लस) कार्यान्वयन योजना के तहत चल रहे सुधार के अनुरूप, वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों और जरूरतों को पूरा करने के लिए संयुक्त राष्ट शांति स्थापना प्रयासों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक समर्थन और ठोस प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित करने का प्रयास करती है।

जलवायु परिवर्तन के असर से भारत में बढ़ रही गर्मी-बारिश, आम आदमी की जेब पर पड़ रही भारी

दुबई । दुबई में संयुक्त राष्ट के जलवायु सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में वर्ल्ड मेटेरोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट में जो आंकड़े दिए गए हैं, वो डराने वाले हैं। दरअसल इस रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के चलते भारत में बीते दशक में औसत से ज्यादा गर्मी बढ़ी है और साथ ही बारिश भी ज्यादा हुई है। साल 2011–20 के दशक को भारत के लिए सबसे ज्यादा गर्म दशक बताया गया है। बता दें कि डब्लूएमओ, संयुक्त राष्ट की एजेंसी है, जो मौसम, जलवायु और जल संसाधन का अध्ययन करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2011–20 का दशक उत्तर पश्चिमी भारत, पाकिस्तान, चीन और अरब पेनिन्सुला के दक्षिणी तट के इलाके के लिए सबसे गर्म रहा है। साल 1961–1990 के दशकों के मुकाबले 2011–20 के दशक में दक्षिण पूर्व एशिया, यूरोप, दक्षिणी अफ्रीका, मैक्सिको और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में बेहद गर्म दिनों की संख्या दोगुनी हो गई है। वहीं ठंडे दिनों की संख्या लगातार कम हो रही है। पिछले दशक में 1961–1990 के दशकों की तुलना में ठंडे दिन 40 फीसदी कम हो गए हैं।

हमास ने संघर्ष विराम की जगह युद्ध चुना, आईडीएफ प्रवक्ता बोले- हमास को खत्म करने में पूरी ताकत लगा देंगे

यरूशलम । इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम की समाप्ति के बाद फिर एक बार युद्ध शुरू हो गया है। इस बीच इजराइल रक्षा बल के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगरी ने बताया कि वह हमास के आतंकवादियों के खिलाफ अपनी पूरी शक्ति लगा देंगे। हगरी ने कहा, हमने उनका (हमास) उत्तरी गाजा में पीछा किया और अब हम उनका दक्षिणी गाजा में पीछा कर रहे हैं। हम हमास आतंकियों के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा बल का इस्तेमाल करेंगे। हमारी सेना ने सात दिन का संघर्ष विराम चुना था, जिससे कि खुफिया जानकारी की समीक्षा किया जा सके। हमास ने इस संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। अब हम अपने गलतियों से सीखे हुए सबक का प्रयोक इस नए युद्ध में करेंगे। एक दिसंबर को संघर्षविराम की समाप्ति के बाद हगरी ने कहा कि हमास संगठन ने बंधकों की रिहाई को अस्वीकार करते हुए संघर्ष विराम का उल्लंघन करके युद्ध को चुना। उन्होंने कहा, हम हमास के खिलाफ युद्ध के नए चरण में प्रवेश कर चुके हैं।

बाइडन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पहुंचे भारत, द्विपक्षीय संबंधों समेत इन मुद्दों पर की चर्चा

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के एक शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत करने के लिए नई दिल्ली में हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि एक सिख अलगाववादी पर हत्या के प्रयास से संबंधित आरोप भी मुद्दों में शामिल हैं।

एक रीडआउट में कहा गया है कि प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने 4 दिसंबर को नई दिल्ली में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री के साथ महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पर महत्वाकांक्षी यूएस–भारत पहल में हुई प्रगति की समीक्षा की।

व्हाइट हाउस ने कहा कि आईसीईटी अमेरिका–भारत साझेदारी में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जिसे रणनीतिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग द्वारा तेजी से परिभाषित किया जा रहा है।

इसमें कहा गया है कि फाइनर ने व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र सहित भारत–प्रशांत में समन्वय और नीति संरेखण को मजबूत करने के उद्देश्य से गहन चर्चा के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विनय क्वात्रा के साथ द्विपक्षीय और क्षेत्रीय परामर्श किया।

मध्य पूर्व पर की चर्चा

रीडआउट के अनुसार उन्होंने मध्य पूर्व पर चर्चा की, जिसमें लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल के हमले और वाणिज्यिक नेविगेशन की स्वतंत्रता की सुरक्षा के महत्व चर्चा का विषय बने। इसके साथ ही रीडआउट के अनुसार, संघर्ष के बाद गाजा और दो–राज्य समाधान की दिशा में एक मार्ग की योजना बनाने पर भी बात हुई। व्हाइट हाउस ने कहा, फाइनर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में घातक साजिश की जांच के लिए भारत द्वारा एक जांच समिति की स्थापना और जिम्मेदार पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को जवाबदेह ठहराने के महत्व को स्वीकार किया। अमेरिकी विदेश विभाग ने अमेरिका में एक अलगाववादी सिख नेता पर एक कनिष्ठ भारतीय अधिकारी द्वारा हत्या के प्रयास के आरोपों की जांच के लिए एक समिति गठित करने के भारत सरकार के

फैसले का स्वागत किया।

विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि जब यह कथित घटना हमारे ध्यान में लाई गई, तो हमने अपनी सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर से लेकर भारत सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर तक को यह स्पष्ट कर दिया कि हम इस तरह की किसी घटना को कितनी गंभीरता से लेंगे। उन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है और हम उस जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं। जब यह कथित घटना हमारे ध्यान में लाई गई, तो हमने अपनी सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर से लेकर भारत सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर तक यह स्पष्ट कर दिया कि हम इस तरह की घटना को कितनी गंभीरता से लेंगे। फिलहाल, उन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है और हम उस जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं।

द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर अमेरिकी और भारतीय सीईओ ने दी अपडेट

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष सीईओ ने वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो और केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की सह–अध्यक्षता में एक बैठक की। इस दौरान द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर अपनी सिफारिशों की स्थिति पर अपडेट प्रदान किया। जारी बयान के अनुसार, रायमोंडो और गोयल द्वारा 30 नवंबर को बुलाई गई भारत–अमेरिका सीईओ फोरम की वर्चुअल बैठक नई दिल्ली में मार्च 2023 फोरम बैठक की अगली कड़ी थी। इस बैठक के दौरान, अमेरिकी और भारतीय सीईओ ने दोनों सरकारों को अमेरिका–भारत वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के बारे में अपनी सिफारिशों की स्थिति के बारे में अपडेट प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन, कार्यबल विकास, नियामक और मानकों के सामंजस्य और आर्थिक सहयोग सहित सभी क्षेत्रों से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की।

आर्लिंगटन में एक आवास के अंदर गोलीबारी के बाद विस्फोट, पड़ोसियों को अपने घरों के भीतर रहने के निर्देश

आर्लिंगटन । आर्लिंगटन में एक घर के अंदर गोली चलने की खबर सामने आई। इस गोलीबारी के बाद एक बड़ा विस्फोट भी हुआ, जिसके बाद पुलिस पड़ोस में रहने वाले लोगों को अपने घरों में रहने का निर्देश दे रही है। पुलिस का कहना है कि यह घटना ब्लूमाउंट के पड़ोसी एन बर्लिंगस्ट्रीट के 800 ब्लॉग में घटी। पुलिस ने बताया कि अधिकारी आवास में तलाशी वॉरंट जारी करने की कोशिश कर रहे हैं। एक संदिग्ध ने घर के अंदर कई राउंड फायरिंग की, जिस वजह से विस्फोट हो गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार घर के अंदर प्रवेश करने की कोशिश कर रहे पुलिस अधिकारी पर भी संदिग्ध ने गोली चलाई। इस विस्फोट के बाद किसी के घायल होने की अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारी को मामूली चोट आई है। सोशल मीडिया पर लोगों ने बताया कि विस्फोट के दौरान उनका घर हिलने लगा था। एक स्थानीय नागरिक ने बताया कि उसने दो मील की दूरी से विस्फोट की आवाज सुनने के बाद घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने कहा कि विस्फोट की खबर मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची। हादसे के तुरंत बाद पुलिस ने आस–पास के कुछ घरों को तुरंत खाली करवाया और लोगों को सुरक्षित स्थानों में शरण लेने के लिए कहा।

आईसीसी प्रमुख करीम खान बोले- हमास का 7 अक्टूबर का हमला मानवता की अंतरात्मा को आघात

तेल अवीव ।

इजराइल में सात अक्तूबर को हमास द्वारा 1,200 से अधिक लोगों की क्रूर हत्या कुछ का प्रतिनिधित्व करती है यह सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराध है जो मानवता की अंतरात्मा को झकझोर देता है, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के मुख्य अभियोजक करीम खान ने यहूदी राज्य की यात्रा के समापन पर कहा। अभियोजक ने एक ब्लॉग पोस्ट में घोषणा की कि खान ने उन परिवारों के अनुरोध पर इजराइल की यात्रा की, जिनके प्रियजनों की गाजा पट्टी स्थित आतंकवादी समूहों द्वारा हत्या कर दी गई थी या उन्हें बंधक बना लिया गया था। जेरूसलम फलस्तीनी–इजराइली संघर्ष पर अदालत के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता है। किबुत्ज बीरी और किबुतज कफर अज्जा दोनों में, साथ ही रीम में नोवा म्यूज़िक फेस्टिवल की साइट पर, मैंने सोची–समझी क्रूरता के दृश्य देखे, खान ने पीड़ितों के परिवारों के साथ साझेदारी में काम करने की कसम खाते हुए लिखा, हमारे हिस्से के रूप में जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने का काम जारी है। उन्होंने हमास के बंदी बने अनुमानित 137 बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई का आह्वान किया, विशेष रूप से बच्चों को ले जाने और उन्हें पकड़कर रखने के माध्यम से मानवता के मौलिक सिद्धांतों के घोर उल्लंघन का हवाला दिया। गाजा में हमास आतंकवादियों के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान पर टिप्पणी करते हुए, खान ने कहा कि इजराइल रक्षा बलों के पास प्रशिक्षित वकील हैं जो कमांडरों को सलाह देते हैं और एक मजबूत प्रणाली है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का अनुपालन सुनिश्चित करना है। अभियोजक ने कहा, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जहां लड़ाकों को अवैध रूप से नागरिक आबादी में शामिल होने का आरोप लगाया जाता है, स्वाभाविक रूप से जटिल है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून अभी भी लागू होना चाहिए और इजराइली सेना उस कानून को जानती है जिसे लागू किया जाना चाहिए। जैसा कि मैंने बार–बार जोर दिया है, नागरिकों को बिना किसी देरी के बुनियादी भोजन, पानी और अत्यंत आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति तक पहुंच होनी चाहिए। 2015 में, पीए ने इजराइल द्वारा किए गए कथित अपराधों पर आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार करने की घोषणा की।

ग्रीन कार्ड बैकलॉग कम करने के लिए अमेरिकी संसद में नया बिल पेश, हजारों भारतीयों को होगा फायदा

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने एक बिल पेश किया है, जिसमें ग्रीन कार्ड बैकलॉग को कम करने में मदद मिलेगी। इस बिल में कई ऐसे प्रावधान हैं, जिनसे हजारों भारतीयों को फायदा मिलेगा और उन्हें अमेरिका का ग्रीन कार्ड मिलने का रास्ता साफ होगा। बता दें कि इस बिल को भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाल के साथ ही रिक मैक्कॉर्मिक ने पेश किया है।

बिल से अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

एक बयान जारी कर कहा गया है कि यह द्विदलीय बिल अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देगा। साथ ही इससे ग्रीन कार्ड बैकलॉग भी कम होगा। इस बिल की मदद से अमेरिकी कंपनियों को योग्यता के आधार पर कर्मचारियों को नौकरी देने में मदद मिलेगा ना कि सिर्फ उनके जन्मस्थान के आधार पर।

इस बिल में रोजगार आधारित इमिग्रेशन वीजा के लिए सात फीसदी की लिमिट को भी योग्यता के आधार पर बढ़ाकर 15 फीसदी करने का प्रावधान किया गया है।

क्यों जरूरत पड़ी बिल लाने की

बिल पेश करने वाले अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि जब हम भविष्य के लिए अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम कर रहे हैं। ऐसे में हम नहीं चाहेंगे कि हाई स्किल कर्मचारी ग्रीन कार्ड बैकलॉग में फंसे रहें। बता दें कि रोजगार आधारित वीजा सिस्टम हाई स्किल और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले लोगों को ग्रीन कार्ड देकर अमेरिकी की नागरिकता देता है। बयान में कहा गया है कि 95 प्रतिशत अमेरिका में रोजगार करने वाले अप्रवासी अस्थायी वीजा के आधार पर अमेरिका में रह रहे हैं और इनमें से कई दशकों से इसी तरह अस्थायी तौर पर अमेरिका में रह रहे हैं। इसकी वजह ग्रीन कार्ड के लिए बड़ा बैकलॉग है।

गाजा में तनाव के बीच नेतन्याहू ने बुलाई युद्ध कैबिनेट की बैठक; दक्षिणी गाजा को खाली करने का दिया आदेश

यरूशलम ।

इजराइल और हमास के बीच संघर्षविराम के खत्म होने के बाद एक बार फिर युद्ध तेज हो गया है। दोनों पक्ष एक–दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। इस बीच, इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने तेल अवीव में रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में अपने युद्ध मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई।

इस बैठक में, प्रधानमंत्री के साथ आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख, मोसाद के प्रमुख और शिन बेट प्रमुख, साथ ही कैबिनेट सदस्य रक्षा मंत्री योव गैलेंट और मंत्री बेनी गैंट्ज़ शामिल हुए। बैठक के बारे में इजराइली पीएम के कार्यालय ने पोस्ट कर जानकारी दी। इससे पहले, नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ युद्ध के बीच अपने सलाहकारों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। साथ ही उनहे हालात का जायजा लिया था। पीएमओ कार्यालय ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि जिन लोगों से पीएम नेतन्याहू ने बात की थी उनमें रक्षा मंत्री, मंत्री गैंट्ज, मंत्री ईसेनकोट, सामरिक मामलों के मंत्री एमके आर्य डेरी, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के निदेशक, प्रधान मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ, आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ, निदेशक मोसाद, प्रधान मंत्री के सैन्य सचिव, राष्ट्रीय सार्वजनिक कूटनीति निदेशालय के प्रमुख, आईडीएफ संचालन निदेशालय के प्रमुख, आईडीएफ योजना निदेशालय के प्रमुख, क्षेत्रों में सरकारी गतिविधियों के समन्वयक और आईडीएफ इंटेलिजेंस में अनुसंधान प्रमुख शामिल थे।

गौरतलब है कि इजराइल ने हाल के दिनों में दक्षिणी गाजा पर हवाई बमबारी तेज कर रहा है। इजराइल–हमास युद्धविराम से पहले उत्तरी गाजा पर जमीनी अभियान शुरू करने के बाद अब इजराइली सेना ने गाजा पट्टी के मुख्य दक्षिणी शहर के दो दर्जन इलाकों से भी लोगों को बाहर निकलने का आदेश दिया है। उसके यहां भी जमीनी अभियान शुरू करने के चलते लोगों को भागना पड़ रहा है। इस बीच, 7 अक्तूबर के बाद से अब तक इजराइली हमलों में 15,899 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इजराइल ने अपने जमीनी हमले का दायरा बढ़ाने के साथ हमास पर 7 अक्तूबर को बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के लिए दबाव बढ़ा दिया है। उसने उत्तरी गाजा को मलबे में तब्दील करने के बाद दक्षिण का रुख किया है। इस बीच उत्तरी शहर से भागकर दक्षिण में पनाह पाने वाले लोगों को भी कठोर हालात से गुजरना पड़ रहा है।

इजराइल और पड़ोसी मिस्र ने किसी भी शरणार्थी को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया है। उधर, इजराइली सेना ने एक्स पर एक नक्शा पोस्ट करते हुए खान यूनिस शहर के करीब एक चौथाई हिस्से को पीले रंग से चिह्नित किया। उसने इस क्षेत्र को तुरंत खाली करने का आदेश दिया है। नक्शे में तीन तीर दक्षिण और पश्चिम की ओर इशारा करते हुए लोगों को भूमध्य सागर और मिस्र की सीमा की ओर आगे बढ़ने के लिए कह रहे थे। अमेरिकी युद्धपोत और कुछ वाणिज्यिक जहाजों पर लाल सागर में हमले किए गए। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने कहा, यमन के हूती विद्रोहियों ने 2 जहाजों पर हमले किए, जिन्हें उसने इजराइल से संबंधित बताया। हालांकि, विद्रोहियों ने अमेरिकी नौसेना के जहाज को निशाना बनाने की बात स्वीकार नहीं की। यह हमला, पश्चिम एशिया में इजराइल–हमास युद्ध से जुड़े समुद्री हमलों की श्रृंखला में वृद्धि को दर्शाता है। इससे पूर्व, ब्रिटिश सेना ने लाल सागर में एक संदिग्ध ड्रोन हमला और धमाका होने की जानकारी दी थी।

रूस ने यूक्रेन में सोवियत काल के जासूसी दस्ते स्मैश को किया पुनर्जीवित, क्यों यह है बेहद खतरनाक

मॉस्को ।

रूस ने यूक्रेन के कुछ हिस्सों में सोवियत काल के खुफिया संगठन स्मैश को पुनर्जीवित किया है, जिस पर उसने हाल के वर्षों में अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। यह रिपोर्ट रूसी संसद (ड्यूमा) के सदस्य और पूर्व सैन्य कमांडर एंड्री गुरुल्योव द्वारा की गई टिप्पणियों पर आधारित है। रूसी राज्य टेलीविजन चैनल रूस–1 पर एक उपस्थिति के दौरान की गई गुरुल्योव की टिप्पणियों का एक अंश टेलीग्राम पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था। स्मैश की स्थापना 1940 के दशक में जोसेफ स्टालिन द्वारा की गई थी। यह रूसी शब्दों का संक्षिप्त रूप है जिसका अर्थ है जासूसों की मौत। गुरुल्योव ने डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिजिया के यूक्रेनी क्षेत्रों का जिक्र करते हुए कहा कि हमने स्मैश के बारे में बात की, आज हमने एक विभाग बनाया जो नए क्षेत्रों में लगभग उसी तरह से काम करता है। वहीं 2022 के जनमत संग्रह के बाद ये क्षेत्र रूस के अवैध कब्जे में हैं। अमेरिका के नेतृत्व में कई पश्चिमी देशों ने इस

कदम को अवैध बताया है। रूसी सरकार ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। संगठन मूल रूप से सोवियत सेना में घुसपैठ करने वाले जर्मन जासूसों का मुकाबला करने पर केंद्रित था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्मैश 1946 तक चालू था, और तोड़फोड़, परित्याग या विश्वासघात के संदेह में अपने स्वयं के एजेंटों सहित हजारों लोगों की गिरफ्तारी, यातना और फांसी के लिए कुख्यात था। गुरुल्योव ने कहा कि इसी तरह की संरचना रूस में भी एक बार फिर से संचालित होनी चाहिए। रूसी राजनेता ने कहा कि आज वे गैर–सीमावर्ती क्षेत्रों में हमारे अभियानों में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने सुदूर पूर्व से बात की, जहां हमारे पास परमाणु पनडुब्बियां हैं और हमारे जहाज स्थित हैं। उन्होंने कहा कि वे भी खतरे में हो सकते हैं, इसलिए हमें सुरक्षा मुद्दों पर थोड़ा अलग ढंग से ध्यान देने की जरूरत है। खार्किव ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन ग्रुप की वेबसाइट में कहा गया है कि स्मैश कार्यकर्ताओं द्वारा पकड़े गए लोगों को केवल यूक्रेनी ध्वज, अन्य यूक्रेनी प्रतीकों को प्रदर्शित करने या यूक्रेन का राष्ट्रगान गाने के लिए वीडियो में स्वीकारोक्ति और माफी देने के लिए प्रताड़ित किया जाता है। यूक्रेन में संघर्ष धीमा होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। रूसी और यूक्रेनी सेनाएं यूक्रेन के पूर्व और दक्षिण में लड़ाई जारी रखती हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना पूर्व में औद्योगिक शहर अवदीवका पर दो नई दिशाओं से हमला कर रही है, क्योंकि मॉस्को लगभग घिरे हुए शहर पर कब्जा करने के लिए अपनी बोली का विस्तार कर रहा है। मॉस्को पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के एक औद्योगिक शहर अवदीवका पर कब्ज़ा करने के लिए लगभग दो महीने से कोशिश कर रहा है।

पुतिन कर सकते हैं सऊदी अरब और यूएई का दौरा; पश्चिम के खिलाफ वैश्विक गठबंधन बनाने पर कर रहे हैं काम

मॉस्को । यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण पश्चिमी देशों के प्रतिबंध झेल रहे रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह दो देशों का दौरा करने वाले हैं। रूसी मीडिया ने पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव के हवाले से कही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब का दौरा करेंगे। उनकी यह यात्रा तब हो रही है जब हाल ही में ओपेक + समूह ने प्रतिदिन लगभग 2.2 मिलियन बैरल की कुल स्वैच्छिक उत्पादन कटौती पर सहमति जताई है। रूसी मीडिया रिपोर्ट में उशाकोव के हवाले से बताया गया है कि पुतिन पहले यूएई और फिर सऊदी अरब जाएंगे। वहां वे मुख्य रूप से क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बातचीत करेंगे। उशाकोव ने कहा कि इस यात्रा और दोनों के बीच वार्ता बहुत उपयोगी होगी। हम हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं। गौरतलब है कि हाल के सालों में देखें तो पुतिन ने लंबे समय से विदेश की यात्रा नहीं की है। अगर वे कही गए हैं तो उनमें से ज्यादातर पूर्व सोवियत संघ के राज्यों ही हैं। इन देशों से इतर वे आखिरी बार अकतूबर में चीन यात्रा पर गए थे। पश्चिमी देशों के प्रतिबंध और आलोचनाएं झेल रहा रूस ओपेक+ समूह के देशों के साथ सहयोग के अलावा गैर–पश्चिमी देशों के साथ वैश्विक गठबंधन बनाने में भी लगे हैं। अपने इसी अभियान के हिस्से के रूप में वे खाड़ी देशों को साधने में लगे हैं। इसके जरिए पुतिन यह दिखाना चाहते हैं कि यूक्रेन पर हमले के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उसे कोई भय नहीं है।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या, गार्ड घायल

लारेंस विश्नोई गैंग से जुड़े रोहित गोदारा ने ली हत्या की जिम्मेदारी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के श्याम नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर कार सवार तीन बदमाशों ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में गोली मारकर हत्या कर दी। गंभीर हालत में उन्हें मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह भी इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि गार्ड की ओर से की गई फायरिंग में एक बदमाश की भी मौत हो गई। फिलहाल, इस हत्या की जिम्मेदारी लारेंस विश्नाई गैंग से जुड़े रोहित गोदारा ने ली है। इधर, वारदात के बाद पुलिस की ओर से जयपुर शहर में कड़ी नाकाबंदी करवाई गई है। पुलिस की टीमें हमलावरों की धर-पकड़ के लिए दौड़ भाग कर रही हैं। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के समर्थकों का कहना है उनको काफी समय से यूपी समेत अन्य इलाकों से धमकियां मिली थीं। साथ ही पाकिस्तान से भी उनको धमकी मिली थी लेकिन पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन,

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की आज हत्या कर दी गई। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने बताया कि श्याम नगर जनपथ पर सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का घर है। मंगलवार अपराह्न करीब 1.30 बजे उनके घर तीन बदमाश पहुंचे। पहले तो वे सोफे पर बैठकर गोगामेड़ी से बात कर रहे थे लेकिन करीब 10 मिनट बाद ही वे उठे और गोलियां चालानी शुरू कर दीं। फायरिंग के दौरान गोगामेड़ी के गार्ड ने बचाने की कोशिश की तो बदमाशों ने उस पर भी फायरिंग झोंक दी। जाते-जाते एक बदमाश ने गोगामेड़ी के सिर में गोली मारी। गार्ड की ओर से की गई फायरिंग में एक बदमाश नवीन को गोली लग गई और उसकी भी मौत हो गई। फायरिंग के बाद एक बदमाश भागते हुए गली से निकला और एक कार को रोककर लूटने का प्रयास किया। उसने ड्राइवर को पिस्तौल दिखाई तो ड्राइवर कार भगा ले गया। इस दौरान पीछे से आ रहे स्कूटी सवार अमित को बदमाश ने निशाना बनाया। स्कूटी सवार को गोली मारकर घायल कर दिया और स्कूटी छीनकर फरार हो गया। जयपुर पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गोगामेड़ी पर गोली चलाने वाले मुलताई शाहपुरा निवासी एक बदमाश नवीन सिंह शक्तावत था, जिसकी इस घटना में मौत हो गई है। नवीन जयपुर में कपड़े का व्यापार करता था। पुलिस के पास सभी आरोपियों और घटना को लेकर सीसीटीवी फुटेज हैं। मौके से भागने वाले दोनों हमलावरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजधानी जयपुर में दिन-दहाड़े गोली मारकर की गयी हत्या की घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुए इस संबंध में अपराधियों के खिलाफ कड़ी और प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मिश्र ने घटना के बारे में जानकारी मिलते ही डीजीपी से फोन पर तथ्यात्मक जानकारी ली और प्रदेश में कानून एवं शांति व्यवस्था को सभी स्तरों पर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपराधी कोई भी हो, उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने आम जन की सुरक्षा और शांति के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा प्रभावी एवं कारगर कदम उठाने के लिए भी विशेष रूप से निर्देश दिए हैं। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में शेखावत ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के समाचार से स्तब्ध हूं। इस संदर्भ में पुलिस कमिश्नर से जानकारी ली है और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए कहा है। सामाजिक जनों को शांति और धैर्य रखना होगा। भाजपा सरकार के शपथ लेते ही राज्य को अपराधमुक्त करना हमारी अग्रणी प्राथमिकताओं में है। गोगामेड़ी की आत्मा को प्रभु शांति प्रदान करें। परिजनों और समर्थकों- शुभचिंतकों को संबल प्राप्त हो।

विजय दिवस के उपलक्ष में निकाली बाइक रैली

जोधपुर (हिंस)। कोणार्क विजय दिवस के स्मरणोत्सव को लेकर जोधपुर मिलिट्री स्टेशन से बाइक रैली को हरी झंडी दी गई। जनरल ऑफिसर कमांडिंग कोणार्क-डेजर्ट कोर ने रैली को रवाना किया। मोटरसाइकिल टीम लोंगेवाला और जैसलमेर युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके युद्ध के शहीद नायकों को श्रद्धांजलि देगी। अभियान के दौरान, सवार वीर नारियों और दिग्गजों के साथ बातचीत सहित विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम चलाएंगे, जिसका उद्देश्य उनके अनुभवों को फिर से जीना है। बाइक रैली 1971 में जैसलमेर-रेगिस्तान सेक्टर में पाकिस्तान पर विजय के बाद के 52वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। अभियान दल में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, बीएसएफ और राजस्थान पुलिस के 24 कर्मी शामिल है। इस प्रकार यह 1971 के युद्ध में भाग लेने वाली सभी वर्दीधारी सेवाओं के कर्मियों का एक अनूठा संयोजन बन गया। तीन दिनों की अवधि में बाइक सवार पोकरण, श्री मोहनगढ़, धनवार, रामगढ़, तनोट, किशनगढ़, लोंगेवाला और जैसलमेर सहित अन्य ऐतिहासिक स्थानों की 700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगे।

जनता को पीएम मोदी की विकास गारंटी पर पूर्ण विश्वास : भारत भूषण भारती

फतेहाबाद (हिंस)। भारत विकसित संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के राजनैतिक सलाहकार भारत भूषण भारती ने शिरकत की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष स. बलदेव सिंह ग्रोहा ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान भारत भूषण भारती ने जिले में आयोजित हुए भारत विकसित संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा आगे होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की रूप रेखा की जानकारी ली। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं की ड्युटियां भी लगाई गई। भारत भूषण भारती ने कहा कि 2024 के चुनावों के सार्थक परिणामों के लिए भारत विकसित संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, इसलिए सभी कार्यकर्ता इस यात्रा में बढ़चढ़ कर भाग लें। उन्होंने बताया कि भारत विकसित संकल्प एवं जनसंवाद यात्रा के दौरान लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की 9 साल की उपलब्धियों, योजनाओं, जनकल्याणकारी नीतियों से अवगत करवाया जा रहा है, साथ ही जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से आम जन की समस्याओं का निवारण भी करवाया जा रहा है। भारत भूषण भारती ने कहा कि देश व हरियाणा प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के प्रति अटूट विश्वास रखती है। तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत ने साबित कर दिया है कि देश की जनता को पीएम नरेंद्र मोदी की विकास की गारंटी पर पूर्ण विश्वास है। 2024 के चुनावों में देश की जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और हरियाणा की जनता मनोहर लाल को तीसरी बार अपना मुख्यमंत्री बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आगामी चुनावों के लिए अभी से कमर कस लें। अपनी जमीनी स्तर की तैयारियों को मजबूत बनाएं।

तीन राज्यों की प्रचंड जीत से 2024 में केंद्र में पीएम मोदी की लगेगी हैट्रिक : गंगा

विजयपुर (हिंस)। ब्लाक पुरमंडल की पंचायत दीओन और पंचायत पुरमंडल में विकसित भारत संकल्प यात्रा का मंगलवार को आयोजन किया गया। इस यात्रा में ग्रामीणों, सरपंचों, पंचों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी विभागों के अधिकारियों ने इसमें शिरकत की और अपने विभाग की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। सभी विभागों की ओर से जानकारी देने के लिए स्टाल लगाए गए थे। इस मौके पर भाजपा वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री चंद्र प्रकाश गंगा ने कहा कि इस यात्रा से गांव विकसित होंगे, जनपद विकसित होगा और देश विकसित होगा। सरकार जनता के द्वार पर जाकर उनको योजनाओं की जानकारी दे रही है और लाभार्थियों की पहचान कर उसका लाभ उनको दे रही है। सरकार की कोशिश है कि लाभार्थी योजनाओं का लाभ लेने से किसी भी रूप में वंचित न रह जाएं। पूर्व मंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा की तीन राज्यों की प्रचंड जीत से 2024 में केंद्र में पीएम मोदी की हैट्रिक लगेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है की सरकार खुद चलकर आपके दरवाजे पर आ रही है। इसे कहते हैं सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास। इसके बाद लोगों ने विकसित संकल्प भारत प्रतिज्ञा लेकर समग्र राष्ट्रीय विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह यात्रा योजनाओं के लाभों के लिए पात्र लोगों की सार्वभौमिक कवरेज की उपलब्धि, वंचितों तक पहुंचकर योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेरी जुबानी, मेरी कहानी के तहत आन स्पाट क्विज, महिला एसएचजी सदस्यों और स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन धरती कहे पुकार के स्वच्छता गीत, सतत कृषि गतिविधियों का सत्र-ड्रोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती व मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की।

राजस्थान में करणपुर विधानसभा सीट पर 5 जनवरी को मतदान

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस सीट पर मतदान 05 जनवरी को और मतों की गणना 10 जनवरी को होगी। इस सीट के कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया था। निर्वाचन आयोग के मुताबिक करणपुर सीट के लिए 12 दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। 19 दिसंबर नामांकन की आखिरी तारीख है। 20 को जांच और 22 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। पांच जनवरी को मतदान और 10 जनवरी को मतगणना होगी। कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के बाद इस सीट पर चुनाव रद्द किए गए थे। राज्य की 200 में से 199 विधानसभा सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ था और तीन दिसंबर को मतों की गणना की गई।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक : चुनाव हारने पर उठे सवाल

जयपुर (हिंस)। विधानसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस विधायक दल की पहली बैठक मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में हुई। इसमें नेता प्रतिपक्ष का फैसला आलाकमान पर छोड़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में पार्टी के निर्वाचित विधायक शामिल हुए। बैठक में एआईसीसी के पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री, भूपेन्द्रसिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक, राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, सचिन पायलट और कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित रहे। बैठक में पार्टी की अगली रणनीति पर मंथन होने के साथ हार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। चुनाव में भीतरघात का मुद्दा भी उठा। हार के लिए वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय करने की मांग की गई। बैठक के बाद पर्यवेक्षकों ने विधायकों से वन टू वन फीडबैक लिया। बैठक के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को लेकर एक सिंगल लाइन का प्रस्ताव पारित किया गया है। हमने फैसला हाईकमान पर छोड़ा है। हमारे यहां यह परिपाटी रही है। हमारा वोट शेयर

कम नहीं हुआ। पहले जो वोट शेयर था, वही आया है। लेकिन, हमारे जो निर्दलीय जीते हुए थे, उनका वोट शेयर बीजेपी की तरफ चला गया। हमने विकास और स्थानीय मुद्दों पर चुनाव लड़ा। बीजेपी ने यह चुनाव अलग तरीके से लड़ा। उन्होंने विकास की बात नहीं की। कन्हैया लाल को लेकर चुनाव लड़ा। राजस्थान में तरह-तरह की अफवाह फैलाई गई। गहलोत ने कहा कि मेरा मानना था कि सरकार बन जाएगी। प्रदेश में सरकार के खिलाफ लहर नहीं थी। राजस्थान वह राज्य था, जहां सरकार के खिलाफ माहौल नहीं था। जबकि होता यह है कि जहां सरकार होती है, वहां बहुत कुछ सरकार के खिलाफ हो जाता है। भाजपा ध्रुवीकरण करने में सफल हुई। उन्होंने कहा कि हमें हारने की उतनी चिंता नहीं, जितनी इस बात की है कि देश में क्या होगा। देश में ज्यूडिशियरी की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। देश का लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है, यह सोचने की आवश्यकता है। कांग्रेस में अपनी भूमिका पर गहलोत ने कहा कि मेरी भूमिका पार्टी के साधारण कार्यकर्ता के रूप में रहेगी। मैंने सुझाव दिया है कि लोकसभा के लिए उम्मीदवार की तलाश अभी से हो। मेरा कार्यकर्ताओं से आह्वान है कि वे लोकसभा चुनाव की तैयारी करें। विधायक दल की बैठक के बाद सचिन पायलट ने कहा कि हमें कमियों को स्वीकार कर सुधार करना होगा। युवाओं को आगे लाना चाहिए। भूतकाल की बातें छोड़कर भविष्य की बात करनी है। लोकसभा चुनाव के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। हमें उम्मीद थी कि राजस्थान में इस बार सरकार दोबारा बनेगी, सब लोगों ने मेहनत की। इसके बावजूद कुछ कमियां रही। इन कमियों को स्वीकार करना पड़ेगा। क्या कमियां रही और कामयाबी के लिए क्या सुधार हो, इस पर लंबी चर्चा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस मजबूती के साथ कैसे विकल्प बन सकती है। इस बारे में रणनीति तय करनी है। कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता अगर जनता का मन जीत लेते तो चुनाव जीत पाते। राजस्थान की परंपरा पुरानी परंपरा है कि सत्ता बदलती है, हमारा प्रयास था कि हम सत्ता में वापसी करें। अभी भी हम मजबूती से जनता की आवाज बनकर जनता के बीच में रहेंगे और मेहनत करेंगे। पार्टी जल्दी निर्णय लेगी कि आगे किस तरह से रास्ता तय किया जाएगा।

नशा तस्करों के खिलाफ आरपार की लड़ाई शुरू करे पंजाब पुलिस : भगवंत मान

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब को मुकम्मल तौर पर नशा मुक्त राज्य बनाने के प्रण को दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को पुलिस अफसरों को नशा की कुरीति के खिलाफ आरपार की लड़ाई को अंजाम तक ले जाने के आदेश दिए हैं। पुलिस कमिशनरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ मंगलवार को बैठक में मुख्यमंत्री मान ने पुलिस अधिकारियों को नशेबाजी के खिलाफ किसी तरह का नरमी न बरतने की नीति को मुकम्मल तौर पर लागू करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने नशों की स्पलाई लाइन को पहले ही तोड़ दिया है और बड़े नशा तस्करों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह मुहिम सख्ती से जारी रहनी चाहिए और जमीनी स्तर पर भी नशों के विरुद्ध कार्रवाई को अंजाम दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस को नशा तस्करी के पैसे से बनाई जायदाद को जब्त करने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को बिना किसी दबाव के दिलेरी से काम करना चाहिए और उनको अपनी ड्यूटी ईमानदारी और समर्पित होकर निभानी चाहिए। मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ निर्णायक जंग शुरू की हुई है और राज्य में से इस कुरीति को जड़ से मिटा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अफसरों को हिदायत की कि ड्यूटी निभाते समय पंजाब पुलिस को अपना शानदार रिकार्ड हर सूरत में कायम रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की अमन- कानून की व्यवस्था पर पहरा देना पुलिस अफसरों की सबसे अधिक प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें कोई कसर बाकी न छोड़ी जाए। मान ने कहा कि संगठित अपराध के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और जबरन वसूली और फिरौती के मामलों को रोकने और सुलझाने पर और ज्यादा ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को कानून के मुताबिक अपनी ड्यूटी निष्पक्ष और सख्त मेहनत के साथ निभानी चाहिए। अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के दौरे करने के आदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों को लोगों में जाकर उनके मसले सुलझाने के लिए कहा। मान ने कहा कि इससे लोगों में विश्वास की भावना पैदा होगी, जो आम लोगों से संबंधित मसले सुलझाने में बहुत सहायक सिद्ध होगी।

सुब्रमण्यम स्वामी ने वसुंधरा को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी की

जोधपुर (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने वसुंधरा राजे को राजस्थान की नई मुख्यमंत्री बनाए जाने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि मेरी राय में वसुंधरा राजे को राजस्थान में मुख्यमंत्री बनाना चाहिए क्योंकि उनके पास अनुभव और एमएलए भी है। इसलिए राजस्थान में वसुंधरा राजे को ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए, यह मेरी पर्सनल राय है। यह बात उन्होंने आज जोधपुर में एयरपोर्ट पर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में कही। एक कार्यक्रम में भाग लेने आए डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व के कारण राजस्थान सहित तीन राज्यों में भाजपा सरकार बनी है। भाजपा की इस जीत का पूरा श्रेय मैं हिंदुत्व को दूंगा। इससे पहले जोधपुर पहुंचने पर सुब्रमण्यम स्वामी के करीबी युवा उद्यमी समाजसेवी हितेश जैन ने उनकी अगवानी की। बाद में सुब्रमण्यम स्वामी हितेश जैन के निवास पर पहुंचे तथा उनके परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी निफ्ट में आयोजित इवेंट टेडएक्स में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के बाद वे वापस दिल्ली रवाना हो गए।

भारत के दुर्दांत आतंकवादी लखबीर रोडे की पाकिस्तान में मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत का मोस्ट वांटेड एवं प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स का प्रमुख लखबीर सिंह रोडे नहीं रहा। जरनैल सिंह भिंडरांवाले का सगा भतीजा रोडे पाकिस्तान में चल बसा। दो दिसंबर की रात उसकी मौत हुई है। अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने आज (मंगलवार)उसकी मौत की पुष्टि की। जसबीर सिंह रोडे ने कहा है कि भाई के बेटे ने उन्हें सूचित किया है कि लखबीर की पाकिस्तान में मौत हो गई है। हाल ही में पंजाब की सुरक्षा एजेंसियों ने खुलासा किया था कि रोडे ने करीब 70 स्लीपर सेल तैयार किए हैं। एक सेल में दो-तीन लोगों को शामिल किया गया है। पंजाब के मोगा में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने आतंकी लखबीर रोडे की करीब 43 कनाल जमीन को भी सील किया था। हालांकि लखबीर सिंह रोडे की मौत की खबर कुछ महीने पहले भी आई थी।

सरकार ने मांगे नहीं मानी तो नपे कर्मचारी 14 व 15 को करेंगे पैन डाऊन हड़ताल

रातभर भूख हड़ताल पर डटे रहे कर्मचारी

फतेहाबाद (हिंस)। कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, समान काम-समान वेतन लागू करना, पुरानी पेंशन बहाल करना, एलटीसी दिए जाने, जोखिम भत्ता देना, 1327 फायरमैन चालकों को स्वीकृत पदों पर समायोजित करना, 212 फायरमैन को कौशल से निकाल कर विभागीय रोल पर करने, छंटनीग्रस्त कर्मचारियों को दोबारा काम पर लेने सहित अन्य मांगों को नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर फतेहाबाद नगरपरिषद कर्मचारियों ने मंगलवार को दूसरे दिन भी भूख हड़ताल जारी रखी। रातभर कर्मचारी भूख हड़ताल पर नगरपरिषद प्रांगण में डटे रहे। कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने हठधर्मिता छोड़कर संघ के साथ हुई बातचीत में मानी गई मांगों को लागू नहीं किया तो कर्मचारी आंदोलन को तेज करने पर मजबूर होंगे। इस कड़ी में 14 व 15 दिसंबर को पैन डाऊन हड़ताल की जाएगी, जिसकी जिम्मेवारी प्रदेश सरकार की होगी। नगर पालिका कर्मचारी संघ के फतेहाबाद इकाई प्रधान नरेश राणा व सर्व कर्मचारी संघ के जिला वरिष्ठ उप प्रधान विजय ढाका ने बताया दिसंबर के महीने मे इतनी ठिठुरती ठंड मे दूसरे दिन-रात कर्मचारी सरकार की बेरूखी की वजह से भूख हड़ताल पर डटे हुए हैं। उन्होंने सरकार को दलित, कर्मचारी, किसान और आम जनता विरोधी बताते हुए कहा कि कर्मचारी शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं लेकिन प्रदेश सरकार उनकी कोई सुध नहीं ले रही है जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। संघ के जिला वरिष्ठ उप प्रधान ओम प्रकाश लौट ने बताया कि अगर गुरुग्राम के 3480 छंटनीग्रस्त कर्मचारियों व अन्य 5 हजार छंटनीग्रस्त कर्मचारियों को दोबारा नौकरी पर वापिस नहीं लिया गया तो नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा पूरे प्रदेश में 14 व 15 दिसंबर को पैन डाउन टूल हड़ताल पर चला जाएगा, जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार की होगी। आज के धरने को नगर पालिका कर्मचारी संघ के संस्थापक पूनम चंद रत्ती के अलावा रमेश तुषामड, वीरू रत्ती, सत्यवान टांक ने भी संबोधित किया। मंगलवार को 14 कर्मचारी उपप्रधान राजाराम की अध्यक्षता में भूख हड़ताल पर बैठे। भूख हड़ताल पर बैठने वालों में राजा राम, अनिल रोहतकी, प्रहलाद, सतीश, सुरेश, प्रदीप, राजकुमार, पवन कुमार, पवन घोगलिया, वीरेन्द्र, जगदीश, नरेश, धर्मबीर, गुरदयाल शामिल रहे।

सरकार ने गांव का नाम पंजोखरा साहिब करने की अधिसूचना जारी की

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के प्रयासों के बाद अंबाला छावनी विधानसभा क्षेत्र के ऐतिहासिक गांव *पंजोखरा* का नाम उसके धार्मिक महत्व के अनुरूप *पंजोखरा साहिब* करने की अधिसूचना सरकार ने जारी कर दी है। दरअसल, गृह मंत्री अनिल विज ने पंजोखरा गांव के धार्मिक महत्व को देखते हुए पूर्व में गांव का नाम पंजोखरा साहिब करने को लेकर प्रदेश सरकार से बातचीत की थी। उन्हीं के प्रयासों से हरियाणा विधानसभा सत्र में पंजोखरा का नाम पंजोखरा साहिब करने का प्रस्ताव पारित किया गया था। सरकारी रिकार्ड में गांव का नाम पंजोखरा साहिब अंकित करने के लिए केंद्र सरकार को यह प्रस्ताव राज्य सरकार ने भेजा था। राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने अनुमति दे दी थी। इसके बाद मंगलवार को हरियाणा सरकार ने अधिसूचना जारी का दी है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री अनिल विज ने पूर्व में पंजोखरा साहिब गांव को गोद लिया गया था। उन्हीं के प्रयासों से गांवों में अब तक करोड़ों से विकास कार्य पूरे हो चुके हैं। पंजोखरा साहिब गांव अब अंबाला में बन रही 40 किलोमीटर लंबी रिंग-रोड से भी जुड़ने वाला है। गांव की गलियों व सड़कों को पक्का व चौड़ा करवाया गया और स्ट्रीट लाइटें भी लगवाई गईं, जिसका लाभ यहां आने वाले श्रद्धालुओं व स्थानीय निवासियों को मिल रहा है। अमृत सरोवर योजना के तहत गांव में जोहड़ को साफ कर यहां अब बोटिंग तक की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पंजोखरा गांव में ऐतिहासिक गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब है, जोकि श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का केंद्र है। सिखों के आठवें गुरू श्री गुरू हरकिशन साहिब महाराज की यह चरणस्थली है, जहां देश ही नहीं विदेशों से श्रद्धालु आकर शीश नवाते हैं। इस स्थान के धार्मिक महत्व के चलते ही राज्य के गृह मंत्री ने इस गांव का नाम पंजोखरा साहिब करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया था।

कोलकाता के उद्यमी के बेटे से शादी करने भारत पहुंची पाकिस्तानी युवती

अटारी बार्डर पर भावी ससुरालियों ने ढोल की थाप पर किया स्वागत

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत व पाकिस्तान के बीच भले ही राजनीतिक रिश्तों में कोई सुधार नहीं हो रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से दोनों देशों के युवक-युवतियों में आपस में शादी करने की चलन बढ़ रहा है। मंगलवार को पाकिस्तान के कराची की रहने वाली जवरिया खानम भारत में शादी रचाने के लिए अटारी बार्डर के रास्ते भारत पहुंचीं। जवरिया की शादी कोलकाता के बिजनेसमैन अहमद कमाल खान के बेटे समीर से होगी। अटारी बॉर्डर पहुंचने पर ससुराल परिवार ने ढोल के साथ जवरिया का स्वागत किया। जवरिया पाकिस्तान में कराची के अजमत इस्माइल खान की बेटी है। मंगलवार को समीर खान अपने पिता के साथ अटारी बॉर्डर पर जवरिया खानम को रिसीव करने पहुंचे थे। समीर ने बताया कि उन्होंने पांच साल जर्मनी में पढ़ाई की। यहीं पर उनकी मां की रिश्तेदार पाकिस्तान की रहने वाली जवरिया खान भी पढ़ाई करने आई थीं। मई 2018 में उनकी मुलाकात जवरिया खान से हुई थी। जर्मनी में ही उन्होंने शादी का फैसला लिया था। शादी पहले करना चाहते थे, लेकिन कोरोना के कारण शादी नहीं हो सकी। इसके बाद वीजा की कोशिशें चलती रहीं। दो साल बाद

अब सिर्फ जवरिया को वीजा मिला है। इसलिए जवरिया अकेले शादी करने भारत आई है। समीर ने बताया कि जवरिया को फिलहाल 45 दिन का वीजा मिला है। शादी के बाद वह वीजा को बढ़ाने की अर्जी डालेंगे, जिसके बाद उसे लाइफ टाइम वीजा मिलेगा।

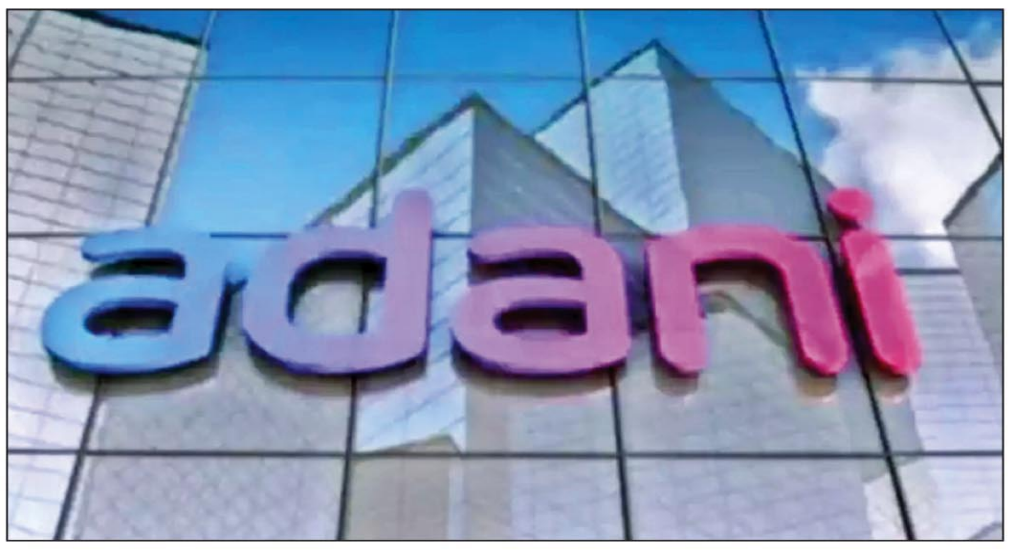

अमेरिका ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए आरोपों को बताया अप्रासंगिक, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।
अमेरिका सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि अरबपति गौतम अदाणी के खिलाफ कॉरपोरेट धोखाधड़ी के शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोप प्रासंगिक नहीं थे। इस निष्कर्ष के बाद ही बाद ही अमेरिकी एजेंसी डीएफसी ने श्रीलंका में एक कंटेनर टर्मिनल के लिए अदाणी समूह को 55.3 करोड़ डॉलर जारी किए। एक अमेरिकी अधिकारी की ओर से एक समाचार एजेंसी को यह जानकारी दी गई है। डीएफसी के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि डीएफसी इस बात से संतुष्ट है कि शॉर्ट-सेलर की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड पर लागू नहीं होते हैं। अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी एजेंसी यह सुनिश्चित करने के लिए फर्म की निगरानी करना जारी रखेगी कि अमेरिकी सरकार अनजाने में वित्तीय कदाचार या अन्य अनुचित व्यवहार का समर्थन न करे। अदाणी से जुड़ा श्रीलंका स्थित बंदरगाह सौदा एशिया में सबसे बड़ी और सबसे प्रमुख अमेरिकी सरकार समर्थित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है। यह दुनिया भर में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बेल्ट एंड रोड पहल के परिणामस्वरूप क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव का मुकाबला करने के अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा है। अदाणी पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उनके बेटे करण अदाणी ने कोलंबो में सौदे की घोषणा के समय संवाददाताओं से कहा, हम इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा हमारे दृष्टिकोण, हमारी क्षमताओं और हमारे शासन की पुनः पुष्टि के रूप में देखते हैं। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 276.90 (10.94 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 2,808.10 रुपये के भाव पर कारोबार करता दिख रहा है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि उसने वरिष्ठ ऋण सुविधा के माध्यम से 1.36 बिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की है। जो निर्माण वित्तपोषण ढांचे के हिस्से के रूप में अब तक का सबसे बड़ा वित्तपोषण है। यह मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण कंपनी का फंडिंग पूल तीन बिलियन तक पहुंच गया है।

न्यूज ब्रीफ

सितंबर तिमाही के दौरान हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में रही सबसे ज्यादा बेरोजगारी, सर्वेक्षण में खुलासा

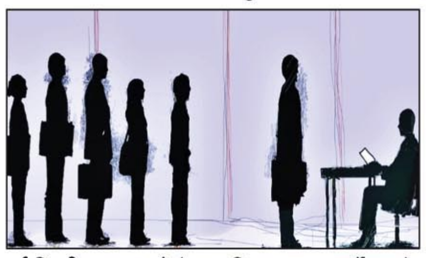

नई दिल्ली । एनएसओ के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, साल 2023 के जुलाई-सितंबर तिमाही में सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर हिमाचल और राजस्थान में रही। इस सर्वेक्षण शहरों में 15 से 29 वर्ष के बेरोजगारों पर किया गया था। इसके अनुसार हिमाचल प्रदेश में सबसे अधिक 33.9 प्रतिशत बेरोजगारी दर देखी गई। इस मामले में दूसरे नंबर पर राजस्थान रहा जहां बेरोजेगारी दर 30.2 प्रतिशत रही। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के पीएलएफएस आंकड़ों से यह भी पता चला है कि हिमाचल प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 15-29 आयु वर्ग के बीच बेरोजगारी दर इस वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में महिलाओं के बीच 49.2 प्रतिशत रही, जबकि पुरुषों के बीच यह 25.3 प्रतिशत थी। बात करें तो शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में बेरोजगारी दर जुलाई-सितंबर तिमाही में 39.4 प्रतिशत रही, जबकि पुरुषों के मामले में यह 27.2 प्रतिशत था। जम्मू-कश्मीर के शहरी क्षेत्रों में 15-29 आयु वर्ग में बेरोजगारी की उच्च दर 29.8 प्रतिशत दर्ज की गई। जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर 51.8 प्रतिशत थी, जबकि शहरों में इस अवधि में पुरुषों के बीच बेरोजगारी 19.8 प्रतिशत थी। आंकड़ों से पता चलता है कि शहरों में 15-29 आयु वर्ग में देश में कुल बेरोजगारी 17.3 प्रतिशत थी। जुलाई-सितंबर 2023 की तिमाही में देश के शहरी क्षेत्रों में कुल बेरोजगारी दर 22.9 प्रतिशत रही। महिलाओं के बेरोजगारी की बात करें तो यह दर 15.5 प्रतिशत रही। 22 राज्यों में किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि जुलाई-सितंबर तिमाही में 15-29 आयु वर्ग के व्यक्तियों के बीच सबसे कम बेरोजगारी दर गुजरात में 7.1 प्रतिशत रही, इसके बाद दिल्ली में यह बेरोजगारी दर 8.4 प्रतिशत थी।

बायजू के संस्थापक ने कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने के लिए घर गिरवी रखा, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली । बायजू के संस्थापक रवींद्रन ने कथित तौर पर अपने कर्मचारियों को लंबित वेतन का भुगतान करने के लिए धन जुटाने के लिए अपने घर के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाले घरों को भी गिरवी रखा है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे किए गए हैं। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए पैसों का जुगाड़ करना है। कंपनी से जुड़े सूत्रों के अनुसार नकदी संकट से जूझ रही कंपनी इस तरीके से अर्जित पैसों का इस्तेमाल कर्मचारियों के बकाया वेतन के भुगतान में करेगी। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि पूर्व अरबपति बायजू रवींद्रन ने 12 मिलियन डॉलर का ऋण प्राप्त करने के लिए बेंगलुरु में अपने परिवार के स्वामित्व वाले दो आवासों और एप्सिलॉन में एक निर्माणाधीन विला गिरवी रख दिया। सूत्रों के हवाले से बताया कि लोगों ने खुलासा किया है कि इससे मिले पैसों का उपयोग पेरोल दायित्वों को पूरा करने के लिए किया गया। विशेष रूप से इसका इस्तेमाल बायजू की मूल कंपनी, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के भीतर लगभग 15,000 कर्मचारियों को वेतन देने के लिए किया गया। इस बीच, एडटेक कंपनी बायजूस और उसके सीईओ एवं सह-संस्थापक रवींद्रन बायजू द्वारा विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पूरी होने के अंतिम चरण में है, जिसके बाद उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जा सकता है। संघीय जांच एजेंसी ने अप्रैल में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत बायजूस की पंजीकृत कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड सहित दो व्यावसायिक और एक आवासीय परिसरों की तलाशी ली थी। बायजूस के खिलाफ जांच तब से चल रही है।

सोना 62 हजार के पार, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि इसके वायदा भाव 64,063 रुपये का रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद करीब 1,400 रुपये गिर चुके हैं। सोने की तरह चांदी के वायदा भाव भी 78,500 रुपये पार करने के बाद अब गिरकर 76,200 रुपये के करीब आ गए हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 457 रुपये की तेजी के साथ 62,826 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 311 रुपये की तेजी के साथ 62,680 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। हालांकि इसी दिन बाद में भाव 1,694 रुपये गिरकर 62,369 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। फिलहाल यह करीब 1,400 रुपये की कमी के साथ कारोबार कर रहे थे।

छह कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति 17.16 लाख करोड़ रुपये बढ़ी, बाजार फिर नए हाई पर

नई दिल्ली ।
भारतीय बाजार में विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी के कारोबार में नई ऊंचाई पर पहुंचने से निवेशकों की संपत्ति 2.4 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। विश्लेषकों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने अपनी बिकवाली रणनीति में बदलाव किया है और पिछले सात दिनों के दौरान लगातार खरीदारी की है। उन्होंने कहा कि यह गति भारतीय बाजार में संस्थागत निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है।

बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 169.94 अंक यानी 0.25 प्रतिशत बढ़कर 69,035.06 अंक की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 52.60 अंक या 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,739.40 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप 2.4 लाख करोड़ रुपये बढ़ा – बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण कारोबार में 2.4 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 345.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, यह 343.48 लाख करोड़ रुपये था। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स के शेयर क्रमशः 4.40 प्रतिशत और 4.37 प्रतिशत की बढ़त में रहे। बीपीसीएल, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एसबीआई के शेयर भी लाभ में रहे। बंबई शेयर बाजार के 30 शेयरों में से 20 में तेजी रही। वहीं निफ्टी के 50 शेयरों में 37 शेयरों में तेजी दर्ज की गई। छह कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में 17.16 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

बीएसई के मिडकैप और स्मालकैप सूचकांक में आधे-आधे प्रतिशत की तेजी – व्यापक बाजार की बात करें तो बीएसई का मिडकैप सूचकांक 0.54 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक 0.50 प्रतिशत चढ़ा। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 29 नवंबर को पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर यानी 334.72 ट्रिलियन रुपये पर पहुंच गया था।

जानकार बोले- विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का जश्न मना रहा बाजार – मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका के अनुसार, भारतीय शेयर बाजारों ने तीन राज्यों में भाजपा की शानदार जीत का जश्न मनाया और 400 अंकों से अधिक की तेजी के साथ नई ऊंचाई पर पहुंच गए। उन्होंने कहा, चुनाव परिणामों में भाजपा के पक्ष में नतीजे, मजबूत वृहद आर्थिक आंकड़े तथा वैश्विक ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों के बीच बाजार को गति मिल रही है। निफ्टी 23 अक्तूबर के अपने स्तर 18,837 की तुलना में 1,865 अंक यानी 10 प्रतिशत मजबूत हुआ है।

खेमका ने कहा, हमें उम्मीद है कि बाजार धारणा और मजबूत होगी क्योंकि चुनाव पूर्व से चल रही तेजी अब काफी मजबूत स्थिति में है। अनुमान है कि प्रमुख क्षेत्रों में दीर्घकालिक पूंजीगत व्यय के प्रति सरकार के फोकस को देखते हुए, हमें उम्मीद है कि बीएफएसआई, इंडस्ट्रियल्स, रियल एस्टेट, ऑटो और कंज्यूमर गुड्स से जुड़े शेयर अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधि नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़ों में पुष्टि

नई दिल्ली । देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 58.4 से गिरकर नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर आ गया। हालांकि महीने-दर-महीने आंकड़ों में गिरावट देखने के बावजूद विस्तार की यह दर अपने दीर्घकालिक औसत से मजबूत रही। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी तिमाही के बीच में वृद्धि की रफ्तार गंवा दी है, लेकिन हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं, जिससे नए कारोबार में तेजी आ रही है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की इकोनॉमिक्स असोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा, लॉन्ग टर्म ऐवरेज पर विचार करने पर विस्तार की मौजूदा दर काफी अच्छी लगती है और महंगाई बढ़ने की आशंकाओं के चलते उम्मीद कमजोर पड़ने के बावजूद बिजनेस ऐक्टिविटी का आउटलुक अच्छा बना हुआ है।

जुकरबर्ग ने मेटा के 6,82,000 शेयर बेचे

इनकी वैल्यू करीब 1,584 करोड़ रुपए, इस साल अब तक 172 प्रतिशत बढ़ चुके हैं कंपनी के शेयर

नई दिल्ली ।
मेटा (फेसबुक) के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने दो साल में पहली बार मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक के शेयर बेचे हैं। रेगुलेटरी फाइलिंग के जरिए मिली जानकारी के अनुसार जुकरबर्ग के ट्रस्ट और उनसे जुड़ी अन्य इकाइयों ने नवंबर में 6,82,000 शेयर बेचे, जिनकी वैल्यू तकरीबन 18.5 करोड़ डॉलर (करीब 1,584 करोड़ रुपए) है। साल 2022 में मेटा (फेसबुक) के शेयरों की हालत खराब रहने के बाद इसमें अच्छी तेजी देखने को मिली है। नवंबर 2021 के बाद यह पहला मौका है, जब जुकरबर्ग की संपत्तियों को मैनेज करने वाली इकाइयों ने मेटा के शेयरों की बिक्री की है। इस साल नवंबर तक मेटा के शेयरों में 172 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। जुकरबर्ग ने पिछले दशक में नियमित तौर पर मेटा के शेयरों की बिक्री की थी, लेकिन 2022 में उन्होंने कंपनी का एक शेयर नहीं बेचा। 2022 में खराब तिमाही नतीजों की वजह से कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। लेकिन इसके बाद इस साल इसमें तेजी देखने को मिली है। 39 साल के जुकरबर्ग के बास अब भी मेटा के 13 प्रतिशत शेयर हैं, जिनकी मौजूदा वैल्यू तकरीबन 117.7 अरब डॉलर (करीब 97.56 हजार करोड़ रुपए) है। फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार जुकरबर्ग दुनिया के 16वें सबसे अमीर आदमी हैं। जुकरबर्ग ने 2004 में हार्वर्ड में अपने होस्टल के कमरे में फेसबुक की स्थापना की थी। साइट को बनाने का ओरिजिनल आइडिया एक सोशल नेटवर्क बनाना था ताकि हार्वर्ड के छात्र ऑनलाइन एक दूसरे से जुड़ सकें। हालांकि, साइट ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की और अन्य यूनिवर्सिटीज में विस्तार किया। अब ये 2.9 बिलियन से ज्यादा डेली एक्टिव यूजर्स के साथ एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म बन गया है।मार्क जुकरबर्ग शुरुआत से ही फेसबुक के सीईओ रहे हैं। उनके नेतृत्व में, फेसबुक एक छोटे स्टार्टअप से ग्लोबल सोशल मीडिया दिग्गज के रूप में ग्रो हुआ है। हालांकि, जुकरबर्ग की प्लेटफॉर्म पर डेटा लीक और फेक न्यूज को लेकर आलोचना भी होती रही है।

भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, एसएंडपी ने किया दावा

नई दिल्ली ।
भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और वित्त वर्ष 2026-27 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि सात प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने यह बात कही। एसएंडपी का मानना है कि देश के लिए एक बड़ी परीक्षा 'विशाल अवसर' का लाभ उठाकर खुद को अगला बड़ा वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की है। एसएंडपी की रिपोर्ट 'ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024: न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक' में कहा गया है कि मार्च 2024 यानी चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 2026 में इसके सात प्रतिशत पहुंचने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि जून और सितंबर तिमाही में क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत रही थी। एजेंसी के अनुसार "भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि यह अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा। सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि क्या भारत अगला बड़ा वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन सकता है, जो एक बहुत बड़ा अवसर है। एसएंडपी के अनुसार, "एक मजबूत लॉजिस्टिक्स ढांचा विकसित करना भारत को सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था से विनिर्माण-प्रमुख अर्थव्यवस्था में बदलने में महत्वपूर्ण होगा।" वित्त वर्ष 2022-23 के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3,730 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि भारत 2027-28 तक 5,000 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

13 दिसंबर को आएगा डोम्स इंडस्ट्रीज का आईपीओ : 1200 करोड़ जुटाने का है लक्ष्य, स्टेशनरी और आर्ट प्रोडक्ट बनाती है कंपनी

नई दिल्ली ।
स्टेशनरी और आर्ट प्रोडक्ट्स बनाने वाली फर्म डोम्स इंडस्ट्रीज पहली बार आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी इसके जरिए 1200 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। आईपीओ 13 दिसंबर को खुलेगा और 15 दिसंबर को बंद हो जाएगा। एंकर निवेशकों के लिए ये आईपीओ एक दिन पहले 12 दिसंबर को एक दिन के लिए खुलेगा।

350 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी कंपनी

इस आईपीओ में डोम्स की ओर से 350 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे। जबकि इसके प्रमोटर्स की ओर से 850 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल होगा। इसमें एफआईएलए यानी फैब्रिका इटैलियाना लैपाइज्ड एफिनी 800 करोड़ रुपए के शेयर बेचेगी, जबकि प्रमोटर्स संजय मनसुखलाल राजानी और केतन मनसुखलाल राजानी 25-25 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे।

रिटेल इन्वेसटर्स के लिए 10 प्रतिशत शेयर रिजर्व

यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के तहत किया जा रहा है। इसमें 75 प्रतिशत क्वलिफाइन इंस्टिट्यूशनल बायर्स, 15 प्रतिशत नॉन-इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स और बाकि के 10 प्रतिशत रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए होगा।

लिस्ट होने वाली पहली कंपनी

डोम्स इंडस्ट्रीज पहली कंपनी होगी जो मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के टी-3 टाइमलाइन नियमों के मुताबिक लिस्ट होगी। इसके तहत आईपीओ लिस्टिंग के टाइम को 6 दिन से घटाकर 3 दिन कर दिया है। यानी अब आईपीओ इश्यू बंद होने के बाद शेयर मार्केट में कंपनियों के शेयर की लिस्टिंग 3 दिन में ही हो सकेगी। पहले ये 6 दिन में होती थी।

सेबी के इस फैसले से आईपीओ मार्केट में लिस्टिंग की प्रक्रिया तेज होगी और निवेशकों को लिस्टिंग के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही आईपीओ में शेयर अलॉट नहीं होने पर रिफंड भी जल्दी मिल सकेगा। यहां ञ्ञ इश्यू बंद होने की अंतिम तारीख है।

आईपीओ क्या होता है

जब कोई कंपनी पहली बार पब्लिक को अपने शेयर ऑफर करती है तो इसे आईपीओ , यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग कहा जाता है। जब कंपनियों को अपने बिजनेस के लिए फंड की जरूरत होती है तो ये हिस्सेदारी बेचकर खुद को स्टॉक मार्केट में लिस्ट करवाती हैं।

गुजरात की दो महिलाओं ने बताया पर्यावरण बचाने का तरीका, नीम की पत्तियों ओर गोमुत्र से बनाया जैविक खाद

नई दिल्ली ।
देसी परिधान पहनकर संगीताबेन राठौड़ और जसुमतिबेन जेठाबाई परमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शक्तिशाली पारंपरिक समाधानों के साथ यहां वैश्विक जलवायु सम्मेलन में दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। इससे पहले कभी अपने गृह राज्य गुजरात से बाहर नहीं निकलीं अरावली की राठौड़ और जेतापुर की परमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए व्यावहारिक समाधान पेश किए जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर धूम मचा रहे हैं।

अपने पारंपरिक ज्ञान के बलबूते वे नीम की पत्तियों और गौमूत्र का इस्तेमाल कर जैविक खाद एवं कीटनाशक बना रही हैं, जिसने न केवल वर्षों तक उनकी फसलों को बचाकर रखा है बल्कि पूरे भारत में महिला किसान इसे अपना रही हैं। इससे रासायनिक खाद का एक सतत विकल्प मिला है।

राठौड़ ने कहा, "मैंने जलवायु परिवर्तन के कारण भारी नुकसान झेलने के बाद स्थानीय समाधान की तलाश करने की ठानी। मुझे 2019 में 1.5 लाख रुपये से अधिक की गेहूं की फसल का नुकसान हुआ। उसके बाद हमने समस्या पर गौर करना शुरू किया और हमें पता चला कि बदलती जलवायु के कारण कीटों का हमला काफी ज्यादा बढ़ गया है और वाणिज्यिक कीटनाशकों का असर नहीं हो रहा है। इसके बाद हमने पारंपरिक समाधानों का रुख करने की सोची जिसका हमारे पूर्वज इस्तेमाल करते थे जिसमें नीम की पत्तियां और गौमूत्र शामिल है।

राठौड़ से यह पूछने पर कि वैश्विक मंच पर वह क्या उम्मीद कर रही हैं, इस पर उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करती हैं कि जो समाधान उन्होंने अपनाए हैं उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ साझा किया जाए और वार्ताकारों को इस बात का अहसास कराया जाए कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में महिलाओं पर क्या असर पड़ रहा है और हमें किस मदद की जरूरत है।

उनके साथ ही जसुमतिबेन ने कहा, "हमारी सरल प्रतीत होने वाली परंपराएं एक टिकाऊ भविष्य की कुंजी रखती हैं।" संगीताबेन और जसुमतिबेन ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के साथ भी अपने विचार साझा किए और जलवायु परिवर्तन के कारण भारतीय महिला कामगारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

स्वाश्रयी महिला सेवा संघ (सेवा) की निदेशक रीमा नानावती ने भी जलवायु परिवर्तन के कारण भारतीय महिला कामगारों के सामने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया। यहां वैश्विक जलवायु वार्ता में 198 देशों के 1,00,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह रहा 1.66 लाख करोड़ रुपये, एक लाख से अधिक कंपनियां स्वेच्छा से बाहर

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1 जुलाई, 2017 से लागू होने के बाद से जीएसटी संग्रह वार्षिक आधार पर बढ़ता दिख रहा है और चालू वित्त वर्ष में अब तक औसत सकल मासिक संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये है। लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह चालू वित्त वर्ष के हर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार रहा। अप्रैल, 2023 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। सीतारमण ने कहा कि 2020-21 में औसत मासिक संग्रह 94,734 करोड़ रुपये था। 2021-22 में औसत यह प्रतिमाह 1.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि भारत 'अमृत काल' (2047 तक) की शुरुआत में ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के 2027-28 में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी के साथ 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है। पांच वर्षों में एक लाख से अधिक कंपनियां कंपनी कानून के तहत स्वेच्छा से बाहर निकल गईं। इसके अलावा कई कंपनियों ने दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत स्वैच्छिक परिसमापन की मांग की है। एक प्रश्न के जवाब में कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान कंपनियों द्वारा स्वैच्छिक निकास के लिए लिया गया समय औसतन 6-8 महीने रहा। कुछ मामलों में यह 12-18 महीने के बीच रहा है।

सैम बहादुर के अभिनय पर मुग्ध सचिन ने साझा की विशेष पोस्ट

– देश के इतिहास का बेहतर प्रस्तुतिकरण

मुंबई (ईएमएस)। 1 दिसंबर को प्रसारित विक्की कौशल अभिनीत फिल्म सैम बहादुर देशप्रेम पर आधारित है। इसकी कहानी और विक्की की एक्टिंग व लुक को लोगों द्वारा बहुत पसंद आ रहा है। इस बीच मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने विक्की की प्रसंशा में ट्वीट करते हुए एक फोटो पोस्ट की, जिसमें सचिन व उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर, विक्की के साथ नजर आ रहे हैं। सचिन ने लिखा, सैम बहादुर शानदार फिल्म है जिसे सबको देखनी चाहिए। सभी पीढ़ी के लोग सैम बहादुर देखने के बाद अपने देश के इतिहास को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। साथ ही सैम मानेकशॉ ने त्याग को जान पाएंगे । क्रिकेट सम्राट सचिन से मिले प्रतिसाद से मुग्ध विक्की ने भी उनके लिए एक विशेष पोस्ट साझा किया। विक्की ने अपने इंस्टाग्राम पर सचिन के साथ एक तस्वीर शेयर की और लिखा, मेरे बचपन के हीरो ने आज मेरी फिल्म देखी, आई एम ओके, प्यार और रिव्यू के लिए सचिन सर को धन्यवाद। मैं आपके प्रोत्साहन के लिए कृतज्ञ रहूंगा। उल्लेखनीय है कि साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। डायरेक्टर मेघना गुलजार हैं। इसमें फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा, नीरज काबी, एडवर्ड सोनेनब्लिक और जीशान अय्यूब के भी खास रोल हैं।

एनिमल ने पहले दिन किया 61 करोड़ का कारोबार

-वर्ष की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बनी

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही रीलिज हुई बालीवुड फिल्म एनिमल को लेकर अनुमान लगाया जा रहा था कि यह पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 45-50 करोड़ का कारोबार करने में सफल होगी लेकिन इसने सब को पीछे छोड़ते हुए पहले दिन 61 करोड़ का कारोबार किया है। अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि एनिमल 3 दिन में 150 करोड़ के आंकड़े को पार करने में सफल हो जाएगी। लंबे इंतजार के बाद एनिमल फिल्म सिनेमाघरों में पहुंच चुकी है। रणबीर कपूर, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना व तृप्ति डिमरी जैसे सितारों से सजी फिल्म के लिए दर्शक जबरदस्त क्रेजी दिख रहे थे। फिल्म रिलीज होते ही यह बात भी साबित हो गई। थिएटर्स में लोग इसे देखने उमड़ पड़े। शानदार एडवांस बुकिंग के साथ सिनेमाघरों में टिकट विंडो पर लंबी-लंबी कतारें दिखीं। कबीर सिंह फेम संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। जानकारी के अनुसार एनिमल ने रिलीज के पहले दिन शुक्रवार (1 दिसंबर) को भारत में 61 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म के हिंदी वर्जन ने 50 करोड़ और तेलुगु में 10 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। इसके अलावा फिल्म के तमिल, मलयालम और कन्नड़ वर्जन ने मिलकर 1 करोड़ रुपए कलेक्ट किए हैं। एनिमल इस साल की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर बन गई। पहले नंबर पर शाहरुख खान की जवान है, जिसने 75 करोड़ रुपए के साथ खाता खोला था। पठान ने 57 करोड़ रुपए कमाए थे।

एनिमल के वर्ल्डवाइड यानी पूरी दुनिया को मिलाकर इसके कलेक्शन की बात करें तो इस गैंगस्टर थ्रिलर फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक एनिमल ने करीब 120 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। हालांकि सही आंकड़े इससे ज्यादा या कम भी हो सकते हैं। फिल्म ने पहले दिन उत्तरी अमेरिका में 2.5 मिलियन डॉलर की कमाई की है। इसी के साथ एनिमल रणबीर के करिअर की बिगेस्ट ओपनर भी बन गई है। इससे पहले ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 : शिवा ने ओपनिंग डे पर भारत में यानी डोमेस्टिक मार्केट में 36 करोड़ कलेक्ट किए थे और संजू ने 34.75 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ खाता खोला था। माना जा रहा है कि एनिमल वीकेंड पर छप्परफाड़ कमाई करेगी। यह इस साल थिएटर्स में तूफान लाने वाली पठान, गदर 2, जवान और टाइगर 3 से भी आगे निकल सकती है। फिल्म को सेंसर बोर्ड की तरफ से ए सर्टिफिकेट मिला है। बता दें कि टी सीरीज द्वारा निर्मित और संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर तमाम प्रकार की उम्मीदों से परे जाते हुए रिकॉर्ड तोड़ शुरूआत की है।

म्यूजियम गाला में दीपिका पादुकोण की प्रभावी प्रस्तुति

मुंबई (ईएमएस)। लॉस एंजिल्स के एकेडमी म्यूजियम गाला में दीपिका पादुकोण ने प्रभावी प्रस्तुति दी । इस इवेंट में आमंत्रित होने वाली वह पहली भारतीय स्टार हैं। एकेडमी म्यूजियम गाला ऑस्कर के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्टेज है जिसे एक ही बोर्ड द्वारा आयोजित किया जाता है। इस साल की शुरूआत में दीपिका को ऑस्कर में इंडियन सॉन्ग एक्ट के लिए स्टेज पर देखा गया था। दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने डार्क पर्पल वेलवेट फ्लोर-स्वीपिंग गाउन पहना हुआ था। उन्होंने इवेंट के लिए अपने लुक को डायमंड से पूरा किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो, दीपिका के लिए पठान और जवान के साथ एक शानदार साल रहा। वह जल्द ही ऋतिक रोशन और अनिल कपूर के साथ फाइटर में नजर आएंगी। दीपिका के पास प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ कल्कि 2898 एडी भी है।

पावर स्टार पवन सिंह फिर लेकर आए लॉलीपॉप, नया गाना रिलीज

भोजपुरी का चार्टबस्टर गाना लॉलीपॉप से तहलका मचाने के बाद पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर से लॉलीपॉप लेकर आ गए हैं, जो रिलीज के साथ ही धमाल मचाने को तैयार है। पवन सिंह के इस गाने का टाइटल 'सुन मेरी लॉलीपॉप...' रिलीज होते ही सोशलमीडिया पर लाखों के व्यूज मिल चुके है। गाना 'सुन मेरी लॉलीपॉप'...' को पवन सिंह ने शिवानी सिंह के साथ मिलकर गया है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। गाने में एक बार फिर से पवन सिंह का जादू चल रहा है। गाना 'सुन मेरी लॉलीपॉप' यशी फिल्म्स से रिलीज किया गया है। यशी फिल्म्स हमेशा अपने कंटेंट को लेकर ऑडियंस के बीच लोकप्रिय रही है। पवन सिंह ने कहा कि यह गाना बेहद अलग और नया है। मैं चाहूंगा कि जिस तरह से मेरे पिछले गाने 'लॉलीपॉप लागेलू' को आप सबों ने खूब प्यार और आशीर्वाद दिया। इस तरह मेरे इस नए गाने सुन मेरी लॉलीपॉप को भी आपका खूब समर्थन मिले, यही मेरी कामना है। पवन सिंह ने कहा कि गाना 'सुन मेरी लॉलीपॉप' को नए अंदाज में बनाया गया है, जो हर वर्ग के दर्शकों को पसंद आने वाला है। इसका एक ग्लोबल इंपैक्ट भी नजर आए, हमने यह भी कोशिश की है। पवन सिंह ने शिवानी सिंह की भी तारीफ की और कहा कि भोजपुरी में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और नई प्रतिभाओं के साथ करने का अनुभव बेहद खास हो जाता है। रजनीश मिश्रा के बारे में उन्होंने कहा कि वह इंडस्ट्री के लीजेंडरी संगीतकार हैं। उनके साथ यह गाना कर बेहद मजा आया। उम्मीद करता हूं कि हमारी केमिस्ट्री सभी को भाएगी। उल्लेखनीय कि यशी फिल्म्स से रिलीज गाना 'सुन मेरी लॉलीपॉप...' के संगीतकार रजनीश मिश्रा और गीतकार छोटू यादव हैं। इस गाने को पावर स्टार पवन सिंह ने शिवानी सिंह के साथ मिलकर गया है।

'कॉफी विद करण' में शाहरुख के आने पर बोले करण- वह टॉक शो में आने से कभी इनकार नहीं करते

बॉलीवुड प्रोड्यूसर करण जौहर इन दिनों अपने 'कॉफी विद करण' के आठवें सीजन को लेकर सुर्खियों में हैं। करण के शो पर कई सेलिब्रिटीज आ चुके हैं। हालांकि, करण के हर सीजन में नजर आने वाले शाहरुख खान को दर्शक मिस कर रहे हैं। अफवाह थी कि आठवें सीजन में शाहरुख खान भी नजर आएंगे, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आने से फैंस असमंजस में हैं। कोविड के बाद से शाहरुख करण जौहर के टॉक शो में नजर नहीं आए हैं। शाहरुख आखिरी बार आलिया भट्ट के साथ फिल्म 'डियर जिंदगी' की स्क्रीनिंग के दौरान शो पर आए थे। इसके बाद से ही दर्शक शाहरुख के नए एपिसोड का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में करण जौहर ने भी इसे लेकर एक कमेंट किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शाहरुख उनका परिवार हैं और वह कभी भी उनके टॉक शो में आने से इनकार नहीं करते हैं। करण ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है, शाहरुख एकमात्र ऐसे मेगास्टार हैं, जिन्होंने अपनी मर्जी से बातचीत करने का अधिकार हासिल है। मुझे और उनके कई करीबी दोस्तों और परिवार को इसे दिल से लेना चाहिए। वह मेरे परिवार का हिस्सा हैं, अगर मैं कभी उनसे इंटरव्यू के लिए पूछूं तो वह कभी ना नहीं कहते, इसलिए मैं उनसे कभी नहीं पूछता, क्योंकि मैं उन्हें ऐसी स्थिति में नहीं देखना चाहता, जहां उन्हें मुझे ना कहना पड़े।' करण ने आगे कहा, 'शाहरुख मेरी दुनिया हैं, मेरे बड़े भाई हैं। सही समय आने पर मैं उनसे इंटरव्यू के लिए जरूर पूछूंगा और वह जब चाहें मुझसे जरूर बात करेंगे।" वह जब भी किसी मंच पर बोलते हैं तो हर कोई उनके अंदर के शब्दों के जादूगर को सुनना चाहता है। वह न सिर्फ ऑनस्क्रीन बल्कि ऑफ स्क्रीन भी किंग हैं।' 'कॉफी विद करण' में शाहरुख के आने के बारे में करण ने कहा, 'मैं शो में शाहरुख को कभी मिस नहीं करता क्योंकि मैं हर दिन उनके साथ हर रात 'कॉफी विद करण' करता हूं।

लोकसभा चुनाव लडने के मूड में नहीं किरण खेर

बालीवुड एक्ट्रेस किरण खेर चंडीगढ़ से दो बार लोकसभा का चुनाव लडकर सांसद रह चुकी हैं। किरण इस बार चुनाव लड़ने के मूड में नहीं हैं। मालूम हो कि लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियों ने जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। दरअसल, पिछले 10 सालों से सांसद के तौर पर काम कर रहीं किरण खेर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इसके साथ ही स्थानीय लोगों का आरोप है कि चंडीगढ़ की सांसद किरण खेर कभी भी आम लोगों की समस्याएं सुनने के लिए फील्ड में नजर नहीं आती हैं। अब ऐसे में बीजेपी किरण खेर की जगह किसी नए चेहरे को चुनाव मैदान में उतारने की सोच रही है। खबरें हैं कि इस बार हिमाचल की रहने वाली और फेमस एक्ट्रेस कंगना रनौत को चंडीगढ़ लोकसभा सीट से मैदान में उतारने की तैयारी हो रही है। वहीं अब इन खबरों पर कंगना रनौत ने चुप्पी तोड़ दी है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा- मेरे रिश्तेदार और दोस्त मुझे यह मानकर भेज रहे हैं कि हेडलाइन मैंने दी है लेकिन यह हेडलाइन और खबर मेरे द्वारा नहीं दी गई है।

यूट्यूबर सनी आर्या हो जाएंगे बेघर

कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 17 में जहां एक तरफ इस वीकेंड के वार को सलमान खान की जगह करण जौहर होस्ट कर रहे हैं, वहीं एक मजेदार ट्विस्ट भी देखने को मिलेगा। फेमस यूट्यूबर सनी आर्या उर्फ तहलका से बेघर हो जाएंगे। शो का एक प्रोमो सामने आया जिसमें अभिषेक और सनी आर्या में काफी बड़ा झगड़ा देखने को मिला था।इस झगड़े में तहलका ने अपना आपा खोते हुए अभिषेक के साथ हाथापाई करने की कोशिश की। पहले उन्होंने अभिषेक की टी-शर्ट खींची और फिर उसे धक्का भी दिया था।सनी आर्या के इस बेहिवियर पर अब बिग बॉस ने बड़ा फैसला ले लिया है।बिग बॉस फेन पेज बिग बॉस तक के मुताबिक तहलका को उनके फिजिक्ल होने की वजह से शो से बाहर कर दिया गया है। बिग बॉस से जुड़े एक पेज ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बता दें कि कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 17 में इस समय खूब धमाल देखने को मिल रहा है। वहीं वीकेंड के वार में एक बड़ा धमाका होने वाला है।

सैम बहादुर देख इमोशनल हुई फील्ड मार्शल की बेटी

बालीवुड फिल्म सैम बहादुर रिलीज हो गई है। देश के विभिन्न सिनेमाघरों में यह फिल्म अच्छा कारोबार कर रही है। फिल्म को देखकर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की बेटी इमोशनल हो गई और अपने आंसूओं पर कंट्रोल नहीं रख पाई। मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। एक बातचीत में सैम मानेकशॉ की बेटी माया ने अपने पिता की बायोपिक पर प्रतिक्रिया दी है। इसके अलावा माया मानेकशॉ ने विक्की कौशल के अभिनय की तारीफ की है। एक इंटरव्यू के दौरान सैम मानेकशॉ की बेटी माया ने कहा कि वे अपने पिता की कहानी दिखाए जाने पर गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा-मैं अपने पिता की बायोपिक देख कर गर्व महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने सैम बहादुर फिल्म दो बार देखी है। इस फिल्म को देख कर मैं अपने आंसुओं को नहीं रोक पाई। फिल्म में कई सीन ऐसे है, जिसे देखकर मैं बहुत ज्यादा भावुक हो गई हूं।

फिल्म 'फाइटर' से दीपिका पादुकोण के शानदार लुक की झलक आई सामने

फिल्म फाइटर वर्ष 2024 की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। हाल में इस फिल्म से ऋतिक रोशन का बहुप्रतीक्षित लुक सामने आया था। अब मेकर्स ने दर्शकों को फिल्म में दीपिका पादुकोण के एक्सक्लूसिव लुक की झलक भी दे दी है। फिल्म फाइटर से स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ के रूप में दीपिका का लुक सामने आ गया है, जिन्हें उनके कॉल साइन मिन्नी के नाम से भी जाना जाता है। एयर ड्रैगन्स यूनिट में एक स्क्वाड्रन पायलट के रूप में उनकी भूमिका है। यह एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में उनका पहला 'मिशन' है। स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ का किरदार फाइटर में साहस, दृढ़ संकल्प और एक मजबूत भावना वाला है। उसकी कहानी फिल्म में एक ऐसी नारीत्व की तस्वीर है, जो नई चुनौतियों का सामना करती है, मानदंडों को फिर से परिभाषित करती और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। फिल्म 'फाइटर' एक आम फिल्म से अलग है। इसकी कहानी कुछ अलग ढंग से बनाई गयी है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में और वायाकॉम18 स्टूडियो व मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के साथ बनी यह फिल्म एक्शन और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करेगी। फाइटर 75वें गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व 25 जनवरी 2024 को रिलीज हो रही है।

फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग के दौरान अजय देवगन को लगी चोट

कॉप यूनिवर्स में रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म 'सिंघम अगेन' की खूब चर्चा हो रही है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अजय देवगन और करीना कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा इस फिल्म में अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी नजर आएंगे। करीना ने अपने पोस्ट में शेयर किया था कि बीच में फिल्म का एक जबरदस्त एक्शन सीन शूट किया गया था। अब 'सिंघम अगेन' के सेट से एक बुरी खबर सामने आई है। मुंबई के विले पार्ले में 'सिंघम अगेन' के एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान अजय देवगन की आंख में चोट लग गई। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा एक एक्शन कॉम्बैट सीक्वेंस को फिल्माते समय हुआ। यह भी कहा जा रहा है कि इलाज के लिए कुछ समय की छुट्टी लेने के बाद अजय ने फिर से शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म के जरिए दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर भी कॉप यूनिवर्स से जुड़ेंगे। कुछ दिनों पहले इस फिल्म से दीपिका, रणवीर और टाइगर का डरावना लुक सामने आया था। इसके बाद रोहित शेट्टी ने अजय देवगन का लुक भी शेयर किया था जो काफी चर्चा में रहा था। फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और यशराज स्टूडियो, मुंबई और हैदराबाद में शूटिंग पूरी हो चुकी है। साथ ही फिल्म का क्लाइमेक्स भी जल्द ही शूट किया जाएगा, जिस पर 25 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम खर्च की जाएगी। "सिंघम अगेन" 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी। इसी दिन अल्लू अर्जुन की "पुष्पा-2" भी रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज डेट टलने पर अभी तक किसी निमार्ता ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

सूडोकु नवताल- 6633

★★★ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6632 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7380

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	र्निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

शब्दजाल में दस पर्यटन स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ताजमहल,लालकिला,कुतुबमीनार,जंतर मंतर,इंडिया गेट, हवा महल, गेटवे ऑफ इंडिया,डलझील,विवेकानंद स्मारक, रणथम्भौर

शब्दजाल - 7379 का हल

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढा	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6333

	1	3			2	4
	34	6	33	1	33	7
7	5			6		
	29	2	31		31	5
	4		5	3		1
3	30		37		33	
	1	5			7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6332 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	34	6	30	5
5	6	7	1	2	3	4
4	30	2	25	1	34	6
1	2	3	4	5	6	7
6	36	6	34	4	31	3
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

रिंकू के आक्रामक और निडरता से प्रभावित हूं: श्रीसंत

विशाखापत्तनम।

रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारतीय पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है।

उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है। मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इस 240 तक रोक दिया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया। निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की।

श्रीसंत ने कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए। श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी 20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया।

हालाँकि,39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं।

न्यूज ब्रीफ

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भुवनेश्वर को न लेने पर आरपी सिंह हुए नाराज

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर को न लेने पर पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह बेहद नाराज हैं।

गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी गई है। स्क्वॉड में अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों को मौका मिला है। टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल के पास होगी। टीम सेलेक्शन के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह एक तेज गेंदबाज को मौका नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि भुवनेश्वर कुमार को मौका जरूर मिलना चाहिए था। आरपी सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैं ये देख कर हैरान हूं कि भुवनेश्वर कुमार साउथ अफ्रीका के खिलाफ वाइट बॉल गेम का हिस्सा नहीं हैं। मैंने इस सीजन उनके प्रदर्शन को करीब से देखा है। वह शानदार लय और जोश में दिखाई दे रहे हैं। यहां गौश्रतलब है कि भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी मैच 22 नवंबर 2022 को खेला था। यह एक टी20 मैच था जो न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। भूवी ने इस मैच में 4 ओवर डालते हुए 35 रन दिए थे। सेलेक्टर्स ने उन्हें इस टी20 सीरीज के बाद फिर कभी मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी टेस्ट साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उनकी वापसी की उम्मीद भी अब काफी कम है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया : ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर शामिल हैं।

टॉटैनहेम हॉटस्पर ने मैनचेस्टर सिटी को जीत से रोका, 3-3 से ड्रॉ रहा मैच; रेफरी पर भड़के हालैंड

नई दिल्ली । गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी का टॉटैनहेम हॉटस्पर के खिलाफ मैच एतिहाद स्टेडियम में 3-3 से बराबरी पर छूटा। सिटी के स्टार एर्लिंग हालैंड मैच के अंत में रेफरी के पेनाल्टी न दिए जाने पर काफी आग-बबूला हो गए। स्टापेज टाइम में रेफरी साइमन हूपर ने जैक ग्रीलिश को पेनाल्टी नहीं दी दी थी। इस पर रेफरी ने हालैंड को चेतावनी भी दी है। दरअसल, हालैंड को टॉटैनहम के रक्षक खिलाड़ी रॉयल एमर्सन ने गिरा दिया था। अंतिम क्षणों में सिटी निर्णायक गोल के लिए प्रयास कर रही थी। जब लग रहा था कि अब सिटी को पेनाल्टी मिलेगी तभी रेफरी ने मैच समाप्ति की लंबी सीटी बजा दी। इस पर हालैंड ही नहीं सिटी के समर्थक भी भड़क गए थे। मैच में सिटी दो बार बढ़त बनाने के करीब आई। छठे मिनट में टॉटैनहम के सोन ह्यूंग मिन ने गोल किया लेकिन तीन मिनट बाद उनके आत्मघाती गोल से सिटी ने बराबरी कर ली।

टीम इंडिया ने 2001 में भी किया था दक्षिण अफ्रीका का दौरा, हुआ था भयंकर विवाद, छह प्लेयर्स पर लगे थे बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप

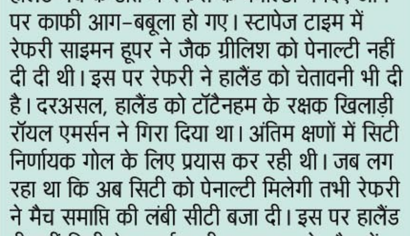

नई दिल्ली । भारतीय टीम तीन टी20आई, तीन वनडे और दो टेस्ट की सीरीज के लिए इसी माह दक्षिण अफ्रीका का दौरा करने वाली है। लेकिन 2001 का वह दौरा कभी नहीं भुलाया जा सकता है, जब भारतीय टीम के छह प्लेयर्स पर बॉल टेम्परिंग सहित कई गंभीर आरोप लगे थे। हालांकि दोनों टीमों के बीच अब तक 42 टेस्ट खेले गए हैं जिसमें भारत ने 15 में जीत हासिल की है जबकि 17 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी मैदान पर भारत का टेस्ट रिकॉर्ड बेहद खराब है और टीम वहां खेले गए 23 टेस्ट में से महज 3 में ही जीत हासिल कर पाई है। 12 टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली है जबकि सात ड्रॉ रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच के क्रिकेट रिश्ते वैसे तो सौहार्दपूर्ण रहे हैं लेकिन वर्ष 2001 में इसमें बड़ा 'भूचाल' आया था। इसे क्रिकेट जगत में 'माइक डेनेस विवाद' के नाम से जाना जाता है।

नीरज ने बुमराह को दी रफ्तार बढ़ाने की सलाह

तरीका भी बताया ; विश्व कप फाइनल को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली ।

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को क्रिकेट में भी काफी रुचि है। वह हाल ही में हुए विश्व कप फाइनल को देखने के लिए अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। हालांकि, उस मैच में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उस मैच के दो हफ्ते बाद नीरज चोपड़ा ने क्रिकेट के कई पहलुओं को लेकर बयान दिया है। उन्होंने अपने पसंदीदा पेसर का नाम लिया है। नीरज ने उस पेसर को अपनी स्पीड और बढ़ाने के लिए सलाह भी दी है। उन्होंने जेवलिन थ्रो के अनुभव को बताते हुए उस पेसर को गति बढ़ाने की सलाह दी।

नीरज के पसंदीदा तेज गेंदबाज हैं बुमराह – टोक्यो ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने जसप्रीत बुमराह को अपना पसंदीदा तेज गेंदबाज बताया है। नीरज ने कहा– मुझे बुमराह पसंद हैं। उनकी बॉलिंग एक्शन यूनिक है। मुझे लगता कि बुमराह अपना रन अप लंबा करना चाहिए ताकि उनकी गति बढ़े। यह मैं अपने जेवलिन थ्रो के अनुभव से बता रहा हूं। हम अक्सर बात करते हैं कि गेंदबाजों को किस प्रकार गति बढ़ानी चाहिए। अगर वह थोड़ा पीछे से अपना रन अप लें तो यह संभव है। मुझे बुमराह का स्टाइल पसंद है।

नीरज की नजर फिलहाल 2024 ओलंपिक पर – बुमराह भारत के सबसे बेहतरीन पेसर्स में से एक हैं। वह फिलहाल तीनों प्रारूप में टीम इंडिया के

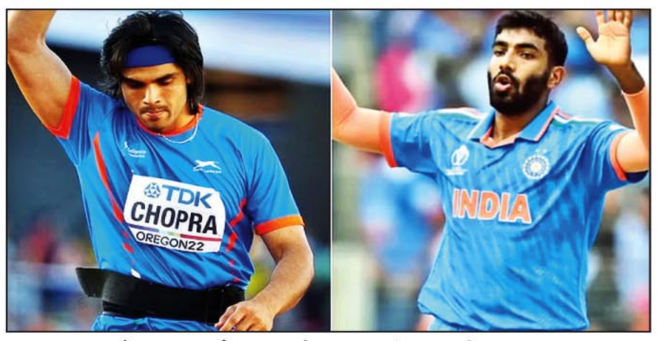

स्ट्राइक बॉलर हैं। 29 साल के बुमराह ने अब तक 30 टेस्ट में 128 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 62 टी20 में 74 विकेट लिए हैं। नीरज की बात करें तो 2023 उनके लिए शानदार रहा था। वह विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज भारत के महान एथलीट्स में से एक हैं। एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज का अगला बड़ा असाइनमेंट 2024 पेरिस ओलंपिक है।

विश्व कप फाइनल में टीवी पर नहीं दिखने पर नीरज का बयान – नीरज चोपड़ा क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उपस्थित थे। जब नीरज से पूछा गया कि टीवी पर प्रसारण के दौरान उन्हें विशाल टीवी स्क्रीन या टेलीविजन पर नहीं दिखाया है, जबकि कई मशहूर हस्तियों को कैमरे पर दिखाया गया तो जवाब में नीरज ने कहा कि वह कैमरे द्वारा उन्हें दिखाए जाने के बारे में नहीं सोच रहे थे और उन्होंने प्रसारकों से डायमंड लीग जैसे आयोजनों को सही तरीके से दिखाने का अनुरोध किया।

टीवी प्रसारकों से नीरज की अपील – उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि जब मैं परफॉर्म करूं तो वे मुझे ठीक तरीके से दिखाएं। जब मैं डायमंड लीग में हिस्सा लेता हूं तो वे इसे ठीक से प्रसारित नहीं करते हैं। वो चीज है असली। उस समय प्रसारक केवल हाइलाइट्स दिखाते हैं। मैं सिर्फ मैच देखने के लिए अहमदाबाद गया था और मैंने इसका पूरा लुत्फ उठाया। अगर भारत जीतता तो निश्चित तौर पर मुझे अधिक मजा आता, लेकिन मैंने स्टैंड में अच्छा समय बिताया। मैं कभी नहीं चाहता था कि कैमरा मेरी तरफ आए, यह विचार मेरे दिमाग में भी नहीं आया।

पिस्टल का सिलेंडर फटा, शूटर ने अंगूठा गंवाया; राष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी कर रहा था निशानेबाज

नई दिल्ली । राष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे निशानेबाज की पिस्टल का सिलेंडर हवा भरने के दौरान फट गया। इस दर्दनाक हादसे में निशानेबाज को अपने बाएं हाथ के अंगूठे का ऊपरी हिस्सा गंवाना पड़ा। एयरफोर्स के निशानेबाज पुष्पेंद्र कुमार को सेना के आरएंडआर अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनकी सर्जरी कर दी गई है, लेकिन भोपाल में चल रही राष्ट्रीय चैंपियनशिप में वह नहीं खेल पाएंगे। उनका मुकाबला निर्धारित है। पुष्पेंद्र चैंपियनशिप के लिए फरीदाबाद की एक निजी शूटिंग रेंज में तैयारी कर रहे थे। बीते उनके पिस्टल के सिलेंडर में हवा खत्म हो गई। उन्होंने पिस्टल के सिलेंडर में हवा भरने के लिए बड़े सिलेंडर में लगाया। इसके बाद पिस्टल का सिलेंडर फट गया। उनके भारतीय शूटिंग टीम के एक कोच का कहना है कि उन्होंने आज तक पिस्टल सिलेंडर फटने की घटना नहीं सुनी। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। निशानेबाज की जान भी जा सकती थी। पिस्टल का सिलेंडर छोटे एलपीजी सिलेंडर जैसी ताकत रखता है। निशाना लगाने के दौरान ट्रिगर दबाने पर सिलेंडर में भरी हवा केदबाव से गोली पिस्टल से निकलती है। कुछ निशाने लगाने के बाद सिलेंडर में हवा भरानी पड़ती है।

रोहित शर्मा के बाद कौन बनेगा भारतीय टीम का टेस्ट कप्तान पूर्व क्रिकेटर ने इस खिलाड़ी को बताया सबसे मजबूत दावेदार

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। रोहित शर्मा इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया कि अगर रोहित शर्मा कप्तानी छोड़ने का फैसला करते हैं तो उनकी जगह कौन अगला टेस्ट कप्तान बन सकता है।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक शुभमन गिल और रिषभ पंत टेस्ट कप्तानी की रेस में सबसे आगे हैं। गिल तो दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा हैं जबकि रिषभ पंत पिछले साल दिसंबर में लगी गंभीर चोट से उबरने में जुटे हुए हैं और उनकी वापसी का समय अब तक तय नहीं हुआ है।

आकाश चोपड़ा ने क्या कहा

चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया कि रोहित शर्मा के बाद अगला भारतीय टेस्ट कप्तान कौन हो सकता है।

कप्तानी का अनुभव

24 साल के शुभमन गिल ने अब तक किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी नहीं की है। हालांकि, शुभमन गिल को गुजरात टाइटंस ने आगामी सीजन के लिए अपना कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, रिषभ पंत ने पांच टी20 इंटरनेशनल मैच और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की है। मगर टेस्ट क्रिकेट में पंत को भी कप्तानी का अनुभव नहीं है।

सीरीज जीत नहीं होगी आसान

आकाश चोपड़ा ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आगामी टेस्ट सीरीज पर भी अपनी राय प्रकट की। भारत ने दक्षिण अफ्रीका में कभी टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। क्या आगामी टेस्ट सीरीज में भारत इतिहास रचेगा इस पर चोपड़ा ने कहा कि यह बिलकुल आसान नहीं होगा।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले क्विंटन डिकॉक लेना चाहते थे संन्यास, फिर कैसे बदला अपना मन; कोच ने बताई पूरी कहानी

नई दिल्ली।

भारत के खिलाफ आगामी सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका के सफेद बॉल के कोच रॉब वॉल्टर ने एक बड़ा खुलासा किया है। रॉब ने बताया कि क्विंटन डिकॉक वनडे के साथ टी20 फॉर्मेट से संन्यास लेना चाहते थे, लेकिन टीम मैनेजमेंट से हुई बातचीत के बाद उन्होंने अपना मन बदला और अब वह भारत के खिलाफ आगामी सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे।

दरअसल, क्विंटन डि कॉक ने विश्व कप 2023 के शुरू होने से पहले ही 50 ओवर फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। उन्होंने बताया था कि वनडे फॉर्मेट में ये उनका आखिरी टूर्नामेंट होने वाला है। बीते दिन साउथ अफ्रीका की टीम का एलान हुआ।

इस दौरान कोच रॉब वॉल्टर ने सीमित ने बताया कि किंटन डिकॉक 2023 वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट से संन्यास लेना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि वह इस फैसले को अभी टाल दे। उनके पास बिग बैश में खेलने का मौका है, जो भारत के खिलाफ सीरीज से टकरा रही है, लेकिन उन्हें खेल में बनाए रखने के लिए हमने ये फैसला लिया।

वर्ल्ड कप 2023 में क्विंटन डिकॉक का जमकर गरजा था बल्ला

बता दें कि डिकॉक ने वनडे विश्व कप 2023 (वर्ल्ड कप 2023) में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके बल्ले से 10 मैचों में कुल 594 रन निकले। वह साउथ अफ्रीका के लिए टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर रहे थे। उनके दम पर साउथ अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल तक का सफर तय कर पाई थी। डि कॉक को भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए टेम्बा बावुमा के साथ आराम मिला है।

पाकिस्तान विमेंस टीम पहली बार न्यूजीलैंड से टी–20 सीरीज जीती दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 10 रन से हराया; आलिया प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली।

पाकिस्तान विमेंस क्रिकेट टीम ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मैच में न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम को 10 रन से हरा दिया। इस सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इसी के साथ पाक टीम सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। सीरीज में इस बढ़त के साथ टीम ने एक उपलब्धि हासिल कर ली। पाक पहली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती।

वहीं यह एशिया और आयरलैंड के बाहर पाकिस्तान की पहली टी–20 इंटरनेशनल सीरीज जीत है। टीम को पांच साल बाद घर से बाहर टी–20 सीरीज जितने में कामयाबी मिली है। टीम ने इससे पहले 2018 में आखिरी बार घर के बाहर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज जीती थी।

पहले बैटिंग करते हुए पाक टीम ने 137 रन बनाए

दूसरे मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 137 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड सात विकेट खोकर 127 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की इस जीत में आलिया रियाज और फातिमा सना ने अहम भूमिका निभाई। टीम के लिए मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 28 गेंदों पर 35 रन की पारी खेली। उनके अलावा आलिया ने 22 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए। न्यूजीलैंड टीम की तरफ से फ्रान

जोनास और मॉली पेनफोल्ड ने 2–2 विकेट लिए।

फातिमा सना ने 3 विकेट लिए

पाकिस्तान से मिले 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में सूजी बेट्स, सोफी डिवाइन समेत 4 विकेट गंवाए। हन्ना रोवे ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। जॉर्जिया प्लिमर ने 28 गेंदों में 28 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई भी खिलाड़ी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। पाकिस्तानी के लिए फातिमा सना ने 3 विकेट लिए, तो वहीं सादिया इकबाल ने दो विकेट लिए। निदा डार को एक विकेट मिला।

क्या आपने कभी किसी को डेट किया है भारतीय स्टार एथलीट पीवी सिंधू ने इस सवाल पर दिया मजेदार जवाब

नई दिल्ली।

पीवी सिंधू एक ऐसा नाम है जिसे किसी परिचय की जरूरत नहीं है। इस शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने भारत को ओलंपिक समेत कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार दिलाए हैं। इनमें दो ओलंपिक पदक, एक विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण के अलावा एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक शामिल हैं। 28 साल की उम्र में पीवी सिंधू के सामने कई और वर्षों का गेम-टाइम है। उनका अगला लक्ष्य 2024 पेरिस ओलंपिक है।

और इस मेगा इवेंट से पहले उन्होंने बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण के साथ अपने मेंटर के रूप में जोड़ी बनाई है। पीवी सिंधू पिछले कुछ समय से कोर्ट पर जूझ रही हैं, लेकिन उन्हें मजबूत

वापसी का भरोसा है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में पीवी सिंधू को कोर्ट से दूर अपने निजी जीवन पर सवालों का सामना करना पड़ा। अपने रिलेशनशिप स्टेटस की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर, पीवी सिंधू ने जवाब दिया– मैं अभी सिंगल हूं। उन्होंने कहा, अभी मेरे लिए सिर्फ लक्ष्य बैडमिंटन है। मेरा अंतिम लक्ष्य ओलंपिक है। यह पूछे जाने पर कि क्या आप कोई पार्टनर बनाना चाहती हैं पीवी सिंधू ने जवाब दिया– मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा है। हां, सभी लोगों की तरह मुझे भी एक अच्छे पार्टनर की जरूर है। यह नियति है, यहां जो कुछ भी लिखा है वह पूरा होकर रहेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या आपने किसी को डेट किया है पीवी सिंधू ने जवाब दिया– नहीं, सच में नहीं। इसके बारे में कुछ भी अच्छा या बुरा नहीं है। जिंदगी में कई दिक्कतें हैं। अगर ऐसा होना है तो होगा ही। तीसरे ओलंपिक पदक पर नजरें टिकाए बैठीं सिंधू पेरिस खेलों की तैयारियों के लिए अब हैदराबाद से बंगलूरू जाकर दिग्गज खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग करेंगी। सिंधू ने सितंबर में पादुकोण के मार्गदर्शन में एक सप्ताह तक काम किया था और एशियाई खेलों से पहले उन्होंने संकेत दिए थे कि वह उनके मार्गदर्शन में ट्रेनिंग करेंगी। बाएं घुटने में चोट से जूझ रही 28 साल की इस खिलाड़ी ने आखिरकार सोशल मीडिया पोस्ट में इस फैसले का खुलासा किया था। उन्होंने लिखा था– जो लोग सोच रहे हैं और लगातार मुझसे पूछ रहे हैं वह बात सच होने जा रही है। सिंधू ने कहा– प्रकाश सर मेरे सेटअप में मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। मैंने अगस्त के अंत में उनके साथ ट्रेनिंग शुरू की थी और तब से काफी कुछ अच्छा रहा है। वह एक मेंटर से बढ़कर हैं। वह मेरे मार्गदर्शक हैं, मेरे गुरु हैं और सबसे ज्यादा एक सच्चे दोस्त हैं। मैं पूरे दिल से मानती हूं कि उनके पास मुझसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने का जादू है। मैं बहुत आभारी हूं कि जब मैं जापान में थी तो उन्होंने मुझे कॉल कर मुझसे बातचीत की। तब से हमारे बीच बेहतर संबंध रहे हैं। मैं प्रकाश सर के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं!! उनके साथ ट्रेनिंग करने के लिए उत्सुक हूं! फरवरी में सिंधू कोरियाई कोच पार्क ताए–सांग से अलग हो गई थीं, जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हैदराबाद की इस बैडमिंटन खिलाड़ी ने साई कोच विधि चौधरी के साथ कुछ समय तक काम किया और इसके बाद मलेशिया के पूर्व ऑल इंग्लैंड राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन मोहम्मद हाफिज हाशिम को अपना ट्रैवल कोच नियुक्त किया था। बाएं घुटने में दर्द से उबरने के बाद सिंधू ने 10वें स्थान का चयन किया है जो उनके उबरने तक बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में बनी रहेगी।

उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी और वह 26 अक्तूबर को फ्रेंच ओपन में थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग के खिलाफ दूसरे दौर के महिला एकल मैच के दौरान हट गई थीं। प्रकाश दिग्गज बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के पिता हैं। उनके अलावा पुलेला गोपीचंद भी पीवी सिंधू को गाइड कर रहे हैं।

ब्यूटी टिप्स

3 महीने पहले शुरू करें शादी में खूबसूरत दिखने की तैयारी

दुल्हन, उसकी बहन व सहेलियों को शादी के दिन खूबसूरत नजर आने के लिए जरूरी है कि वो अपनी प्लानिंग तीन महीने पहले से ही शुरू कर दें। तभी उसका निखार शादी वाले दिन नजर आ सकता है।

चाहे दुल्हन हो, दूल्हे-दुल्हन की बहन या सहेली हो, शादी के दिन हर कोई अपने आप में सबसे खूबसूरत नजर आना चाहता है, खासतौर पर दुल्हन। यह दिन सबसे खास होता है, इसलिए जरूरी है कि वो अपने सुंदर दिखने की तैयारी पहले से शुरू कर दें। तभी उसका निखार शादी वाले दिन नजर आ पाता है। इस बारे में ब्यूटी एक्सपर्ट मेघा का कहना है कि शादी का दिन दुल्हन के लिए काफी खास होता है, तो उन्हें खूबसूरत नजर आने के लिए 3 महीने पहले से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए ताकि दुल्हन की त्वचा में आंतरिक निखार आ सके। इसके अलावा दुल्हन को 3 महीने पहले से प्री ब्राइडल पैकेज लेना चाहिए। दुल्हन की बहन, सहेलियां और अन्य घर वाले 1 महीने पहले से ब्यूटी पैकेज ले सकते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखना आवश्यक है-

डिटॉक्स डाइट प्लान करें

दुल्हन, उसकी बहन या सखी को खूबसूरत नजर आने के लिए डिटॉक्स डाइट भी बहुत जरूरी है। यह आपकी खूबसूरती में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए शादी के एक महीने पहले से डिटॉक्सीफाई डाइट की शुरुआत करें। इसके लिए नारियल पानी, हरे पत्ते वाला सलाद, खीरा और टमाटर आदि का सलाद, फलों का सलाद, सूप और ज्यादा पानी पिएं। ब्रोकली, टमाटर, प्याज, लहसुन, संतरा, अदरक, नींबू, मौसमी, ग्रीन टी, गाजर, फूलगोभी और चुकंदर, आदि का प्रयोग करें। जोकि शरीर को डिटॉक्स करने का सबसे अच्छा तरीका है।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

खूबसूरत त्वचा के लिए त्वचा को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि पानी खूब पिएं। दिनभर में 4 से 5 लीटर तक पानी पिएं और लिक्विड डाइट लें।

रिच डाइट

शादी के दिन खूबसूरत नजर आने के लिए ब्यूटी डाइट लें। जिसे हम सुपर फूड भी कहते हैं, जैसे कि अखरोट, विटामिन सी से भरपूर स्ट्राबेरी, बींस, दही, मशरूम और पिस्ता आदि लें।

प्री ब्राइडल पैकेज लें

दुल्हन को शादी के 3 महीने पहले से ही प्री ब्राइडल पैकेज लेना शुरू कर देना चाहिए, जिसमें शुरुआत में आपके त्वचा की जरूरत को देखते हुए आपको क्लीजिंग व कुछ दिनों के अंतराल में फेशियल्स दिए जाएंगे। फेशियल के अलावा आपको हेयर स्पा, मैनीक्योर-पेडिक्योर दिया जाएगा। शादी के पहले की आखिरी सिटिंग में फेशियल और हेयर स्पा, मैनीक्योर-पेडिक्योर के अलावा आईब्रो, फुल बॉडी वैक्सिंग, बॉडी पॉलिशिंग, आईब्रोज मेकिंग और मेकअप किया जाता है। प्री ब्राइडल पैकेज में आपका पूरा लुक, बॉडीकेयर और मेकअप दोनों शामिल होता है। बाकी दुल्हन की सहेलियां व बहनें एक महीने पहले ब्यूटी पैकेज लें।

टैनिंग से बचें

आज के समय में कड़कती धूप में टैन होना आम बात हो गई है। इसलिए शादी के 3 महीने पहले से ही त्वचा की खास देखभाल करना आवश्य है। अगर आपने प्री-ब्राइडल पैकेज ले रखा है तो आपको सिटिंग्स में टैनिंग पैक भी दिए जाएंगे, साथ ही गाइडेस भी। अगर आपने प्री-ब्राइडल पैकेज नहीं ले रखा है, तो टैनिंग फैशियल जरूर लें और घर से बाहर निकलते समय मुंह पर कपड़ा बांधकर निकलें। त्वचा की नियमित देखभाल जरूर करें। चेहरे को दिन भर में 3-4 बार जरूर धोएं।

स्किन ब्लीचिंग के साइड इफेक्ट

आजकल कम वक्त में गोरा रंग, इंस्टेंट ग्लो व कोमल त्वचा प्रदान करने वाले ब्यूटी प्रसाधनों ने महिलाओं को अपने उत्पादों से कुछ इस तरह जकड़ लिया है जिससे उनका निकल पाना नामुमकिन सा लगता है।

ब्यूटी प्रसाधनों के जाल में वो इस तरह फंस चुकी हैं कि वो विज्ञापन में दिखाई गई महिला की तरह झटपट सुंदर दिखना चाहती हैं, पर क्या कभी आपने इन दावों की सच्चाई को टटोलना चाहा है? अगर नहीं, तो चलिए हम आपको बताते हैं कि ब्लीच युक्त प्रोडक्ट का असर किस तरह से त्वचा के लिए नुकसानदायक है। ब्लीच युक्त प्रोडक्ट्स का असर त्वचा के बदरंग होने या धब्बे व निशान पडने़ तक सीमित नहीं है बल्कि यह हमारे किडनी, फेफड़ों के साथ हृदय पर भी जबरदस्त कुठाराघात करते हैं। यहां यह समझ लेना बेहतर होगा कि ऐसा प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स के कारण है। आइये जानते हैं ब्लीच के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में-

एलर्जी

ब्लीच चेहरे की हो या शरीर की, फायदे के साथ नुकसान एक से हैं। ब्लीचिंग से त्वचा में दर्द, उसका छिल जाना, लाल रंग के चकते व सूजन जैसी समस्याएं आमतौर पर रिएक्शन के रूप में देखने को मिलती है। सिलिकॉन रसायन का इस्तेमाल क्रीम को मुलायम बनाने के लिए किया जाता है। इससे अकसर एलर्जी हो जाती है। पड़ता है किडनी पर भी असर ब्लीच में मरकरी नामक तत्व होता है जिससे जहर फैलता है और यह धीरे-धीरे शरीर की कोशिकाओं पर जमकर लिवर या किडनी पर बुरा असर डालता है।

आंखों में लालिमा

दरअसल ब्लीचिंग में अपनी एक अलग सी महक होती है, जिसको दूर करने के लिए खुशबू का इस्तेमाल किया जाता है। आपने कभी ध्यान दिया हो तो ब्लीचिंग का प्रयोग करते समय धुंआ सा निकलता है, जो आंखों के पास पहुंचते ही जलन पैदा करता है। नतीजा, आंखों में सूजन और लालिमा आ जाती है।

बदरंग त्वचा

हाइड्रोक्विनोन नामक तत्व एक अच्छा ब्लीचिंग एजेंट माना जाता है और इसका नियमित और अधिक मात्रा में इस्तेमाल त्वचा को बदरंग कर सकता है। त्वचा पर समय से पहले आता है बुढ़ापा त्वचा को गोरा व चमकदार बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोडक्ट्स में ग्लायकोलिक एसिड, रेटिनॉल और बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड होते हैं। ये त्वचा की प्राकृतिक रूप से अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से लडने़ की क्षमता पर असर डालते हैं और त्वचा जल्दी बुढ़ाने लगती है और चेहरे पर समय से पहले ही झुर्रियां आनी शुरू हो जाती हैं।

रूखी व पतली त्वचा

त्वचा को टोन बनाने वाले उत्पादों के अधिक इस्तेमाल के चलते इसमें मौजूद ट्रेटिनॉएन से त्वचा पर लाल निशान पड़ जाते हैं। साथ ही त्वचा पतली व रूखी हो जाती है। ब्लीचिंग के बाद अकसर त्वचा लाल हो जाती है। ब्लीच में मौजूद केमिकल त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। ब्लीचिंग से चेहरे पर बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं।

अमरूद खाने से आपके शरीर में क्या होते हैं फायदे

अमरूद आपकी हेल्थ के लिए बेहद गुणकारी है. यही वजह है कि इसे सुपर फूड की कैटगरी में रखा गया है. इसमें विटामिन ष्ट, लाइकोपीन, मैग्नीज, पोटैशयिम, विटामिन, मिनरल और फाइबर पाए जाते हैं. अपनी इन खूबियों के चलते आयुर्वेद में अमरूद को खास स्थान दिया गया है. यही नहीं इसकी खुश्बू और स्वाद दोनों लाजवाब हैं. अगर अब तक आप अमरूद को महज एक फल समझकर इग्नोर करते आए हैं तो अब इन खूबियों के बारे में जान लें और इस वंडर फूड को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं।

डायबिटीज की रोकथाम : अमरूद डायबिटीज के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है. यह शुगर लेवल को कंट्रोल करता है और लो ग्लिसमिक इंडेक्स शुगर लेवल को अचानक बढ़ने से रोकता है. डायबिटीज के रोगियों को रोज अमरूद खाने की सलाह दी जाती है. यही नहीं अमरूद की पत्तियों की चाय पीने से से डायबिटीज का खतरा कम हो जाता है.

वजन कम करने में मददगार : अमरूद में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और खनिज पाए जाते हैं. अमरूद में मौजूद फाइबर कॉलेस्ट्रोल लेवल को कम करने में बहुत मददगार हैं. यही नहीं अंगूर, संतरे और सेब की तुलना में इसमें शुगर की मात्रा बहुत कम होती है. यही वजह है कि आप बेहिचक इसे खा सकते हैं.

सर्दी-जुकाम में फायदेमंद: अमरूद में भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट पाया जाता है, जो शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने में काफी फायदेमंद है. अमरूद पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से कफ दूर होता है. वहीं, पके अमरूद के बीजों को खाने के बाद पानी पीने से जुकाम से राहत मिलती है.

दांतों की परेशानियों से छुटकारा: अगर आपके दांत में दर्द है तो धीरे-धीरे अमरूद की पततियां चबाएं. अमरूद के पत्तों को हल्के गर्म पानी में उबालकर कुल्ला करने से मसूढ़ों की सूजन और दर्द से छुटकारा मिलता है. दांतों में फैले प्लाक से निजात पाने के लिए अमरूद की पत्तियां चबानी चाहिए. मुंह की बदबू दूर करने के लिए अमरूद की पत्तियों को पीसकर उससे पेस्ट करना चाहिए.

हेल्थ टिप्स

जवां रहने के लिए तो अपनाएं ये फ्रूट एंड वेजीटेबल डाइट

बढ़ती उम्र का असर आपके चेहरे पर आसानी से दिख जाता है। अगर आप चालीस या पचास की उम्र की हैं और आपने अपनी दिनचर्या सही नहीं रखी तो उम्र का असर और भी जल्दी दिखने लगेगा। और अगर आप डायबिटिक हैं तो यकीनन आपको खानपान में ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत है। एक तो बढ़ती उम्र और ऊपर से डायबिटीज की समस्या। ऐसे में अगर आपने ठीक तरह से देखभाल नहीं की तो ये सारी समस्याएं आपके चेहरे पर नजर आने लगेंगी। सच तो यह है कि व्यस्त दिनचर्या, काम को लेकर तनाव, रिश्तों में कड़वाहट आदि ने समय से पहले आपके चेहरे पर उम्र की लकीरों को दिखाना शुरू कर दिया है और अगर आपको डाइबिटीज की समस्या है तो फिर ये उस पर नीम चढ़े का काम करता है। आइये आपको बताते हैं खानपान से जुड़ी कुछ ऐसी चीजें जिसे आप खाकर रह सकते हैं जवां जवां और फिट भी।

कौन से फल रहेंगे आपके लिए सही

स्ट्रॉबेरी से त्वचा रहेगी जवां: स्ट्रॉबेरी को अपने डाइट में शामिल करें। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो आपकी त्वचा के लिए अच्छा माना जाता है। इसका स्वाद भी अच्छा होता है। आप चाहें तो स्ट्रॉबेरी को मैश करके इसमें शहद, एवोकैडो या दही मिलाकर त्वचा पर भी लगा सकती हैं। त्वचा की खूबसूरती बढ़ेगी और रंगत में भी निखार आएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि स्ट्रॉबेरी में मैलिक एसिड होता है, जो व्हाइटनिंग एजेंट के रूप में जाना जाता है।

कीवी है रामबाण: विटामिन सी से भरपूर कीवी की खूबियों के बारे में जितना कहें, कम है। कीवी को खाएं या त्वचा पर लगाएं, यह स्वस्थ, चमकदार और खूबसूरत त्वचा पाने में मदद करता है। यह पेक्टिन और फाइबर का बेहतरीन स्रोत भी है, जो पाचन तंत्र को मजबूत करता है। झुर्रियों के साथ ही ब्लेमिशेज से भी बचाव करता है।

बेहतर है अनार: एनिमिया से बचाव करना हो या आप हों डायबिटिक, तो अनार एक ऐसा फल है जो बेहतरीन है। अनार के दानों में इतने गुण हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए इसे बेहतरीन फल बनाते हैं। यह भी आपके चेहरे पर आने वाले उम्र के असर को कम करता है।

आंवला है औषधि: आंवला विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत होता है। यह विटामिन कोलैजन के निर्माण के लिए आवश्यक होता है, जो त्वचा को जवां बनाने के साथ ही लचीला भी बनाता है। यदि खाली पेट आंवले का सेवन किया जाए तो यह कोलैजन के कम होने की प्रक्रिया को धीमा करता है और अधिक कोलैजन बनाने के लिए शरीर की मदद करता है।

इन वेजीटेबल्स को भी करें ट्राई

जिस तरह फ्रूट्स एंटीएजिंग के लिए जरूरी है उसी तरह वेजीटेबल्स भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। कुछ वेजीटेबल्स को अपने डाइट में जरूर शामिल करें, कौन-कौन से हैं ये वेजीटेब्ल्स, आइए देखते हैं-

पालक है बेस्ट: कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन और विटामिन से भरपूर हरा भरा पालक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसका सेवन डाइबिटिक्स के लिए भी अच्छा होता है। साथ ही ये आपको जवां रखने में मददगार है।

ब्रोकली है सुपर्ब: ब्रोकली फाइबर और विटामिन-सी का सबसे अच्छा स्रोत है। यह एक ऐसी सब्जी है जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है, साथ ही यह वेट कंट्रोल रखने में मददगार है और ये आपकी बढ़ती उम्र के साइड इफेक्ट्स को भी कम करता है।

टमाटर करें शामिल: अपने आहार में टमाटर को जरूर शामिल करें। इसमें मौजूद लाइकोपीन व करॉटिनाइड में सूर्य की पराबैगनी किरणों से होने वाले नुकसान से लडने़ की शक्ति होती है। इससे सनबर्न का असर नहीं होता।

सर्दियों में जाएं थीम टूरिज्म डेस्टिनेशंस

आजकल थीम टूरिज्म प्रचलन में है। इसमें किसी एक विषय को लेकर सारे स्पॉट घुमाए जाते हैं ताकि आपकी समझ गहरी हो और आप अपनी पसंद के अनुसार भरपूर मज़ा ले सकें। टूर पैकेज लेने से अपनी सुरक्षा के विषय में आप आश्वस्त रहते हैं और यह आपको सस्ता भी पड़ता है।

छुट्टियों की कल्पना करते ही ख्वाब पलकों में तैरने लगते हैं। यदि आप भारत भ्रमण सर्दियों में करना चाहें तो थीम टूरिज्म या पैकेज टूरिज्म से बेहतर और कुछ नहीं। घूमने जाने का प्रोग्राम यदि आप दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ निकट सम्बन्धियों के साथ मनाएं तो आप बोर नहीं होंगे, विविधता रहेगी और भोजन की आवश्यकताएं भी पूरी हो जाएगी।

तो तैयारी कीजिए इन सर्दियों में थीम टूरिज्म की –

बीच डेस्टिनेशन

गहरे नीले समुद्र की अठखेलियां और खुला आकाश यदि आपकी पसंद है तो सैर कीजिए अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप या दमन दीव की।

अंडमान निकोबार द्वीप समूह

अंडमान निकोबार द्वीप समूह टूरिज्म के लिए विख्यात है। प्रकृति के साये में रहकर यदि आप रोमांस के साथ समुद्री जंतुओं के क्रिया-कलाप देखना चाहे तो अंडमान निकोबार बेहतरीन है।

क्या देखें

किंक द्वीप, हैवलौक द्वीप, रॉस द्वीप, वाइपर द्वीप और रेड स्किन द्वीप। अंडमान के प्रसिद्ध बीच हैं- राधानगर बीच, हरमिन्दर बे बीच, रामनगर बीच, सेल्युलर जेल बाराबाग, बैरन आइलैण्ड माउण्टहेरियट, हैवलौक आइलैण्ड। समुद्र के तट पर घूमें या वाटर स्पॉट का मजा लें। समुद्री जीवों को निहारें अथवा सनसेट देखें, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म भी कर सकते हैं।

कैसे जाएं

बोट से या एयर से। चेन्नई कोलकत्ता और विशाखापट्टनम से रेग्यूलर पैसेन्जर शिप सर्विस भी है।

लक्षद्वीप द्वीप समूह

केरल के तट से करीब 200-300 किलोमीटर दूर अरब सागर में स्थित 36 छोटे-छोटे द्वीप। केरल रीफ से आच्छादित स्वच्छ गहरे नीले पानी, बड़े लम्बे नारियल के पेड़ों से लदे इन द्वीपों में से सिर्फ कुछ पर ही बसावट है।

क्या देखें

बंगारम और कदमट द्वीप, अगाटी द्वीप। ड्राइविंग के शौकीनों का तो यह स्वर्ग है। आप लक्षद्वीप क्रूज़ भी ले सकते हैं। इसके अलावा स्पीड बोटिंग, सेलिंग, केनोइंग कयाकिंग और येचिंग वहां के प्रमुख एडवेंचर हैं। स्कूबा डाइविंग भी है। जून से अक्टूबर यानी यहां के मानसून में न जाएं क्योंकि इन महीनों में समुद्र अशांत रहता है।

कैसे जाएं

शिप एवं पैसेंजर प्लेन से जा सकते हैं। अगाती और बगारम द्वीप वायु सर्विस से कनैक्टेड है।

दमन और दीव

अरब सागर के तट पर बसे दमन और दीव पर्यटकों के लिए आकर्षण हैं। पुरातन और वर्तमान परंपराओं का बेजोड़ मिश्रण यह क्षेत्र अपने ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है।

क्या देखें

दीव में बुदेर चौक, फोर्ट पनीकोटा, सेंट पॉल चर्च, आईएनएस खुकरी। नागोआ बीच, जालंधर बीच, घोगला बीच। दमन में पुरातन फोर्ट लाईट हाउस उद्यान, गोयिक कलाकृतियां, नानी दमन फोर्ट चर्च जमपोर बीच। रोकिग टॉवर। लोक कथाओं के से माहौल में शान्ति से कुछ दिन जीवनयापन करना चाहें तो दमन दीव से अच्छा कुछ भी नहीं।

कैसे जाएं

रेल रोड या एयर तीनों से आप दमन दीव पहुंच सकते हैं। वापी नजदीकी रेलवे स्टेशन है। रोड से आप नेशनल हाइवे द्वारा कनैक्ट हो सकते हैं। मुम्बई एयरपोर्ट से फ्लाइट भी ले सकते हैं।

रेसिपी

बीसी भेले भात

सामग्री

चना-उड़द दाल- दो-दो चम्मच, दालचीनी- दो स्टिक, नारियल पाउडर- 50 ग्राम, साबुत लाल मिर्च- पांच, धनिया-तीन चम्मच, धनिया दाना मेथी-सौंफ-दो चम्मच, हरी इलायची-पांच, गरम मसाला-मिलाजुला। पैन में दो बूंद तेल डालकर सारे सूखे मसालों को सेंक कर मिक्सी में महीन पीस लें। भात के लिए जरूरी सामग्री- तुअर की दाल- एक कप, हल्दी पाउडर- एक चम्मच, नमक-स्वादानुसार, टमाटर-दो, फूल गोभी- दस फूल, गाजर-एक, बीन्स-तीन चौथाई कप, मटर- आधा कप, चावल- दो कप, करी पत्ता- थोड़े से, इमली का गूदा- दो बड़े चम्मच।

विधि

तुअर दाल को जरा सी हल्दी के साथ प्रेशर कुकर में डालकर नर्म होने तक उबालकर अलग रख लें। सारी सब्जियों को बारीक काटकर एक पैन में दो चम्मच तेल डालकर पांच मिनट तक मंदी आंच पर फ्राई कर लें। अब पैन में भीगे हुए चावल, उबली हुई तुअर की दाल, नर्म की हुई सब्जियां, बीसी मसाला पाउडर, नमक, करी पत्ता और ईमली का गूदा और आवश्यकतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह पकाएं।

चिकन चीजी कबाब

सामग्री

चिकन -1 किग्रा ,अदरक पेस्ट -1 बड़ा, चम्मचलहसुन का पेस्ट -1 बड़ा चम्मच,लाल मिर्च -2 बड़े चम्मच , नमक -1 छोटा चम्मच,दही-180 ग्राम ,भूना हुआ बेसन -2 बड़े चम्मच,प्रोसेस्ड चीज़ -45 ग्राम, जावित्री पाऊडर -1/4 छोटा चम्मच, जायफल पाऊडर -1/4 छोटा चम्मच, इलायची पाऊडर -1/2 छोटा चम्मच,तेल -2 बड़े चम्मच , मक्खन -ब्रश करने के लिए , धनिया -गार्निशिंग के लिए , चाट मसाला -गार्निशिंग के लिए, नींबू का रस -गार्निशिंग के लिए।

विधि

एक बाउल में 1 किलोग्राम चिकन, 1 बड़ा चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 बड़ा चम्मच लहसुन का पेस्ट, 2 बड़े चम्मच लाल मिर्च, 1 छोटा चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे 10-15 मिनट के लिए रख दें। एक बाउल में 180 ग्राम दही, 2 बड़े चम्मच भूना हुआ बेसन, 45 ग्राम प्रोसेस्ड चीज़, 1/4 छोटा चम्मच जावित्री पाऊडर, 1/4 छोटा चम्मच जायफल पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाऊडर डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को मसालेदार चिकन में डालकर इसमें 2 बड़े चम्मच तेल मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। चिकन को फिर से 1 घंटे के लिए रख दें। अब चिकन डालने के लिए जरूरत अनुसार सीख लें और उन्हें 30 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सीख को पानी से निकालकर उनमें एक-एक करके सारे चिकन को डाल दें। ओवन को 480 डिग्री फरनेहाइट/ 250 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। अब चिकन को ग्रिलर में रखकर 10 से 15 मिनट तक ग्रिल करें। फिर ओवन से बाहर निकालकर इस पर ब्रश की सहायता से मक्खन लगाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**